Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0c
न्यूनतम तापमान: 21.0c
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

दैनिक संजीवनी टुडे
sanjeevnitoday.com
समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्ष: 11 अंक: 101 जयपुर, रविवार, 15 सितम्बर 2024 पृष्ठ:8 मूल्य: '1.50

अब होगी खुशियों की बात संजीवनी टुडे के साथ
जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ एवं नियुक्ति बधाई संदेश
मात्र 1100/- में
साईज 8X8 cm
संजीवनी टुडे
e-mail: sanjeevnitoday@gmail.com

हरियाणा में मोदी बोले- कांग्रेस अर्बन नक्सल का नया रूप

इनके मुंह में किसानों की मौत का पाप, आरक्षण खत्म करने वाले हैं

■ संजीवनी टुडे

कुरुक्षेत्र। हरियाणा में 90 विधानसभा सीटों पर चुनाव के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुरुक्षेत्र में पहली रैली की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का शाही (गांधी) परिवार आरक्षण को खत्म करने वाला है। मगर, जब तक मोदी है, आरक्षण की रत्ती भर भी लूट नहीं होने दूंगा। पीएम ने हरियाणा के लोगों को चेताया कि अगर यहां कांग्रेस की सरकार आई तो इसकी हालत भी हिमाचल जैसी हो जाएगी। जहां सरकार के पास कर्मचारियों को सैलरी देने के पैसे नहीं हैं। यहां तक कि सीएम और मंत्रियों को अपनी सैलरी छोड़नी पड़ रही है। किसानों के मुद्दे पर पीएम ने कहा कि कांग्रेस देश को गुमराह कर रही है। उन्होंने कांग्रेस को चैलेंज दिया कि वे कर्नाटक और तेलंगाना में इन स्कीमों को लागू करें। मोदी ने कहा कि तेलंगाना में कुछ ही महीनों में 1200 किसान खुदकुशी कर चुके हैं। कांग्रेस के लोगों को डूब मरना चाहिए। उनके मुंह में किसानों की मौत का पाप है। हरियाणा में भाजपा सरकार 24 फसलों पर ख्रट्ट्घ दे रही है। इस रैली में हरियाणा की जीटी रोड बेल्ट पर लगते 6 जिलों की 23 विधानसभा सीटों के उम्मीदवार भी मौजूद रहे। ये करनाल, कुरूक्षेत्र, अंबाला, पंचकूला, यमुनानगर और कैथल के थे। हरियाणा चुनाव को लेकर 12 सितंबर को नामांकन खत्म हो चुके हैं। अब 5 अक्टूबर को वोटिंग और 8 अक्टूबर को नतीजे घोषित किए जाएंगे।

बोले- कांग्रेस एक परिवार को आगे बढ़ाकर राजनीति कर रही

नरेंद्र मोदी ने कहा- कांग्रेस का दलित विरोधी चेहरा हरियाणा से बेहतर कौन जानता है। हरियाणा में जब-जब कांग्रेस की सरकार आती है तो दलितों का जीना मुश्किल हो जाता है। 2005 में गोहाना में कितना बड़ा कांड हुआ, मिर्चपुर कांड हुआ। 2012 में जो हुआ, उसे याद करके रूह कांप जाती है। तब मैंने यह कहा था कि दिल्ली के शाही परिवार और पूर्व सीएम हुड्डा के मुंह पर ताले गए थे। मैं एक और बात बताऊंगा, कांग्रेस में एक अंदरूनी महाभारत चल रही है। जिस तरह यहां एक परिवार को आगे बढ़ाकर कांग्रेस राजनीति कर रही है, वह पूरा दलित समाज देख रहा है। भाजपा की सरकार पूरी ईमानदारी से लोगों के विकास में जुटी हुई है। जब यहां कांग्रेस की सरकार थी, तब खर्ची और पर्ची के बिना नौकरी नहीं मिलती थी। भाजपा ने इस खेल को खत्म कर दिया है। इसकी प्रशंसा पूरे देश में हो रही है। भाजपा की सरकार ने पूरी ईमानदारी से डेढ़ लाख नौकरियां दीं। हमारे मुख्यमंत्री 25 हजार और नौकरियां देने जा रहे हैं।

कांग्रेस देश पर नक्सलवाद थोप रही

गांधी जी हमेशा से सत्य की वकालत करते थे, आजादी के कुछ वर्षों तक कांग्रेस पर गांधी जी के आदर्शों का असर रहा, लेकिन आज की कांग्रेस अर्बन नक्सल का नया रूप बन गई है। कांग्रेस को झूठ बोलने पर अब शर्म नहीं आती। कांग्रेस हर रोज एक नया झूठ बोलती है। कांग्रेस देश की एकता पर लगातार हमला कर रही है। कांग्रेस देश पर नक्सलवाद थोप रही है। नरेंद्र मोदी ने कहा- वह कालखंड, जिसके कारण हरियाणा की अनेक माताओं को अपनी संतान गंवानी पड़ी थी। आप मुझे बताएं क्या कांग्रेस को आर्टिकल 370 वापस लाने देंगे क्या। साथियों कांग्रेस के लिए तुष्टीकरण ही सबसे बड़ा लक्ष्य है। आज तो हालात यह हो गए हैं कि कांग्रेस के राज में कर्नाटक में गणपति को भी सलाखों के पीछे डाला जा रहा है। पूरा देश आज गणेश उत्सव मना रहा है, और कांग्रेस विघ्नहर्ता की पूजा में भी विघ्न डाल रही है। तुष्टीकरण के लिए कांग्रेस कुछ भी कर सकती है। नरेंद्र मोदी ने कहा- वीर जवानों के साथ भी कांग्रेस ने धोखा किया है। बीजेपी ने वन पेंशन वन स्कीम लागू की। इससे हरियाणा के डेढ़ लाख हरियाणा के फौजियों को करोड़ों रुपए का फायदा मिला। कांग्रेस ने इसे दशकों से लटकाए रखा था। हमने तीसरी टर्म में भी इसे रिवाइज कर दिया। अक्टूबर से फौजियों को इसका लाभ मिलने लग जाएगा। यहां आने से पहले मैं जम्मू कश्मीर में था। वहां कांग्रेस पार्टी 370 को फिर से बहाल करने का संकल्प ले रही है। आपको क्या ये मंजूर है।

एलओसी के पास घुसपैठ की कोशिश, सेना का अधिकारी घायल

एक हफ्ते में ऐसी दूसरी घटना, सेना ने बारामूला में तीन आतंकी ढेर किए

■ संजीवनी टुडे

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में एलओसी (लाइन ऑफ कंट्रोल) के पास घुसपैठ कर रहे आतंकियों से मुठभेड़ में सेना का एक अधिकारी घायल हो गया। यह मुठभेड़ नौशेरा सेक्टर के कलाल इलाके में हुई। एक हफ्ते में घुसपैठ का यह दूसरा मामला है। इससे पहले 9 सितंबर को एलओसी के पास भारी हथियारों से लैस दो आतंकवादी मारे गए थे। उधर सेना ने बारामूला में तीन आतंकी मारे गिराए हैं। किश्तवाड़ में कल दो जवान शहीद हुए थे। दो अन्य घायल हैं। दोनों जगहों पर सेना और पुलिस जॉइंट ऑपरेशन चला रही है। किश्तवाड़ जिले में आतंकियों के साथ मुठभेड़ के बाद शुक्रवार रात से सुरक्षा बढ़ा दी गई है। बारामूला में शनिवार (14 सितंबर) को और सुरक्षाबलों को एनकाउंटर साइट पर भेजा गया है। कठुआ में दो आतंकी ढेर, हथियार बरामद इससे पहले कठुआ के खंडारा में भी सेना का ऑपरेशन चला। यहां राइजिंग स्टार कोर के सैनिकों ने दो आतंकियों को मार गिराया गया। सेना ने ड्ड पर पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। आतंकियों के पास से भारी मात्रा में हथियार बरामद हुए। पीएम की डोडा में आज रैली, किश्तवाड़ सहित 3 जिलों में 18 सितंबर को चुनाव जम्मू-कश्मीर के डोडा में

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार (14 सितंबर) को मेगा रैली को संबोधित करेंगे। यह विधानसभा चुनाव में बीजेपी उम्मीदवारों के समर्थन में उनके चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत होगी। पीएम मोदी चिनाब घाटी के तीन जिलों डोडा, किश्तवाड़ और रामबन की 8 विधानसभा सीटों के उम्मीदवारों के लिए वोट अपील करेंगे। तीनों जगह 18 सितंबर को पहले फ़ेज के चुनाव में वोटिंग होगी। जम्मू-कश्मीर की 90 विधानसभा सीटों पर कुल तीन फ़ेज में चुनाव होंगे। दूसरे फ़ेज की वोटिंग 25 सितंबर और तीसरे फ़ेज की वोटिंग 1 अक्टूबर को होगी। 8 अक्टूबर को नतीजे आएंगे। जम्मू-कश्मीर में 10 साल बाद विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। आखिरी बार 2014 में विधानसभा चुनाव हुए थे।

योगी ने कहा-ज्ञानवापी ही साक्षात विश्वनाथ हैं

दुर्भाग्य से लोग उसे मस्जिद कह रहे हैं, गोरखपुर में सुनाई आदिशंकर की कहानी

■ संजीवनी टुडे

गोरखपुर। सीएम योगी ने वाराणसी की ज्ञानवापी को साक्षात विश्वनाथ बताया। कहा- ज्ञानवापी ही साक्षात विश्वनाथ हैं। ज्ञानवापी को आज लोग दूसरे शब्दों में मस्जिद कहते हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। गोरखपुर में हिंदी दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने आदि शंकर की कहानी सुनाई। कहा- आदि शंकर ने जिस ज्ञानवापी के लिए साधना की.. दुर्भाग्य से उस ज्ञानवापी को लोग मस्जिद कहते हैं। यह पहली बार नहीं है जब सीएम योगी ने ज्ञानवापी पर बयान दिया। पिछले साल जुलाई में एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था- अगर ज्ञानवापी को मस्जदि कहेंगे तो ववािद होगा। उन्होंने कहा था-त्रशि‌ूल मस्जदि के अंदर क्या कर रहा है। हमने तो नहीं रखे न। ज्योतिर्लिंग हैं, देव प्रतमिाए हैं। पूरी दीवारें चल्लिा-चल्लिा के क्या कह रही हैं। मुझे लगता है कि मुस्लमि समाज की ओर से यह प्रस्ताव आना चाहएि कि ऐतिहासकि गलती हुई है। हिंदी दिवस पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर यूनिवर्सिटी में अयोजित कार्यक्रम में सीएम ने कहा- याद करिए, केरल में जन्मा एक संन्यासी आदि शंकर के रूप में भारत के चार कोनों में चार पीठों की स्थापना करता है। आचार्य शंकर जब अपने अद्वैत ज्ञान से परिपूर्ण होकर आगे की साधना के लिए काशी आए। तब साक्षात भगवान विश्वनाथ ने उनकी परीक्षा ली।

ब्रह्म मुहूर्त में आदि शंकर गंगा स्नान के लिए जा रहे थे। भगवान सबसे अछूत कहे जाने वाले चंडाल के रूप में उनके मार्ग पर खड़े हो गए। उन्हें देखकर आदि शंकर ने कहा- मेरे मार्ग से हटो। चंडाल ने उसने पूछा- आप अपने आपको अद्वैत ज्ञान के मर्मज्ञ मानते हैं। आप किसे हटाना चाहते हैं आपका ज्ञान क्या इस भौतिक काया को देख रहा या भौतिक काया के अंदर बसे हुए ब्रह्म को अगर ब्रह्म सत्य है, तो जो ब्रह्म आपके अंदर है, वही ब्रह्म मेरे अंदर भी है। इस ब्रह्म सत्य को जानकर भी ठुकरा रहे हैं। इसका मतलब आपका यह ज्ञान सत्य नहीं है। आदि शंकर भौचक्के रह गए। उन्होंने पूछा- आप कौन हैं। मैं जानना चाहता हूं जवाब में भगवान ने कहा- जिस ज्ञानवापी की उपासना के लिए आप केरल से चलकर यहां आए हैं। मैं साक्षात स्वरूप विश्वनाथ हूं।

बिनु गुरु पंथ न पाइए, भूलै से जो भेंट

सीएम ने कहा- उस समय मलिक मोहम्मद जायसी, जिन्होंने पद्मावत रची थी। पद्मावत में मलिक मोहम्मद जायसी गोरक्षनाथ जी के बारे में कहते हैं- बिनु गुरु पंथ न पाइए, भूलै से जो भेंट। जोगी सिद्ध होई तब, जब गोरख सौं भेंट। कबीर जी ने भी गोरक्षनाथ जी की योग पद्धति के बारे में बातें कही हैं। अगर हम हिंदी दिवस पर हिंदी साहित्य के बारे में चर्चा करते हैं, तो संत साहित्य से यह परंपरा आगे बढ़ती है। परंपरा में महायोगी गोरक्षनाथ का साहित्य दिखाई देता है। उस पर शोध और कार्यक्रम को हम आगे बढ़ाएंगे।

केजरीवाल पत्नी के साथ हनुमान मंदिर पहुंचे

कल 177 दिन के बाद रिहा हुए थे, स्वागत में पटाखे जलाने वालों पर एफआईआर

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। तिहाड़ जेल से रिहा होने के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शुक्रवार सुबह क्नॉट प्लेस के हनुमान मंदिर पहुंचे। दिल्ली सीएम के साथ उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल, आप नेता मनीष सिसोदिया और संजय सिंह भी पहुंचे। मंदिर पहुंचकर केजरीवाल ने पत्नी के साथ भगवान हनुमान को जल चढ़ाया। पुजारी ने उन्हें एक गदा देकर चुन्नी उढ़ाई। पूजा के बाद अरविंद केजरीवाल राजघाट जाएंगे। वे महात्मा गांधी के समाधि स्थल पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। शराब नीति केस में जमानत मिलने के बाद मनीष सिसोदिया और संजय सिंह ने भी इसी हनुमान मंदिर में बजरंग बली की पूजा की थी। अंतरिम जमानत के बाद 2 जून को सरेंडर करने से पहले भी केजरीवाल ने इसी मंदिर में बजरंग बली के दर्शन किए थे। उधर, बुधवार को 177 दिन बाद जेल से बाहर आने पर तिहाड़ के बाहर आतिशबाजी हुई थी। इसे लेकर दिल्ली के सिविल लाइंस थाने में अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। दरअसल, दिल्ली में प्रदूषण के चलते 1 जनवरी 2025 तक पटाखे जलाने पर बैन है। मंदिर पहुंचने पर पुजारी ने केजरीवाल और उनकी को आशीर्वाद दिया। मंदिर में प्रसाद चढ़ाने के बाद पुजारी ने केजरीवाल को गदा दी और टीका लगाया। अरविंद केजरीवाल, सुनीता केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और संजय सिंह ने साथ में पूजा की।

क्नॉट प्लेस के मंदिर में ही अरविंद केजरीवाल ने शिवलिंग की भी पूजा की

रिहाई के बाद केजरीवाल बोले- सच्चा था इसलिए भगवान ने साथ दिया अरविंद केजरीवाल 13 सितंबर को शाम करीब 6.15 बजे तिहाड़ जेल से बाहर आए। बाहर आने के बाद उन्होंने कहा- मेरे खून का एक-एक कतरा देश के लिए है। मेरा जीवन देश के लिए समर्पित है। इन लोगों को लगा कि मुझे जेल में डालकर मेरा हौसला तोड़ देंगे। आज मैं जेल से बाहर आ गया हूं और मेरे हौसले 100 गुना ज्यादा बढ़ गए हैं। मैं सच्चा था, मैं सही था इसलिए भगवान ने मेरा साथ दिया। ऊपर वाले ने मुझे रास्ता दिखाया, ऐसे ही भगवान रास्ता दिखाता रहे। ये राष्ट्रविरोधी ताकतें देश को जो अंदर से कमजोर करने की कोशिश कर रही हैं मैं इनके खिलाफ ऐसे ही लडूं। इससे पहले इसी दिन सुबह सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली शराब नीति से जुड़े एउत्रकेस में उन्हें जमानत दी थी। अदालत ने जमानत के लिए वही शर्तें लगाई हैं, जो क्ककेस में बेल देते वक्त लगाई गई थीं। अरविंद केजरीवाल ने वकील अभिषेक मनु सिंघवी से उनके घर जाकर मुलाकात की। अरविंद केजरीवाल ने वकील अभिषेक मनु सिंघवी से उनके घर जाकर मुलाकात की।

सीएम बोले-15 हजार राजस्थानी युवाओं को जापान में मिलेगा रोजगार

■ संजीवनी टुडे

प्रदेश में साउथ कोरिया कॉरिडोर बनाएंगे, सभी विदेशी भाषाएं सीखाने का कॉलेज खोलेंगे

जयपुर। सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा है कि जापानी कंपनी 5 साल में राजस्थान के 15 हजार युवाओं को जापान में रोजगार देगी। यही उनकी ट्रेनिंग होगी, यही उनकी भाषा में सीखने का काम किया जाएगा। यह तो केवल एक कंपनी ने वादा किया है, और भी कई कंपनियां रोजगार देंगी। हमने यह भी निर्णय लिया है कि हम राजस्थान में सभी देशों की भाषाओं के लिए एक कॉलेज भी खोलेंगे, जिससे देशभर से लोग आकर अलग-अलग फॉरेन लैंग्वेज सीख सकेंगे। सीएम ने कहा- हम अन्य देशों में गए हैं तो वहां की भाषाएं अलग हैं, भाषाएं अलग होने के कारण कई बातें समझ में नहीं आना एक दिक्कत है। हम राजस्थान में सभी विदेशी भाषाएं सीखाने का कॉलेज खोलेंगे। सीएम शनिवार को बीजेपी दफ्तर में स्वागत समारोह में बोल रहे थे। सीएम ने कहा- मुझे लगता है राजस्थान की जनता का मन और भाव ईश्वर से जुड़ गया है। हर बार अकाल पड़ता था, इस बार राजस्थान में बारिश हुई है, उसमें आप देख सकते हैं, बांध फुल हो गए हैं। मैं जापान में था, सिंचाई विभाग के सचिव से पूछा कि राजस्थान में बांधों की स्थिति क्या है? उन्होंने कहा की लगभग 90% बांध फुल हो गए हैं, कुछ में से पानी छोड़ा जा रहा है और 10% रहने वाले हैं, वह भी जब तक आप आओगे तब तक फुल हो जाएंगे। यह बात उन्होंने जब कहीं तो मेरे पास कई लोग बैठे थे, मैंने उनसे कहा आप मिठाई खाएं, ईश्वर की कृपा हुई और राजस्थान के सारे बांध भर गए हैं। सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा- जब मन में जज्बा होता है और करने की इच्छा होती है तो ईश्वर भी साथ देता है। मैं जब दक्षिण कोरिया में सबसे पहले पहुंचा तो वहां हमारे एंबेसडर (राजदूत) अमित कुमार मिले। मैंने उनसे वहीं चर्चा शुरू की, लोगों ने कहा कि पहले चाय-पानी तो पीजिए।

शाह बोले- हिंदी की दूसरी भाषाओं से कोई रेस नहीं

वे आपस में दोस्त हैं, राजभाषा हिंदी का हर भारतीय के साथ अटूट रिश्ता है

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार 14 सितंबर को हिंदी दिवस पर चौथे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के बीच कोई प्रतिस्पर्धा नहीं हैं, वो आपस में दोस्त हैं। राजभाषा हिंदी का हर भारतीय के साथ अटूट रिश्ता है। इस दौरान गृह मंत्री ने अग्रवाल की लिखी किताब (हिंदी कहावत कोश) को जारी किया। शाह बोले- कई मंत्रालय की फाइल हिंदी में ही लिखी जाती है हम राजभाषा के रूप में हिंदी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में डायमंड जूबली मना रहे हैं। हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकार करके और देश की सभी स्थानीय भाषाओं को हिंदी के माध्यम से जोड़कर हम अपनी संस्कृति के संरक्षण और प्रचार-प्रसार की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। शाह ने कहा कि गृह और सहकारिता मंत्रालयों की फाइलों के माध्यम से जुड़ी बात हिंदी में ही किए जाते है। ऐसा करने में 3 साल का समय लग गया। हिंदी एक भू-राजनीतिक भाषा के बजाय एक भू-सांस्कृतिक भाषा है।

विदेशों में नौकरी दिलाने वाली भाषा है हिंदी

साल 2011 में हुई आखिरी जनगणना के डेटा के अनुसार देश में 43.63% आबादी की पहली भाषा हिंदी है। यह आंकड़ा करीब 11 साल पहले का है। देश के 125 करोड़ लोगों में से 53 करोड़ लोग अपनी मातृभाषा हिंदी को ही मानते थे। हिंदी भाषा को आगे बढ़ाने के लिए हर साल 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है। भारत की संविधान सभा ने 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को संघ की आधिकारिक भाषा के रूप में स्वीकार किया। अब समय आ गया है कि भारत की सभी भाषाओं को मजबूत किया जाए और राजभाषा को देश की संपर्क भाषा बनाया जाए, जिससे हर कोई अपनी-अपनी भाषा में देश का कामकाज कर सके। नई शिक्षा नीति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्राइमरी एजूकेशन के लिए मातृभाषा पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि एक बच्चे के लिए भाषाई अभिव्यक्ति, सोच, समझ, तर्क और किसी निर्णय पर पहुंचने के लिए सबसे आसान भाषा उसकी मातृभाषा है। केंद्र सरकार शिक्षा, तकनीकी शिक्षा और न्यायपालिका में हिंदी के प्रयोग की दिशा में काम कर रही है। राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड ने आज मेडिकल शिक्षा का पूरा पाठ्यक्रम हिंदी में कर लिया है। वहीं आने वाले दिनों में भारत की लगभग 13 भाषाओं में इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम तैयार करने पर काम चल रहा है।

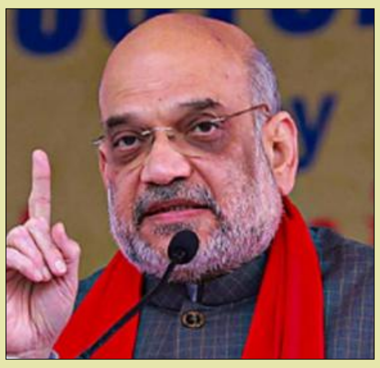

पीएम आवास में गाय ने बछिया को जन्म दिया

मोदी ने दीपज्योति नाम रखा, वीडियो शेयर कर लिखा- इसके माथे पर ज्योति का चिह्न

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। दिल्ली में लोक कल्याण मार्ग स्थित प्रधानमंत्री आवास में एक गाय ने बछिया को जन्म दिया है। पीएम मोदी ने शनिवार (14 सितंबर) को ड्ड पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बछिया को दुलार करते हुए अपना एक वीडियो भी शेयर किया है। कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'हमारे शास्त्रों में कहा गया है- गावः सर्वसुख प्रदाः। लोक कल्याण मार्ग पर प्रधानमंत्री आवास परिवार में एक नए सदस्य का शुभ आगमन हुआ है। प्रधानमंत्री आवास में गौ माता ने एक नव वत्सा को जन्म दिया है, जिसके मस्तक पर ज्योति का चिह्न है। इसलिए, मैंने इसका नाम दीपज्योति रखा है।' मोदी बछिया को लेकर पीएम आवास के मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने पूजा कर बछिया को माला पहनाई। गाय की बछिया को मोदी ने गोदी में उठाकर पीएम आवास में घुमाया। पीएम मोदी ने 8 महीने पहले मकर संक्राति के मौके पर पीएम आवास में गायों को चारा खिलाया था। 14 जनवरी को दिल्ली में तमिल समुदाय के लोगों के बीच मोदी पोंगल सेलिब्रेट करने पहुंचे थे। उस समय भी मोदी ने गाय की पूजा की थी। राजधानी दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास का लॉन। मकर संक्रांति पर खिली धूप में घ्ख्र मोदी कुछ गायों से घिरे हुए हैं। उनके हाथ में तिल-गुड़ और हरा चारा है। वो गायों को खिला रहे हैं और उन्हें दुलार रहे हैं। जिसने भी ये वीडियो देखा उसका ध्यान छोटी-छोटी गायों की तरफ जरूर गया। ये आंध्र प्रदेश की पुंगनूर गायें हैं।

कोलकाता रेप-मर्डर, 15 डॉक्टर्स सीएम आवास मिलने पहुंचे

मीटिंग की लाइव स्ट्रीमिंग पर अड़े, ममता बोलीं- इस पर कोई बात नहीं हुई थी

■ संजीवनी टुडे

कोलकाता। कोलकाता के आरजी कर कॉलेज और हॉस्पिटल में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर मामले पर प्रदर्शन कर रहे जूनियर डॉक्टर आज शाम 6:30 बजे सीएम आवास पहुंचे। वे मीटिंग की लाइव स्ट्रीमिंग पर अड़े हुए हैं। इस पर एख्र ममता बनर्जी ने कहा कि चर्चा की बातें रिकॉर्ड की जाएंगी, लेकिन लाइव स्ट्रीमिंग नहीं की जा सकती। क्योंकि मामला सुप्रीम कोर्ट में है। प्रदर्शन करने वाले डॉक्टरों को ममता लगातार समझाने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि आपकी सभी मांगें मानना संभव नहीं है। सीएम और डॉक्टरों के बीच पांच घंटे में यह दूसरी मुलाकात है। शनिवार की दोपहर 1:30 बजे के करीब ममता स्वास्थ्य भवन के बाहर प्रदर्शन कर रहे जूनियर डॉक्टरों से खुद मिलने पहुंचीं थी। डॉक्टर्स 10 सितंबर से यहां प्रदर्शन पर बैठे हैं। ममता ने डॉक्टरों से कहा, 'मेरा पद नहीं, लोगों का पद बड़ा है। मैं मुख्यमंत्री नहीं, बल्कि आपकी दीदी बनकर आपसे मिलने आई हूं।' ममता ने कहा आप काम पर लौटिए, मैं मांगों पर विचार करूंगी। सीबीआई से कहूंगी कि दोषियों को फांसी दी जाए।

आपके खिलाफ कार्रवाई नहीं होगी: ममता

ममता ने डॉक्टरों से कहा आपके खिलाफ कार्रवाई नहीं होगी ममता ने आगे कहा कि यह मेरी तरफ से बातचीत की आखिरी कोशिश है। आपके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होगी, क्योंकि मैं लोकतांत्रिक आंदोलन को दबाने में विश्वास नहीं करती। ममता ने राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों की रोगी कल्याण समितियों को भंग करने की भी घोषणा की। ममता अब तक तीन बार डॉक्टरों से बैठकर बातचीत की पहल कर चुकी हैं। डॉक्टरों ने उनके तीनों प्रस्तावों को खारिज कर दिया था। उनकी 5 मांगें हैं। उन्होंने सरकार से बातचीत के लिए 4 शर्तें भी रखी हैं। आरजी कर मेडिकल कॉलेज में रेप-मर्डर केस को लेकर जूनियर डॉक्टर्स 36 दिनों से हड़ताल पर हैं। ट्रेनी डॉक्टर की मां बोलीं- सीएम ममता डॉक्टर्स की मांगों को मानें ट्रेनी डॉक्टर की मां ने उम्मीद जताई कि मुख्यमंत्री और आंदोलनकारी डॉक्टरों के बीच बातचीत से नतीजे निकलेंगे। उन्होंने कहा, केवल यह कहने के बजाय कि जो भी दोषी पाया जाएगा उसे दंडित किया जाएगा, सिर्फ यह कहने से बात नहीं बनेगी।

जलझूलनी एकादशी पर जमकर उड़ी गुलाल, देशभर से आए श्रद्धालु

संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़।मेवाड़ के प्रख्यात कृष्णधाम श्री सांवलियाजी मंदिर में सांवरा सेठ के जयकारों के बीच गुलाल उड़ी और भादो में श्रद्धालुओं ने आराध्य के साथ जमकर फाग खेला। शनिवार को जलझूलनी एकादशी पर भगवान की रथयात्रा निकाली गई। जिसमें देश-विदेश से आए श्रद्धालु शामिल हुए। राजभोग आरती के बाद मंदिर पुजारियों ने भगवान के बाल स्वरूप को शीश पूजा अर्चना के बाद सिंहासन में विराजित किया। मंदिर के पुजारी परिवार ने श्री सांवलिया के बाल विग्रह वाले सिंहासन को निज मंदिर से लाकर चांदी के रथ पर स्थापित कर रथयात्रा निकाली। इस दौरान श्रद्धालु हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की के जयकारे लगा रहे थे। भगवान को रजत रथ में स्थापित करने के बाद श्रद्धालुओं ने जमकर जयकारे लगाए। इस बीच अध्यक्ष भैरूलाल गुर्जर, सीईओ व एडीएम राकेश कुमार समेत असंख्य लोगों ने भगवान सांवलियाजी के विग्रह पर पुष्प वर्षा, गुलाल उड़ाकर और नमन कर अगवानी की। रथयात्रा मंदिर परिसर से बाहर निकली, जिसमें सबसे आगे ध्वज लिए सेवक, दो हाथियों पर सवार पुजारी परिवार के सदस्य, 2 ऊंटों पर नक्कारखाना चला। साथ ही 6 बैंड, 2 दर्जन से अधिक मालवी ढोल, ध्वज निशान, रजत छड़ी के साथ बड़ी संख्या में भक्त भी शामिल हुए। यह शोभायात्रा में राधाकृष्ण मंदिर, कुरेठा नाका मंदिर, नीमचौक मंदिर, कुम्हारों का मोहल्ला मंदिर के बैवाण भी शामिल होते हुई गई। रथयात्रा शिव मंदिर चौक से, राधाकृष्ण मंदिर, गढी का देवरा और मस्जिद के पास होते हुए कबूतर खाना पहुंची। रथ यात्रा के सांवलिया स्नान घाट पहुंचने पर मुख्य पुजारी सांवलिया को और अन्य मंदिरों के पुजारियों द्वारा अपने मंदिर के विग्रहों को जल में झुलाकर स्नान कराया। रथ यात्रा वापस कबूतर खाना ब्रह्मपुरी, जैन मोहल्ला,सदर बाजार होते हुए लगभग रात 8 बजे मुख्य मंदिर पहुंची, जहां पर ठाकुर जी का रंगीन और आकर्षक आतिशबाजी से स्वागत किया गया।करीब 2 किमी की दूरी तय कर सांवलियाजी की रथयात्रा मंदिर पहुची। सांवलियाजी मेले में शनिवार को भगवान की रथयात्रा पर मंदिर पदाधिकारियों ने हेलीकॉप्टर से कई चक्कर काटते हुए गुलाब की पंखुड़िया बरसाई। जिसका लोगों में आकर्षण रहा। यहां देश के अलग अलग राज्यों से आए भक्त भी मंत्रमुग्ध हो गए। इसके अलावा भक्त जनों ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर खुशियां मनाई। पूरा मंदिर परिसर ही नहीं पूरा कस्बा गुलाल के रंगों से रंगा हुआ नजर आया। मानो यहां गोकुल की होली खेली जा रही हो। मेला ग्राउंड के मीरा रंगमंच में भजन संध्या कार्यक्रम का आयोजन होगा, जिसमें भगवत सुथार में दल द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। वहीं, गोवर्धन रंगमंच में पूजा नथनी में दल द्वारा भजन संध्या का आयोजन होगा। इसके अलावा मंडफिया बाईपास स्टेज पर प्रख्यात भजन गायक श्री राज पारिक, छोटू सिंह रावणा और सवाई भाट भी अपने भजनों की प्रस्तुति देंगे। इसी तरह रात के करीब 1 से गोवर्धन रंगमंच पर सांस्कृतिक प्रोग्राम होगा। जिसमें तन्मय बकारिया (तारक मेहता का उल्टा चश्मा फ़ेम बाघा) शामिल होंगे। इनके अलावा इंडियाज लाफ्टर चैंपियन फिल्म हिमांशु बवंडर भी प्रोग्राम में शामिल होंगे।

जलझूलनी एकादशी पर श्री जगन्नाथ जी महाराज व खाटूश्यामजी का हुआ नयनाभिराम झांकी का श्रृंगार

संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। कस्बे के चौपड़ बाजार स्थित श्री जगन्नाथ जी महाराज के मंदिर में झलझूलनी एकादशी के पावन पर्व पर श्री जगन्नाथ जी महाराज और साक्षी गोपाल जी महाराज तथा हारे के सहारे बाबा श्याम को आकर्षक नयनाभिराम झांकी के रूप में सजाया गया। मंदिर के महंत पूरण दास, पंडित मदनमोहन शास्त्री व पंडित रोहित शर्मा ने बताया कि परिवर्तनी एकादशी को जलझूलनी एकादशी भी कहते हैं। इस दिन भगवान को डोल के रूप में नगर भ्रमण कराया जाता है। आज के दिन ही माता लक्ष्मी ने भगवान विष्णु के वस्त्र धोए थे। इसलिए इसे जलझूलनी एकादशी कहते हैं और आज के दिन ही भगवान नारायण का भगवान वामन के रूप में अवतार हुआ था। राजगढ़ कस्बे के मुरली मनोहर मंदिर से यह ढोल ग्यारस निकाली जाती है यह डोल प्रमुख बाजारों से नगर भ्रमण करती हुई प्राचीन कुंड स्थल पर पहुंचती हैं। जहां भगवान को स्नान आदि कराया जाता है स्नान करने के पश्चात भगवान को नवीन वस्त्र धारण कराए जाते हैं। सैकड़ो भक्तों महिलाओं के द्वारा भगवान की नयनाभिराम झांकी के दर्शन किए गए?। इस मौके पर मंदिर महंत पूर्णदास, पंडित रोहित शर्मा, पंडित मदनमोहन शास्त्री, गायत्री देवी, हरिओम गुप्ता, महेंद्र प्रसाद तिवारी, एडवोकेट मुकुल बड़ाया, अमन पंवार, मयूर खण्डेलवाल, अनिल गुप्ता, सुरेश सैनी आदि मौजूद रहे।

केजीआर कॉलेज में हिंदी दिवस पर काव्य गोष्ठी व विद्वान सम्मान समारोह आयोजित

संजीवनी टुडे

भानपुर कलां। कस्बा स्थित केजीआर कॉलेज में शनिवार को हिंदी दिवस के अवसर पर एक भव्य काव्य गोष्ठी और हिंदी विद्वान सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफ़ेसर डॉ. कैलाश चंद गुर्जर, विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय कवि सिद्धार्थ कुमार और भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य अनुराग जांगिड़ उपस्थित रहे। संस्था निदेशक रूपसिंह डोई कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस मौके पर राष्ट्रीय कवि सिद्धार्थ कुमार ने अपनी प्रभावशाली कविता ''विजय घोष हो भारत माँ का आन बान और शान से, देश हमेशा ऋणी रहेगा वीरों के बलिदान से'' का पाठ किया, जिससे विद्यार्थियों में देशभक्ति की गहरी भावना उत्पन्न हुई। उनकी कविता को सुनकर सभी ने देशभक्ति के नारों के साथ आनंदित होकर उत्साहवर्धन किया। प्रोफ़ेसर डॉ. गुर्जर ने हिंदी की महत्वता पर प्रकाश डाला और विद्यार्थियों को इस भाषा की समृद्धि को समझने और अपनाने के लिए प्रेरित किया। अनुराग जांगिड़ ने विद्यार्थियों को सरकारी नौकरी के साथ-साथ आत्म कौशल विकसित करने की सलाह दी, ताकि वे स्वयं के साथ-साथ अन्य लोगों को भी रोजगार के अवसर प्रदान कर सकें। इससे पहले संस्था निदेशक रूपसिंह डोई ने सभी अतिथियों को गोविंद देव जी का दुपट्टा, साफा और स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया। समारोह के अंत में क्षेत्र के विद्वानों को हिंदी विद्वान सम्मान समारोह के तहत सम्मानित किया गया। सम्मानित विद्वानों में डॉ. राकेश सारस्वत, गिरीश वशिष्ठ, बंशीधर गुर्जर, शंकर शर्मा, मीना शर्मा, राजेंद्र बारोलिया, विनीता टेलर, संतोष गुर्जर और टोडरमल मीणा शामिल थे। कार्यक्रम में मंच संचालन मोहन डोई ने किया। अंत में निदेशक डोई ने भी ''गहराई नापने के लिए समंदर में डूबना पड़ता है'' गजल प्रस्तुत कर सभी का मन मोहा। साथ ही सभी अतिथियों व विद्वानजनों का धन्यवाद व आभार प्रकट किया। इस मौके पर रामनारायण गुर्जर, एडवोकेट सत्यपाल गुर्जर, महेश बोकन, मोहन डोई, ओम भारद्वाज, लालाराम गुर्जर, रामावतार पंवार, धर्म सिंह मीणा, राजेश शर्मा, राकेश शर्मा, लेखराज गुर्जर और लक्ष्मण प्रधान, लाला राम मीना भी इस आयोजन में रहे।

आगामी त्योहारो को लेकर पुलिस थाना पिण्डवाड़ा मे सीएलजी की बैठक आयोजित

संजीवनी टुडे

पिण्डवाड़ा। नगर के पुलिस थाना मे सीएलजी की बैठक थाना परिसर मे वृताधिकारी वृत पिण्डवाड़ा भंवरलाल चौधरी,तहसीलदार पिण्डवाड़ा मोहनलाल सियाग एवं पिण्डवाडा थाना सब इंस्पेक्टर जगदीश सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गईम् बैठक में पुलिस थाना पिण्डवाड़ा द्वारा आगामी त्योहार देवझुलनी एकादशी, बारहवफात,एवं अनंतचतुर्दशी गणेश विसर्जन को लेकर थाना परिसर मे सीएलजी सदस्यो की एवं गणमान्यो की बैठक लि गई, बैठक मे आगामी त्योहार 14 सितम्बर को देवझुलनी एकादशी,16 सितम्बर को बारहवफात एवं 17 सितम्बर को अनंतचतुर्दशी गणेश विसर्जन को आपसी सद्भभावना,स्नेह एवं भाईचारा से शांतिपूर्वक मनाने हेतु सभी को आश्वस्त किया,सीएलजी सदस्यो द्वारा जुलुस निकाले जाने वाले रुट पर यातायात व्यवस्था एवं नगर पालिका प्रशासन द्वारा रूट पर साफ सफाई के लिए कहा गया।इस पर पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा एवं सहयोग को लेकर सभी को आश्वस्त किया गया,इस बैठक मे विधुत विभाग के एईएन अमृतलाल जाटव,शिवसेना जिलाप्रमुख रमेश रावल,व्यापार संघ अध्यक्ष अशोक रावल,कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष अचलसिंह बालिया,भाजपा नगर अध्यक्ष संतोष गहलोत,हाजी कांसिम खान,मुस्लिम समाज से शोकीन खोखर,सुशील कुमार रणजीत सिंह डाबी विहिप मंत्री,विहिप प्रखण्ड उपाध्यक्ष अरविंद वैष्णव,पूर्व पालिकाध्यक्ष भंवरलाल पटेल,व्यापार संघ से कमलेश राजगुरू,पन्नालाल प्रजापत,भाजपा उपाध्यक्ष महेन्द्र सिंह डाबी,माधुराम देवासी, पुखराज मीणा,ओमप्रकाश मौजूद रहे।

श्री गिरिराज परिक्रमा सेवा समिति चौमू द्वारा दो दिवसीय गिरिराज धाम का रहा परिक्रमा एवं भजन कार्यक्रम

राधा अष्टमी पर्व पर भक्तों ने परिक्रमा कर भजनों का उठाया लुफ्त

संजीवनी टुडे

चौमूं। श्री गिरिराज परिक्रमा सेवा समिति चौमू द्वारा राधा अष्टमी पर्व पर गिरिराज धाम में परिक्रमा एवं भजन कार्यक्रम का आयोजन समिति अध्यक्ष विष्णु बजाज की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। चौमू प्राचीन गढ़ गणेश मंदिर से बस द्वारा श्रद्धालु गिरिराज धरण के जयकारे लगाते हुए गिरराज धाम पहुंचे और करीब 21 किलोमीटर की नंगे पैर जयकारे लगाते हुए परिक्रमा की। इसके बाद एक धर्मशाला में भजन कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। राधा रानी का भक्तों ने भव्य श्रृंगार किया गया। मंदिर को फूलों व गुब्बारों से सजाया गया। राधे रानी का पंचामृत से अभिषेक किया गया। भक्तों द्वारा दिन के ठीक 12 बजे महा आरती कर भगवान को छप्पन भोग लगाया। जिसमें गुनगुने दूध, केसर, पिस्ता बादाम मक्खन, रबड़ी, खीरसा, गुलाब सकरी, मिश्री, मावा, बर्फी व लड्डू जैसे अनेक व्यंजनों का भोग लगाया गया। श्रद्धालुओ ने राधा रानी का गुणगान कर खुशहाली की कामना की। राधा रानी का दर्शन कर भक्तों ने खुद को धन्य महसूस किया। आयोजित भजन कार्यक्रम में महिलाएं श्रद्धा की डोर में बंधकर झूमती रहीं, ढोलक की थाप पर गाये जा रहे भक्ति गीतों पर महिलाओं ने ऐसा नृत्य किया कि बरसाने जैसा माहौल हो गया। अंत में सभी भक्तों को प्रसाद वितरण भी किया गया। आपको बता दे की हर वर्ष श्री गिरिराज परिक्रमा समिति चौमू द्वारा 31 दिसंबर को गिरिराज धाम में विशाल भंडारे का आयोजन किया जाता है। जिसमें लाखों भक्त पंगत प्रसादी व डोना प्रसादी पाते है। इस वर्ष भी यह विशाल भण्डारे का आयोजन बड़े धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। भजन कार्यक्रम में संरक्षक छीतरमल बबेरवाल, दिनेश भारद्वाज, ललित कुमार शर्मा, महेश कुमावत, रआमपाल चौधरी, एड्वोकेट रमेश, विष्णु भारद्वाज, रामवतार शर्मा, रामधारी शर्मा, हनुमान सहाय कुमावत, अर्जुन कुमावत, गणपत मीणा सहित समस्त कार्यकारिणी सदस्य व अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। एवं मुदित माथुर यूएनडीपी उदयपुर द्वारा युविन एप्प पर सेशन नही बनाये जा रहे है ना ही सेशन की समय पर रिर्पोटिंग करने के निर्देश दिए और इसे जिला कलेक्टर ने गंभीरता से लिया और इसकी अनुपालना में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा युविन एप्प का जिला स्तरीय प्रशिक्षण दिनांक 11 सितम्बर तक आयोजित करने के निर्देश प्रदान कियें। उक्त बैठक में जिला स्तरीय अधिकारी देवेन्द्र पुरी गोस्वामी जिला कार्यकम अधिकारी, समस्त खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी, समस्त चिकित्सा अधिकारी प्रभारी सामु स्वा केन्द्र एवं आरबीएसके चिकित्सा अधिकारी टीम उपस्थित हुयें।

श्री दादू चैन आश्रम चौमू से दादू पालका धाम के लिए पदयात्रा हुई रवाना

संजीवनी टुडे

चौमूं। शहर के रूङजी की बगीची स्थित श्री दादू चैन आश्रम से दादू पालका धाम भैराणा जी की 14वीं विशाल पदयात्रा एवं दादू वाणी भव्य शोभायात्रा महंत महामंडलेश्वर संत 108 स्वामी श्री क्षमादास जी महाराज एवं उनके शिष्य श्री अर्जुन दास जी महाराज के सानिध्य में पदयात्रा को रवाना किया गया। चौमू विधायक शिखा मील बराला भी पदयात्रा में शामिल होकर महाराज जी से आशीर्वाद लिया। पदयात्रा होली दरवाजा, चौपड़, सदर बाजार, बस स्टैंड, मोरीजा रोड, कागल्या हनुमान जी मंदिर होते हुए आमेर, जयपुर, भांकरोटा, बेगस, बंदे के बालाजी होते हुए दिनांक 18 सितंबर को श्री दादू पालका भैंराणा धाम पहुंचेगी। इधर सुरक्षा के तौर पर चौमू पुलिस की ओर से खासतौर पर व्यवस्थाएं देखने को मिली। पदयात्रा में सहयोगकर्ता के तौर पर श्रीराम सैनी खेजरोली, कजोङमल सैनी अग्निशमन केंद्र चौमू, कैलाश, गोपाल जमालपुरिया, राम सहाय शेरावत, मालीराम सांखला, रामदयाल बागड़ी, रूडमल तंवर, सुनील कुमार शर्मा, रामेश्वर प्रसाद सैनी की ओर से सहयोग किया गया। इस दौरान श्री दादू पदयात्रा समिति श्री दादू चैन आश्रम चौमू के अध्यक्ष रामशरण माली, कोषाध्यक्ष बाबूलाल तंवर, रामलाल सैनी, कंटान जाट, नारायण सैनी, गोवर्धन तिगरिया, बाबूलाल खाती, कमल कुमार सैनी, सुरका काका, बद्री प्रसाद छिपा, पवन शर्मा, ललित सैनी, चंदालाल सैनी आदि महिला श्रद्धालु भी पदयात्रा में शामिल हुई।

मदरसा में हिंदी दिवस मनाया गया

संजीवनी टुडे

चाकसू। यहां कस्बे क्षेत्र में मदरसा गुलजार उल इस्लाम चाकसू हिन्दी दिवस मनाया गया और इस अवसर पर मदरसे के हिन्दी शिक्षक मो.वसीम ने हिन्दी की देशभक्ति कविताओं के साथ-साथ प्रोग्राम का आगाज किया विधार्थियों से हिन्दी मे भाषण कविताएँ आदि गतिविधियां करवाई गई और कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मदरसे के सदर रामकिशोर सैनी ने हिन्दी दिवस पर कहा की आज हिन्दी भाषा से व्यक्ति को देश विदेश मैं नौकरियां प्राप्त करने के कई अवसर है हिन्दी भाषा आज विश्व में अंग्रेजी के बाद हिन्दी भाषा ही दूसरी प्रमुख भाषा है यह भाषा सरल एवं समरसता पूर्ण है इस भाषा से व्यक्ति के व्यक्तित्व एवं आत्मियता का बोध होता है इसलिए इस भाषा को लिखना बोलना सीखना चाहिए इस अवसर पर प्रधानाध्यापक अशफाक कुरैशी ने भी हिन्दी भाषा के महत्व पर अपने विचार वयक्त किये मदरसे के अंग्रेजी अध्यापक मोहम्मद इरफान ने बताया कि अंग्रेजी भाषा भी अगर सीखना है तो उसके लिए भी हिन्दी भाषा का ज्ञान होना भी जरुरी है जिन्हें हिन्दी आती है। उन्हें अंग्रेजी या अन्य भाषा सरलता पूर्वक सीखने में आजाती है वही उर्दू अध्यापक इरशाद अहमद ने कहा कि उर्दू मैं भी हिन्दी के अल्फाज आते हैं हिन्दी भाषा उर्दू भाषा के चार चांद लगाती है इस अवसर पर मुख्य अतिथी नगरपालिका पार्षद ललीता सैनी ने हिन्दी दिवस पर मदरसा गुलजार उल इस्लाम में अपनी प्रस्तुती देने वाले विधार्थियों को स्मर्ती चिन्ह भेंट कर शुभकामनाए प्रदान की गई है।

खबरें फटाफट

सुबोध महिला महाविद्यालय में विश्व ओजोन दिवस का आयोजन

संजीवनी टुडे

जयपुर। रामबाग स्थित एस.एस. जैन सुबोध पी. जी. महिला महाविद्यालय में विश्व ओजोन दिवस पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता के माध्यम से मनाया गया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. रेणु जोशी ने विजेता छात्राओं को पुरुस्कार वितरण एवं उत्साहवर्द्धन कर ऐसी प्रतियोगिताओं को व्यक्तित्व निर्माण एवं कौशल विकास हेतु अति महत्वपूर्ण बताया। महाविद्यालय के संयोजक वी सी डागा ने आधुनिक जीवन शैली से पर्यावरण की रक्षात्मक ओजोन परत के क्षय को घातक बताते हुए इसके संरक्षण की आवश्यकता बताई !अंत में कार्यक्रम की संयोजिका वर्षा शर्मा एवं डॉ सपना खंडेलवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

नकजबनी करने वाला शातिर हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। थाना राजगढ़ ने शनिवार को नकबजनी करने वाले शातिर हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार कर अभियुक्त से चोरी की गई मोटरसाइकिल व इन्वेंटर, बैट्री बरामद की। थानाधिकारी रामजीलाल मीना ने बताया कि परिवादी ने राजगढ़ थाने में मामला दर्ज कराया कि 10 अगस्त की रात्रि में अज्ञात व्यक्तियों ने उसके सुने मकान में ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोरों ने कमरे का ताला तोड़कर लोहे की गोदरेज की अलमारी में से करीब 15 हजार नकद राशि, दो चांदी के घर जिस पर सोने की पालिश हो रखी थी, 2 कान के बुदे, चांदी की पायजेब, पुरानी चांदी के कलदार सिक्के, चांदी की चिटकी, इन्वेंटर तथा बैट्री को चुरा ले गए हैं। भतीजे पंकज की स्पेलन्डर मोटरसाइकिल को भी चोर चोरी करके ले गये। थानाधिकारी रामजीलाल मीना के नेतृत्व में कार्यवाही करते हुए नकबजनी का शातिर आरोपी व थाने का हिस्ट्रीशीटर आमकीवाल निवासी राकेश उर्फ झंडू (36) को गिरफ्तार कर चोरी की हुई मोटरसाइकिल, इन्वेंटर, बेट्री को बरामद किया।

मरीजों के लिए दवाई की पर्ची हिन्दी में लिखकर डॉ अभिमन्यु सिद्ध दे रहे हैं हिंदी भाषा को बढ़ावा

संजीवनी टुडे

टहला(राजगढ़)। गुलामी की मानसिकता को दूर करने के लिए पिछले तीन वर्षो से सीएचसी टहला के डॉक्टर अभिमन्यु सिद्ध अनूठा प्रयास कर रहे हैं। इस दिशा में डॉक्टर सिद्ध मातृभाषा हिंदी को बढ़ावा देने के लिए मरीजो को दवाइयां हिंदी में लिख रहे हैं। उनका मानना है कि अंग्रेजी की मानसिकता के कारण हमारी मातृभाषा हिंदी का प्रयोग करने वालों को आज हीन दृष्टि से देखा जाता है। इसी मानसिकता को बदलने के लिए मरीजों को दवाइयां हिंदी में लिख रहे हैं। इसका एक फायदा यह भी हो रहा है कि ग्रामीण परिवेश के मरीजों को अपने बीमारी एवं दवाइयां आसानी से समझ आ रही है तथा उन दवाइयां का प्रयोग कैसे करना है उसे भी मरीज आसानी से समझ पा रहे हैं। वही दूसरी और डॉ सिद्ध के इन प्रयासों से स्व का भाव जागृत हों रहा हैं जिससे अपनी मातृभाषा हिंदी के प्रति स्वाभिमान की भावना विकसित हों रही हैं। साथ ही इन प्रयासों से ग्रामीण वासियों में भी अपनी मातृभाषा के प्रति सम्मान एवं गर्व का भाव विकसित हों रहा हैं।

भारत विकास परिषद की ओर से भारत को जानो प्रतियोगिता का आयोजन

संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। शनिवार को भारत विकास परिषद की ओर से भारत को जानो प्रतियोगिता का आयोजन कस्बे के कारोठ मार्ग स्थित भारतीय विद्या पीठ सीनियर सेकेंडरी स्कूल में किया गया। भारत विकास परिषद के जिला समन्वयक राजेश शर्मा ठेकेदार ने बताया कि भारत विकास परिषद प्रतिवर्ष विद्यार्थियों में शैक्षणिक योग्यता तथा भारत की संस्कृति व इतिहास को जानने के लिए प्रतियोगिता करवाती है। प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग व सीनियर वर्ग की प्रतियोगिता करवाई गई। जिसमें ब्लॉक के 4 विद्यालयों के बच्चों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में विजेता बच्चों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि यहां से विजेता बच्चे जिला, राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता में भाग लेते हैं। इस मौके पर भारत विकास परिषद के लोकेश रावत, दीपक विजय, गजेंद्र विजय, विद्यालय के निदेशक दिनेश सेन सहित बच्चे व शिक्षक उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक रामलाल शर्मा के आह्वान पर सैकड़ो कार्यकर्ता पहुँचे जयपुर

संजीवनी टुडे

चौमूँ। आगामी राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के संदर्भ में दक्षिण कोरिया एवं जापान की सफलतम यात्रा के पश्चात राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के जयपुर आगमन पर आयोजित स्वागत कार्यक्रम में विधानसभा क्षेत्र चौमूँ से भाजपा कार्यकर्ता जयपुर प्रदेश कार्यालय पहुँचे। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा के आह्वान पर भाजपा नगर एवं देहात के कार्यकर्ता राधास्वामी तिराहा नख़राली ढाणी पर एकत्रित होकर जयपुर भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुँचे। इस मोके पर भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष गजानंद कुमावत, देहात मण्डल बांसा अध्यक्ष श्रीराम शर्मा, देहात मण्डल कालाडेरा अध्यक्ष बनवारी शर्मा, देहात मण्डल गोविंदगढ़ अध्यक्ष गोपाल डेनवाल, पूर्व प्रधान महेश मीणा, एन.आर. यादव, बलवीर शर्मा, नान्छी लाल शर्मा, भँवर लाल देवंदा, राहुल शर्मा, राहुल दुन्दा, अमरचंद निठारवाल, राजकुमार सैनी, रामेश्वर बिरानिया, रमेश यादव, शंकर रेगर, रिसपाल कुमावत, बंशीधर मण्डल, पवन चौपड़ा, मोहन नायक, मनोज पारिक, सुल्तान गुर्जर, भगवान कुमावत सहित सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

राजस्थान धानका जनजाति समाज के प्रांतीय प्रतिनिधियों की सभा, ज्वलंत मुद्दों पर होगी चर्चा

संजीवनी टुडे

अलवर। राजस्थान में रहने वाले धानका जनजाति समाज के जवलंत मुद्दों पर चर्चा के लिए 15 सितंबर, रविवार को जयपुर में रामगढ़ मोड़ के पास आमेर रोड़ पर स्थित श्री दिगम्बर जैन लश्कर नसिया में समाज के प्रांतीय प्रतिनिधियों की सभा आयोजित की जाएगी। सभा आयोजक आदिवासी धानका जन कल्याण समिति राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट मुकेश बावलिया ने बताया कि प्रांतीय सभा में प्रदेश के सभी जिलों से समाज के प्रतिनिधि शामिल होंगे। सुबह दस बजे स्वागत एवं परिचय के बाद करीब 11.15 बजे सभा आरंभ होगी। सभा में आरक्षण और क्रमिलेयर के संबंध में समाज का निर्णय , नव गठित धानका कल्याण बोर्ड को अविलंब अस्तित्व में लाने के लिए किए जाने वाले प्रयास, राष्ट्रीय जन गणना में धानका समाज के हितों की सुरक्षा और राज्य सरकार द्वारा धानका समाज के बारे में 9 अगस्त 2019 को जारी विवादित पत्र को निरस्त कराने की रणनीति पर विचार विमर्श किया जाएगा। सभा के उपरांत दोपहर में सामूहिक भोज होगा। इसके बाद जयपुर शहर की नव गठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित होगा।

स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल टोडाभीम के छात्रों ने लहराया परचम

संजीवनी टुडे

टोडाभीम। राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद उदयपुर के तत्वावधान में जनसंख्या साक्षरता योजनान्तर्गत स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल करौली में आयोजित जिला स्तरीय लोक नृत्य एवं रोल प्ले प्रतियोगिता में टोडाभीम ब्लॉक के स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल टोडाभीम की छात्राओं ने लोक नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम प्राप्त किया तथा रोल प्ले प्रतियोगिता में स्वामी विवेकानन्द राजकीय मॉडल स्कूल टोडाभीम के छात्रों ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। करौली डाइट प्राचार्य पुष्पेन्द्र कुमार शर्मा,स्वामी विवेकानन्द राजकीय मॉडल स्कूल प्रधानाचार्य भयसिंह मीना एवं स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल करौली प्रधानाचार्य द्वारा विजेता विद्यार्थियों को मेरिट प्रमाण पत्र एवं नकद राशि देकर पुरस्कृत किया गया।अब ये छात्राएं लोकनृत्य प्रतियोगिता में राज्य स्तर पर करौली जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी। मीडिया प्रभारी विक्रम सिंह ने बताया कि प्रधानाचार्य भयसिंह मीणा के कुशल नेतृत्व एवं निर्देशन में विद्यालय के विद्यार्थी लगातार नई नई उपलब्धियां प्राप्त कर रहे हैं।इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने प्रधानाचार्य भयसिंह मीना एवं वरिष्ठ अध्यापिका रजनी शर्मा के नेतृत्व में भाग लिया। प्राचार्य भयसिंह मीना ने विजेता प्रतिभागियों को शुभाशीष देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।गौरतलब है कि अभी हाल ही में राउप्रावि दादनपुर में आयोजित 68वीं जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में विद्यालय के छात्र प्रियांशु जारेड़ा का चयन राज्य स्तर पर हुआ है।

न्यू लोहा मंडी और माचड़ा क्षेत्र की कालोनियों को बीसलपुर पेयजल परियोजना से जोड़ने की मांग

संजीवनी टुडे

जयपुर। नगर निगम ग्रेटर के वार्ड नंबर 6 में स्थित न्यू लोहा मंडी एवं माचड़ा क्षेत्र में बसी दो दर्जन से अधिक कालोनियों को बीसलपुर पेयजल परियोजना से जोडने के लिए मुख्यमंत्री एवं पीएचईडी मंत्री को ज्ञापन भेजा है। ज्ञापन में एडवोकेट संदीप कलवानिया ने बताया कि क्षेत्र की श्रीशिवानगर चतुर्थ, सीतारामपूरी,रमन विहार, बालाजी विहार, फॉर एस, फॉर सी, ग्रीन नगर, गणेश नगर, अशोक विहार, भगवान नगर, सहित दो दर्जन से अधिक कॉलोनियें में पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था नही होने के कारण लोगों को प्राइवेट टैंकरों के सहारे रहना पड़ रहा है। हालात ये है कि भीषण गर्मी में चलते प्राइवेट टैंकरों से भी पेयजल की आपूर्ति नही हो पा रही है। कई कॉलोनिया जेडीए से अप्रूड होने के बावजूद पेयजल की कोई सुविधा नही होने पर स्थानीय लोग ठगा सा महसूस कर रहे है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में बसी दो दर्जन से अधिक कॉलोनियों में से एक दर्जन से अधिक कॉलोनियां जेडीए से अप्रूव्ड है। इसके बावजूद इन कॉलोनियों को बीसलपुर पेयजल परियोजना से नही जोड़ा गया है। कॉलोनियों में ट्यूबवेल बने हुए है लेकिन जल स्तर नीचा चले जाने के कारण उनमें से नाममात्र का पानी आता है। जिससे लोगों के घरों में पानी पर्याप्त आपूर्ति नही हो पाती है। क्षेत्र में पेयजल की आपूर्ति की व्यवस्था नही होने के कारण गर्मी के दिनों में ज्यादा समस्या बनी रहती है। जेडीए, नगर निगम एवं पीएचईडी के अधिकारियों को कई बार ज्ञापन देकर क्षेत्र में पेयजल की समस्या से अवगत करवा दिया गया लेकिन प्रशासन की लगातार अनदेखी के चलते पेयजल की सुचारू व्यवस्था के लिए कोई ठोस उपाय नही किया गया। कॉलोनियो में बीसलपुर पाइपलाइन से ही पेयजल की आपूर्ति किए जाने पर ही समस्या का स्थायी समाधान हो सकता है। इसलिए प्रशासन को क्षेत्र की कॉलोनियों में शीघ्र ही बीसलपुर की पेयजल परियोजना से जोड़ा जाना चाहिए ताकि स्थानीय लोगों को पेयजल की परेशानी से निजात मिल सकें।

खबरें फटाफट

राजस्थान जल महोत्सव कार्यक्रम में जल संरक्षण के बारे में दी जानकारी

संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर। जलझूलनी एकादशी पर राजकीय विद्यालयों में राजस्थान जल महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कस्बे के राउमावि थाना राजाजी में 14 सितंबर को राष्ट्रीय जल महोत्सव के रूप में मनाया गया। विद्यालय में जल की महत्ता व जल संरक्षण विषय पर निबंध, पोस्टर व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूली विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। अनुराग गौड़ व्याख्याता(भूगोल) ने जल संरक्षण पर वार्ता रखी व हिंदी दिवस पर भी अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर प्रधानाचार्य दिनेशचंद सैनी, उप प्रधानाचार्य जगदीश प्रसाद सहित स्टाफ व बच्चे उपस्थित रहे।

शिक्षक संघ राधाकृष्णन की ओर से राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान कल

संजीवनी टुडे

अलवर। शिक्षक संघ राधाकृष्णन की ओर से राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन सोमवार को मानसरोवर जयपुर में आयोजित किया जाएगा।

राजस्थान शिक्षक संघ राधाकृष्णन के जिलाध्यक्ष रामगोपाल मीना ने बताया कि संघ ने नई पहल करते हुए प्रदेश अध्यक्ष विजय सोनी के नेतृत्व में शिक्षकों का सम्मान किया जाएगा। जिसमें सम्पूर्ण राज्य से लगभग 300 शिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा। अलवर जिले से उप प्रधानाचार्य राधेश्याम मीना, राजेन्द्र बसवाल, खेमराज मीना, भोली सोलंकी, विनीता मोर्य को सम्मानित किया जाएगा।

झलझूलनी एकादशी पर निकाली ठाकुरजी डोल यात्रा, भक्तों ने लगाए जयकारे

संजीवनी टुडे

बस्सी। शनिवार को झलझूलनी एकादशी के पावन अवसर पर कस्बे के ग्राम मानगढ़ खोखावाला के प्राचीन ठाकुर मंदिर से डोल यात्रा निकाली गई।

इस दौरान गांव के प्राचीन मंदिर से ठाकुर महाराज को झूले में विराजमान कर गांव भ्रमण करवाया गया। पंडित रामकिशोर शर्मा ने बताया कि इससे पूर्व ठाकुरजी को पंचामृत से स्नान करा भगवान की नटवर झांकी सजाई गई। पालकी में विराजमान करवाया गया। डोलयात्रा में जगह-जगह भक्तों ने पुष्पवर्षा की। बाद में झांकी को तालाब की पाल पर ले जाकर आरती की गई। जल विहार उत्सव में गांव के लोगों ने संगीतमय भजनों के साथ जलविहार करवाया। विहार के समापन के बाद भक्तों को प्रसादी वितरित की गई।

बेगुं कस्बे में ज्वेलर्स की दुकान से आभुषण चोरी की वारदात का खुलासा

संजीवनी टुडे

दो आरोपी गिरफ्तार, चोरी का माल बरामद

चित्तौड़गढ़। बेगूं थाना पुलिस ने कस्बे में ज्वेलर्स की दुकान से आभुषण चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। चोरी किया गया माल बरामद। जिला पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी ने बताया कि दिनांक 24 अगस्त 2024 को प्रार्थी प्रहलाद सोनी निवासी गांधी चौक बेगूं ने थाने पर रिपोर्ट दी। की कि मुझ प्रार्थी की गांधी चौक बेगूं मे श्री राधे ज्वैलर्स कि दुकान पर बैठता हु। आज दिनांक 23 अगस्त 2024 को सायं 06 बजे की बात है की एक व्यक्ति मेरी दुकान पर चांदी के आभुषण के लिए बोला फिर उसने कान की बालियां दिखाओ। फिर मैने सोने का डिब्बा खोला उसमे से आभुषण दिखाने लगा फिर उसने मुझे बातो बातो मे उलझाया व सोकेश पर झुक गया व मेरा ध्यान भटकाने लगा व दोनो हाथो से सोने के आभुषण देखने के बहाने हाथो को आगे पिछे करने लगा। फिर उठ कर चला गया। बाद मे मैने सामान (सोने के आइटम) चैक किये तो आइटम कम नजर आये। मैने विडीयो फुटेज चैक किये तो उसकी जेब मे सोने के आइटम रखते हुऐ नजर आया मैरे द्वारा सोने के आइटम चैक किये तो प्लास्टिक की डिब्बी मे रखे सोने के आईटम मय डिब्बी गायब पायी गई। व प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान सुरेन्द्रसिह सहायक उप निरीक्षक थाना बेगू के जिम्मे किया गया। उक्त घटना को ट्रेस आउट कर आरोपियों को गिरफ्तार करने के निर्देश प्रदान किये जिस पर भगवतसिह हिगड़ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रावतभाटा व सुश्री अर्जलिसिह पुलिस उप अधीक्षक बेगू के नेतृत्व में रविन्द्रसिह पु.नि. थानाधिकारी थाना बेगू द्वारा अनुसंधान अधिकारी एएसआई सुरेन्द्रसिह मय जाप्ता की टीम

गठित की गई। दौराने अनुसंधान घटनास्थल के आस पास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गये एवं फुटेज मे संदिग्ध दो व्यक्ति दिखने पर उनके जाने वाले रास्ते पर काटून्दा, बस्सी टोल, निम्बाहेड़ा, मेनाल, बिजौलिया, बून्दी, लाडपुरा, माण्डलगढ ,रतनगढ, नीमच, मन्दसौर, जावरा तक लगभग 248 से अधिक कैमरे के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियो के जाने वाले रास्तो को खंगाला गया सीसीटीवी फुटेज मे आने वाले संदिग्ध व्यक्तियो के फोटो मौतबिर, मौजीज, मुखबिरो को बताया गया लगभग 15-20 दिन तक पुलिस टीम ने लगातार अभियुक्तो की तलाश की काफी प्रयास के बाद सुरेन्द्रसिह सउनि को जरिये मुखबिर खास से सूचना मिली की सीसीटीवी फुटेज मे दिखने वाले आरोपीगण लाडपुरा चौराहा पर मोटरसाईकिल लेकर खड़े है जिस पर पुलिस टीम द्वारा अभियुक्तगण लियाकत व यासीन अली को डिटेन किया गया और पुछताछ की गई तो बताया कि दिनांक 23 अगस्त 2024 को हम दोनो मोटरसाईकिल लेकर कस्बा बेगू मे आये और ज्वेलर्स की दुकान से सोने के आईटम चूराकर लेकर चले गये। दोनो ने अपराध करना कबूल किया। इस पर दोनो अभियुक्तगण को बापर्दा गिरफ़्तार कर अनुसन्धान किया गया। घटना मे प्रयुक्त मोटरसाईकिल जप्त की कर चोरी का माल बरामद किया गया।

तरीका वारदात

उक्त दोनो अभियुक्तगण द्वारा स्मैक व शराब पीने के लिये सोने चादी की दुकान की रैकी दिन मे चश्मा बनाने के बहाने कर निशाना बनाकर दिन के समय वारदात को अजांम देना। उक्त कार्यवाही मे थाना बेगू के सुरेन्द्रसिह सहायक उप निरीक्षक, कानि मनोहर, कानि राधेश्याम व कानि हिम्मतसिह तथा साईबर सैल के हैड कानि. राजकुमार का विशेष योगदान रहा। गिरफ्तार आरोपीगण पीसी रिमाण्ड पर चल रहे है। जिनसे अनुसंधान जारी है। एवम् अन्य चोरी की वारदातो के बारे मे पुछताछ जारी है। और भी चोरी की वारदात खुलने की सम्भावना है।

बापर्दा गिरफ्तार आरोपी

यासीन अली पिता सरवर हुसैन जाति मुसलमान (सैयद) उम्र 30 साल निवासी हुसैन टेकरी , जावरा थाना जावरा ओधोगिक नगर जिला रतलाम म.प्र. हाल कच्ची बस्ती ,निम्बाहेड़ा थाना निम्बाहेड़ा जिला चित्तौड़गढ राज लियाकत अली पिता नजर हुसैन जाति सैयद मुसलमान उम्र 55 साल निवासी महावीर कॉलोनी, जलदाय विभाग के सामने वाली गली , नैनवा रोड, थाना कोतवाली सिटी, जिला बून्दी राज आदि रहे।

10 छात्राओं व 7 छात्र खिलाड़ियों ने जूडो व कुश्ती में जीते कुल 17 पदक

जिला विजेता रहने पर जूडो की एक व कुश्ती की 2 छात्रा खिलाड़ियों का राज्य स्तर पर जाना तय

संजीवनी टुडे

उदयपुर। इस वर्ष सत्र 2024- 25 में आयोजित जिला स्तरीय जूडो एवं कुश्ती प्रतियोगिताओं में राउमावि सरेकला(बड़गांव)की 10 छात्राओं व 7 छात्र खिलाड़ियों ने जूडो व कुश्ती में कुल 17 पदक अपने नाम कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। विद्यालय के कुश्ती के दो व जूडो के एक छात्रा खिलाड़ी के जिला विजेता रहने पर कुल तीन छात्रा खिलाड़ियों का राज्य स्तर पर जाना तय हो चुका है क्योंकि खेल के नियम अनुसार जिला स्तर पर विजेता रहने वाले खिलाड़ी को ही राज्य स्तर पर भेजा जाता है। साथ ही 14 वर्ष कुश्ती में विद्यालय ने टीम चैंपियनशिप में भी तीसरा स्थान प्राप्त किया। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सरेकला बड़गांव के शारीरिक शिक्षक कौशिक चंदा ने बताया कि इस वर्ष आयोजित जूडो एवं कुश्ती की विभिन्न आयु वर्गों की प्रतियोगिताओं में विद्यालय के बालकों ने अनेक उपलब्धियां हासिल की। 14 वर्ष आयु वर्ग की कुश्ती में 36 किलोग्राम वर्ग भर में सपना कुंवर भाटी

जिला विजेता रही एवं 41 किलो वर्ग बार में पायल कुंवर सिसोदिया जिला विजेता रही दोनों ही का राज्य स्तर पर चयन किया गया है। इसी प्रकार जुडो खेल में 19 वर्ष आयु वर्ग में 36 किलो भार में राधिका कुमार भाटी जिला विजेता रही जिसका भी राज्य स्तर पर चयन हुआ। हाल ही 12 सितंबर को ही संपन्न हुई 17 वर्ष आयु वर्ग की कुश्ती में 50 किलोग्राम में खुशी कुंवर भाटी उपविजेता, 36 किलो भार वर्ग में कोमल कुंवर भाटी ,42 किलो वर्ग में विद्या कुंवर भाटी तथा 48 किलो वर्ग में पूनम कुंवर भाटी ने जिले में तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रधानाचार्य मनीषा चौधरी के अनुसार अंदर 19 जूडो में 46 किलो कैटेगरी में नितिशा कुंवर ने तृतीय,ग्रीक रोमन अंडर 19 कुश्ती की 55 किलो वर्ग में विनोद गमेती ने तीसरा ,अंदर 19 जूडो में 50 किलो वर्ग में डूंगर सिंह भाटी ने तीसरा , 60 किलो में हरि सिंह देवड़ा ने तीसरा स्थान पर रहे। अंडर 17 जूडो 41 किलो में राधिका कुंवर भाटी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के खेल प्रभारी कौशिक चंदा ने बताया कि विद्यालय के छात्र छात्राओं में से 14 वर्ष आयु वर्ग में कुश्ती में 75 किलो वर्ग में रमेश रेबारी उपविजेता, निर्मल सिंह भाटी 41 किलो में तीसरे स्थान पर तथा करिश्मा कुंवर देवड़ा 36 किलोग्राम में तीसरे स्थान पर रही। इसके अतिरिक्त 14 वर्ष आयु वर्ग में जूडो खेल में 25 किलोग्राम वर्ग में हेमेंद्र सिंह भाटी तीसरे स्थान पर एवं युवराज सिंह भाटी 30 किलो वर्ग में तीसरे स्थान पर रहा। 14 वर्ष आयु वर्ग में टीम चैंपियनशिप में भी सरेकला विद्यालय तीसरे स्थान पर रहा विद्यालय परिवार द्वारा राज्य स्तर पर चयनित विजेताओ , जिला स्तर पर उपविजेता एवं तृतीय स्थान पर रहे छात्र छात्रा खिलाड़ियों का स्वागत अभिनंदन किया गया।

डॉ.कांता मीना 'हिंदी काव्य रत्न' मानद उपाधि सम्मान से सम्मानित

संजीवनी टुडे

जयपुर। जयपुर,राजस्थान की शिक्षाविद् एवं साहित्यकार डॉ.कांता मीना को नेपाल के लुंबिनी में आयोजित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऐतिहासिक महत्व की गौरवशाली हिंदी दिवस अंतरराष्ट्रीय कविता प्रतियोगिता कार्यक्रम में शब्द प्रतिभा बहुक्षेत्रीय सम्मान फाउन्डेशन नेपाल के अध्यक्ष आनंद गिरि मायालु व सचिव चरना कौर द्वारा ''हिंदी काव्य रत्न'' मानद उपाधि सम्मान से सम्मानित किया गया।

इस प्रतियोगिता में नेपाल,भारत, अमेरिका,कनाडा तथा तंजानिया आदि देशों के 6742 महिला व पुरुष रचनाकारों की सहभागिता थी जिसमें 675 प्रतिभाओं का उत्कृष्ट कविता के आधार पर चयन कर सम्मानित किया गया है। डॉ.मीना देश भर के विभिन्न समाचार पत्रों,पत्र- पत्रिकाओं में लगातार लेखन कार्य कर रही है। और शिक्षा ओर साहित्य के क्षेत्र में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दे रही है। अब

तक डॉ. मीना को शिक्षा एवं साहित्य के क्षेत्र में अनेक साहित्यिक पुरस्कारो से सम्मानित किया जा चुका है। इनकी दो पुस्तकें काव्य संग्रह कैलाशी व कहानी संग्रह तरुशिखा प्रकाशित हो चुके है। डॉ. मीना की इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं मिल रही है।

तेजाजी के भजनों पर देर रात तक झूम उठे भक्त

संजीवनी टुडे

सिरोही। जिला मुख्यालय के निकटवर्ती मांडवा रोड स्थित वीर तेजा सेवा संस्थान के प्रांगण में तेजाजी के शानदार भजनों पर नाचते गाते झूमते नजर आए वीर तेजा सेवा संस्थान सिरोही के संरक्षक भरतपाल बैंदा ने बताया कि राजस्थान के सुप्रसिद्ध तेजा गायक कलाकार ओम जी एंड पार्टी के द्वारा तेजा दशमी के उपलक्ष में तेजाजी के भजनों पर भक्त देर रात तक झूमते गाते नाचते नज़र आएं इस मौके पर वीर तेजा सेवा संस्थान सिरोही के अध्यक्ष हनुमान चौधरी ने आए हुए अतिथियों के स्वागत उद्बोधन के साथ वर्ष पर्यंत किए गए विकास कार्यों पर चर्चा डालते हुए मुख्य अतिथि सिरोही जालोर सांसद लुंबाराम चौधरी का साफा एवं तेजाजी का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया इस मौके पर मुख्य अतिथि सिरोही जालोर सांसद लुंबाराम चौधरी ने वीर तेजा सेवा संस्थान सिरोही के द्वारा निभाए गए सामाजिक सरोकारों की तारीफ करते हुए बधाई और शुभकामनाएं देकर भविष्य में हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाते हुए संस्था की मांग पर जन उपयोगी विकास कार्य हेतु 5 लाख के आर्थिक सहयोग की घोषणा की इस मौके पर वीर तेजा सेवा संस्थान सिरोही के सचिव कालूराम डांगा ने आय व्वव का लेखा-जोखा प्रस्तुत कर अनुमोदन करवाते हुए आए हुए अतिथियों का धन्यवाद देकर आभार प्रकट किया इस मौके पर संस्थान के कोषाध्यक्ष प्रवीण सारण,गंगा राम सारण,मोटा राम दांतेल, उप निरीक्षक भेरू सिंह,किशनाराम सारण, रणजीत गावडीया, ठेकेदार गणेश चौधरी, औषधि नियंत्रकअधिकारी ओम प्रकाश चौधरी, प्रहलाद चौधरी,डॉ अनिल चौधरी,डॉक्टर मोहनलाल, निठारवाल,सुमेर चौधरी, नानूराम खर्रा सहित समाज के सैकड़ो लोग मौजूद रहे

राजस्थान जल महोत्सव के जिला स्तरीय कार्यक्रम का हुआ आयोजन

समस्त ब्लॉक एवं ग्राम स्तर पर भी आयोजित हुए कार्यक्रम

संजीवनी टुडे

सलूंबर। राज्य सरकार के निर्देशानुसार जलझूलनी एकादशी के अवसर पर सम्पूर्ण प्रदेश में पूर्ण भरे हुए जलाशयों पर शनिवार को ''राजस्थान जल महोत्सव 2024'' का आयोजन किया गया। इसी क्रम में सलूंबर में जिला स्तरीय कार्यक्रम अम्बामाता बांध के किनारे में आयोजित किया गया। 'राजस्थान जल महोत्सव 2024'' के जिला स्तरीय कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुए प्रधान धुलीराम जी ने कहा कि जिस प्रकार कई वर्षों पूर्व ग्रामीण महिलाएं कोसों दूर से सिर पर मटकी रखकर पानी भरकर लाती थी और उसे सुरक्षित तरीके से रखकर उसका उपयोग करती थी, उसी प्रकार हमें भी आज के समय में जल की महत्ता को समझते हुए उसका संरक्षण करना चाहिए तथा नलों को खुला छोड़कर पानी को व्यर्थ नहीं बहाना चाहिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए एसीईओ दिनेश चन्द्र पाटीदार ने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना इस वर्ष प्रदेश सहित सलूंबर जिले में बारिश अच्छी होने से जल संग्रहण की स्थिति अच्छी रही है। पूर्व में जल अभाव से ग्रसित रहने वाले राजस्थान राज्य के जलस्रोत इस वर्ष जल से सराबोर हैं। इसी के मद्देनजर राज्य सरकार ने इन्द्रदेव का आभार व्यक्त करने एवं

जलसंग्रहण व संरक्षण की जागरूकता हेतु ''राजस्थान जल महोत्सव 2024'' आयोजित करने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि जल के बिना जीवन मुमकिन नहीं है इसलिए जल का संरक्षण अति आवश्यक है। हम सभी को जल को दूषित होने से बचाना चाहिए। उन्होंने आमजन से जिले के सभी जलस्रोतो के आसपास साफ-सफाई रखने तथा जल को व्यर्थ न बहाने की अपील की। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय कार्यक्रम के साथ ही जिले में प्रत्येक ब्लॉक तथा प्रत्येक बांधों सहित ग्राम स्तर तक पूर्ण रूप से भरे हुए जलाशयों पर ''राजस्थान जल महोत्सव 2024'' का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। राजस्थान जल महोत्सव 2024'' के जिला स्तरीय कार्यक्रम के दौरान ढोल की थाप पर विभिन्न विद्यालयों की बालिकाओं और महिलाओ द्वारा कलश यात्रा निकाली गई तथा बांध के किनारे जल पूजन किया एवं जल संरक्षण का संकल्प लेते हुए भगवान इन्द्रदेव का प्रदेश में भरपूर मात्रा में वर्षा जल प्रदान करने के लिए आभार प्रकट किया। कार्यक्रम के दौरान जिला परिषद् के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी दिनेश चन्द्र पाटीदार द्वारा जल का संरक्षण करने, जल का विवेकपूर्ण उपयोग कर व्यर्थ नहीं बहाने तथा जल को प्रदूषित नहीं करने सहित स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के तहत स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के अंत में हेमंत पंड्या अधिशासी अभियंता जल संसाधन विभाग ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान झल्लारा प्रधान धुलीराम,हेमंत पंड्या अधिशासी अभियंता जल संसाधन विभाग, अधीक्षण अभियंता जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिकी, डॉ जेपी बुनकर मुख्य चिकित्सा अधिकारी सलूंबर,बीडीओ झल्लारा दिनेश चंद्र पाटीदार, स्थानीय सरपंच कृष्णा मीना, शंकर लाल मीना सरपंच मोरिला, नेता प्रतिपक्ष होमाराम मीना, मालपुर सरपंच प्रतिनिधि गोतम लाल,सहायक अभियंता मनमोहन सिंह, कनिष्ठ अभियंता कपिल मेहता सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी, शिक्षक-शिक्षिकाएं, विद्यार्थी, आंगनबाड़ी सुपरवाइजर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

लड़की बनकर हाईवे पर खड़े होते लड़के, फिर करते लूट: झाड़ियों में ले जाकर करते थे मारपीट, सरगना का भागते हुए पैर टूटा, 6 को पकड़ा

संजीवनी टुडे

उदयपुर।उदयपुर-अहमदाबाद नेशनल हाइवे पर लूटपाट करने वाली गैंग को पकड़ा गया है। गैंग ज्यादातर ट्रक ड्राइवरों को निशाना बनाते थे। एक

सदस्य लड़की के कपड़े पहनकर ट्रक को रूकवाता था। इसके बाद बातों में फंसाकर झाड़ियों में ले जाकर लूट करता था। उदयपुर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) गोपाल स्वरूप मेवाड़ा ने बताया- उदयपुर शहर के गोवर्धनविलास थाना पुलिस ने बदमाशों को खरपीणा में लूट की योजना बनाते हुए पकड़ा है। पूछताछ में गैंग ने कई वारदात करना कबूला है। पुलिस ने गैंग के 6 बदमाशों को पकड़ा है। उनके कब्जे से बाइक, महिला के कपड़े, 4 छुरी, रस्से, टार्च, हंटर, लट्ठ, मिर्ची पाउडर और लूटे गए 6 मोबाइल को जब्त किया है। गोवर्धन विलास थानाधिकारी भवानी सिंह राजावत ने बताया- हाईवे पर रात में वाहन चालकों से लगातार लूट की घटना होने पर पुलिस ने गश्त और निगरानी शुरू की थी। इस बीच पुलिस को सूचना मिली कि गैंग के कुछ लड़के खरपीणा में लूटपाट की

योजना बना रहे हैं। मुखबीर के बताए गए स्थान से कुछ दुरी पर जाकर रैकी की। तब कुछ लड़के हाईवे के किनारे झाड़ियों में बैठकर लूटपाट की योजना बनाते मिले। पुलिस ने उन्हें घेरकर पकड़ा। थानाधिकारी ने बताया- गैंग के डागल फला खारा टीडी निवासी नारायण खराड़ी (19), गोरेला नाई हाल खरपीणा निवासी मनीष उर्फ मनीषा गमेती (19), नाई थाना का गौरेला निवासी मनीष गमेती (18), गणगौर फला खरपीणा निवासी शांतिलाल खराड़ी (18), कानूवाड़ा फला बिलखाईदरा केसरियाजी निवासी गोविंद कलासुआ (21) और बावलवाड़ा थाना क्षेत्र के काकण सागवाड़ा फला निवासी नारायण पटेला (35) को पकड़ा। गैंग का सरगना गोविंद कलासुआ और मनीष है। पुलिस ने दबिश दी तो गोविंद ने भागने की कोशिश की। इस दौरान गिरने से उसका पैर टूट गया। लड़की बनकर करता था लूट थानाधिकारी ने बताया कि गैंग का सरगना गोविन्द मीणा और मनीष उर्फ मनीषा है। सभी एक गैंग बनाकर नेशनल हाईवे पर वाहन चालकों के साथ लूटपाट की घटनाओं को अंजाम देते है। मनीष रात के समय लड़की के कपड़े पहनकर हाईवे के किनारे खड़ा हो जाता था। गोविंद वाहनों पर टॉर्च से रुकने का इशारा करता था। वाहन के रुकने के बाद मनीष ट्रक ड्राइवर को बातों में उलझाकर सड़क के किनारे झाड़ियों की तरफ लेकर जाता था। इसके बाद रुपए और सामान लेकर छोड़ा जाता था। 23 अगस्त- जयपुर के बस्सी थाना के परतीपुरा निवासी हरिसिंह पुत्र रंगलाल गुर्जर ट्रक में सब्जी भरकर गुजरात से जयपुर जा रहा था। रात करीब 2.30 बजे खरपीणा में हाईवे किनारे झाड़ियों में शौच करने गया। इस दौरान गैंग ने हमला कर घसीटकर अंदर की तरफ झाड़ियों में लेकर गए। उसके साथ मारपीट कर अंगुठी, नगद राशि व मोबाइल फोन लूट कर ले गए। करीब 10 दिन पहले भीलवाड़ा जिले के जहाजपुरा निवासी गोपाल गुर्जर ट्रक लेकर गुजरात से भीलवाड़ा जा रहा था। रात के समय खरपीणा में टॉर्च की लाईट से इशारा कर ट्रक रुकवाया। गैंग ने मारपीट कर नगद राशि व मोबाइल फोन लूट कर ले गए। 19 अगस्त को उदयपुर जिले के सराड़ा निवासी राकेश कुमार मीणा ऋषभदेव से उदयपुर आ रहा था। ऋषभदेव पुलिया के पास तीन बदमाशों ने मारपीट कर नगद राशि और मोबाइल फोन लूटकर ले गए। करीब 15 दिन पहले भीलवाड़ा के आसींद निवासी अजय लौहार निवासी ट्रक लेकर गुजरात से जयपुर जा रहा था। रात में खरपीणा में टॉर्च की लाइट से इशारा कर ट्रक रुकवाया। गैंग ने मारपीट कर नगद राशि व मोबाइल फोन लूट कर ले गए। जनवरी 2024 में उत्तरप्रदेश निवासी हिमांशु प्रजापति ट्रक लेकर गुजरात से दिल्ली जा रहा था। रास्ते में खेरवाड़ा टोल प्लाजा से पहले खांडी ओबरी में रुकवाया। बदमाशों ने मारपीट कर नगद राशि व मोबाइल फोन लूट लिया। इस प्रकार गोवर्धनविलास सर्कल से लेकर खेरवाड़ा थाना सर्कल तक एक साल में नेशनल हाईवे पर वाहन चालकों के साथ कुल 12 लूट की वारदात करना स्वीकार की।

राजस्थान जल महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन

संजीवनी टुडे

चाकसू। शनिवार को राजस्थान सरकार द्वारा प्राप्त दिशा निर्देशों के अनुसार नगर पालिका चाकसू क्षेत्र में स्थित मनोहरा तालाब पर इस अमृत वर्षा से आगामी वर्ष में क्षेत्र में सुख समृद्धि एव खुशहाली के चहुमुखी विकास और आम जन में हर्ष के माहौल के लिए राजस्थान जल महोत्सव 2024 के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया और वहीं जिसमे जल संरक्षण के लाभ के बारे में जानकारी दी गई और मनोहरा तालाब का जल पूजन विधिवत किया गया और जलझूलनी एकादशी पर एकत्रित लोगो के समक्ष सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुतियां प्रस्तुत करवाकर जल संरक्षण के लाभों को जानकारी दी गई और वही इस मौके पर विधायक रामावतार बैरवा , उपखण्ड अधिकारी शिवचरण शर्मा , अधिशाषी अधिकारी डॉ बनवारी लाल मीणा , पूर्व अध्यक्ष कृषि उपज मण्डी समिति कैलाश शर्मा , पार्षद त्रिवेणी श्याम , पार्षद मांगीलाल , पार्षद वसीम खान , पार्षद रफीक खान, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष रामधन सैनी, अन्य गणमान्य और नगर पालिका क्षेत्र ब्लॉक स्तरीय अधिकारी सहित कई कर्मचारी भी साथ में मौजूद रहे हैं।

भगवान झूलेलाल सेवा समिति का दशवां सामूहिक विवाह सम्मेलन आज, 12 जोड़े लेंगे फ़ेरे

संजीवनी टुडे

जयपुर। भगवान झूलेलाल सेवा समिति द्वारा सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन लायंस पैराडाइस, न्यू सांगानेर रोड़ पर होगा। संरक्षक दादा सुन्दर ठाकुर ने बताया कि दोपहर 12.15 बजे पल्लव प्रार्थना होगी, प्रथम पूज्य गणेश एवं भगवान झूलेलाल की आराधना कर नवयुगलों के सुखी वैवाहिक जीवन की प्रार्थना की जाएगी, महासचिव लालचंद खानवानी ने बताया कि दोपहर 1 बजे जयपुर के प्रसिद्ध सुन्दर बेंड की मधुर स्वरलहरियों से साथ शीश महल भगवान झूलेलाल मंदिर से बारात रवाना होगी। मुख्य संयोजिका शोभा बसंतानी व समन्वयक किशोर दादलानी ने संयुक्त रूप से बताया कि वासुदेव खेमानी द्वारा गत नों सामूहिक विवाह समारोहो से निशुल्क बेंड की सेवाएं दी जा रही हैं एवं नारायण दास नाज़वानी का विशेष सहयोग व मार्गदर्शन सदैव की भांति मिला है। प्रवक्ता मूलचंद बसंतानी ने बताया कि इस विशाल आयोजन हेतु अलग अलग समितियों का गठन किया गया है। मीडिया प्रभारी पियूष बच्चानी ने बताया कि इस अवसर पर एक रंगीन स्मारिका का विमोचन संतो द्वारा किया जायेगा, जिसमें वर-वधु का परिचय और समाज के भामाशाहो की सूची भी प्रकाशित की जाएगी।

सम्पादक की कलम से....
सम्पादकीय

अनोखा योग, 'एक तरफ रोग, दूसरी ओर योग'

भारत की समस्त सृष्टि और संस्कार में योग समाहित है। योग विकारों से मुक्ति का मार्ग है। योग हमारा आध्यात्मिक और वैज्ञानिक ज्ञान है। योग की सार्थकता को दुनिया के कई धर्मों ने स्वीकार किया है। योग सिर्फ व्यायाम का नाम नहीं है बल्कि मन, मस्तिष्क, शारीरिक और विकारों को नियंत्रित करने का माध्यम भी है। 21 जून को विश्व योग दिवस है। पहली बार यह 2015 को मनाया गया। यह भारत के प्रयास से ही सफल हो सका है। पूरी दुनिया आज योग और प्राणायाम की तरफ बढ़ रही है। योग भारत के लिए आने वाले दिनों में बड़ा बाजार साबित हो सकता है।

विश्व के लगभग 200 से अधिक देश भारत की इस गौरवशाली वैदिक परंपरा का अनुसरण कर रहे हैं। योग को अब वैश्विक मान्यता मिल गयी है। यह हमारे लिए गर्व की बात है। भगवान कृष्ण ने गीता में स्वयं कहा है कि 'योगः कर्मसु कौशलम' यानी हमारे कर्मों में सर्वश्रेष्ठ योग है। योग यज्ञ है और यज्ञ कर्म है। योग जीवात्मा और परमेश्वर के मिलन का साधन मात्र ही नहीं बल्कि ईश साधना का भी साध्य भी है। योगेश्वर भगवान कृष्ण ने योग को सर्वोपरि बताया है। उन्होंने कहा है कि 'योगस्थः कुरु कर्माणि' इसका तात्पर्य है कि योग में स्थिर होकर ही सद्चित कर्म संभव है। गीता का छठवां अध्याय योग को समर्पित है। भारत में योग की परंपरा 5000 हजार साल पुरानी है। 11 दिसम्बर 2014 को इसका प्रस्ताव दिया था। अमेरिका और यूरोप समेत दुनिया के 177 देशों ने भारत के पक्ष में वोट किया था। जिसके बाद भारत दुनिया का विश्वगुरु बन गया। संयुक्तराष्ट संघ ने 90 दिनों के भीतर पीएम मोदी के प्रस्ताव को मंजूरी दिया था। हम योग के 21 आसनों को अपना कर अपनी जिंदगी को सुखी, शांत और निरोगी बनाकर खुशहाल जीवन जी कसते हैं। जब हम तन और मन से स्वस्थ रहेंगे तो राष्ट निर्माण और उसके विकास में अपनी अहम भूमिका निभा सकते हैं। योगगुरु बाबा रामदेव योग को वैश्विक मान्यता मिलने पर इसे भारत की जीत बताया था।

दुनिया योग को अपने जीवन की दिनचर्या बना लिया है। योग संपूर्ण जीवन और चिकित्सा पद्धिति बन गया है। दुनिया में शांति युद्ध से नहीं योग से आएगी। भारत के साथ दुनिया में 20 करोड़ से अधिक लोग योग साधना का लाभ उठा रहे हैं। आधुनिक युग की व्यस्त दिनचर्या में योग हमारे लिए अमृत है। अपनी जिंदगी को खुशहाल और डिप्रेशन मुक्त बनाने के लिए योग हमें खुला आकाश देता हैं। हम धर्म, जाति, भाषा, सप्ंरदाय के साथ बंध कर स्वयं के साथ देश का अहित करेंगे। इसे मनाने के लिए राष्टीय और वैश्विक स्तर पर तैयारियां शुरु हो गई हैं। योगशास्त्र का इतिहास गौरवशाली उपलब्धि से अटा पड़ा है। हमारे यहां लययोग, राजयोग का भी वर्णन है। चित्त की निरुद्ध अवस्था लयोग में आती है। राजयोग सभी योगों से श्रेष्ठ बताया गया है। महर्षि पतंजलि की योग परंपरा भारत में अधिक संवृद्धशाली है। योगगुरु बाबा रामदेव आज पतंजलि योग व्यवस्था के संवाहक बने है।

दुनिया भर में योग की महत्वा स्थापित करने में पतंजलि योग संस्थान ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। योग और आयुर्वेद को उन्होंने वैश्विक स्वीकारोक्ति बना दिया है। पतंजलि योग साधाना के आठ आयाम हैं। जिसमें यम, नियम, आसन, प्रणायाम, प्रत्यहार, धारणा, ध्यान और समाधि है।

योग का संबंध सिंधु घाटी सभ्यता से भी है। प्राचीन काल की कई मूर्तियां योग मुद्रा में स्थापित हैं। भगवान शिव को योग मुद्रा में देखा जा सकता है। बुद्ध की मूर्तियां भी योग साधना में स्थापित हैं। बौद्ध और जैनधर्म में भी योग की महत्ता पर काफी कुछ है। बौद्ध और धर्म के अलावा ईसाई और इस्लाम में सूफी संगीत परंपरा में भी योग की बात आयी हैं। भारत की योग व्यस्था को पटल पर लाने में योग गुरु बाबा रामदेव और बीकेएस अंयगर के योगदान को नहीं भूलाया जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल से संयुक्तराष्ट संघ योग के महत्व को स्वीकार किया है। प्रधानमंत्री मोदी योग को लेकर स्वयं बेहद जागरुक है। वह योग करते हुए अपने कई वीडियो सोशलमीडिया पर साझा करते हैं। इसके साथ वह लोगों से अपील करते हैं कि आप योग के जरिए अपने मन, मस्तिष्क और शरीर को स्वस्थ रखें, जिससे आपका सहयोग देश के विकास में अच्छे तरीके से हो। योग से संबंधित युनिवर्सिटी, शोध संस्थान, आयुर्वेद मेडिसिन उद्योग नयी उम्मीदें और आशाएं लेकर आएगा। भारत और दुनिया भर में योग के लिए संस्थान स्थापित हुए है।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

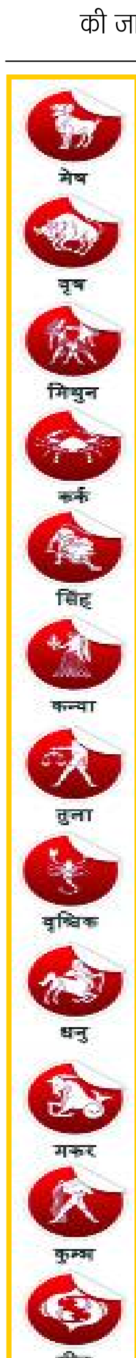

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) : आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो) : सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन (क,की,कू,घ,ङ, छ, के,को, ह) : कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपकी बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) : किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अधूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) : परिवार के बड़े सदस्यों की आज्ञा मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) : आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटे कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) : आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) : व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द्र की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

धनु (ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) : आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहें तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) : आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) : आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसको नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) : आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बडी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएं, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

अद्भुत..अकल्पनीय अभियांत्रिकी से दमकता नया भारत

बहुत पुरानी बात नही है जब सरहद पर मीटरों के फासले दिनों में तय हो पाते थे,आज किलोमीटरों का सफल मिनिटों में पूरा हो रहा है।इंच इंच रास्ता संघर्ष को आमंत्रित करता था अब मीलों की सुरंग भारत की संप्रभुता,सम्मान और सक्षमता की कहानी बयां कर रहीं है।यह नया भारत है। अपनी सीमाओं की चौकसी में खड़ा हर दुश्मन की आंख में आंख डालकर चुनौती को स्वीकार करने।यह भारत की अद्भुत इंजीनियरिंग का नया अध्याय भी है जिसे देखकर पूरी दुनियां चकित है।एफिल टावर ,स्टेचू ऑफ लिबर्टी की ऊंचाइयों को अब भूल जाइए।गगनचुंबी ऊंचाइयों पर अभियांत्रिकी को देखना है तो कश्मीर की वादियों में आइए,केवडिया में माँ नर्मदा के तट पर पहुँचिये,यहां नए भारत की मेधा,कौशल और इंजीनियरिंग आपको नए संकल्पों से रु- ब -रु कराते मिलेंगे।हजारों साल पहले जिस वास्तु और विनिर्माण तकनीकी से हमारे पूर्वजों ने,मठ मंदिर,किलों की स्थापत्य कला से दुनियां को परिचित कराया था, कमोबेश आज 21 वी सदी में भी भारतीय इंजीनियरिंग के नायाब कौशल की अनेक ऐसी ही कहानियां लिखी जा रही है। आज विश्व की सबसे लंबी टनल हो या सबसे ऊंची प्रतिमा या फिर सबसे ऊंचा रेल पुल सब कुछ भारत के नाम पर है।यह भारत की महान एवं विज्ञान सम्मत इंजीनियरिंग विरासत को पुनर्प्रतिष्ठित करने जैसा भी है।आज हमारी अभियांत्रिकी का सिक्का दुनियां को अचंभित कर रहा है।यह सब हो रहा है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जिन्होंने भारतीय प्रतिभा को प्रतिष्ठित करने के अतिरेक प्रयासों को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता में रखा हुआ है।3428 किलोमीटर लंबी भारत की एलएसी पर आज कोई ऐसा क्षेत्र नही बचा है जहाँ पहुँचने के लिए हमारी सेनाओं को मौसम खुलने का इंतजार करना पड़े।सब दूर सड़कों,पुलों,सुरंगों का ऐसा संजाल मोदी सरकार ने खड़ा कर लिया है, जो दुश्मन देशों को बुरी तरह खटक रहा है।यह सब आज से 10 बर्ष पहले तक असंभव सा लगता था और तथ्य यह है कि तत्कालीन सरकारों की प्राथमिकता से बाहर ही था।केंद्रीय रक्षा मंत्री एके एंटोनी ने सदन में खड़े होकर स्वीकार किया था सीमावर्ती इलाकों में आधारभूत सरंचना विकास हमारी सामरिक नीति का हिस्सा नही है।यानी सीमाओं पर विकास में कांग्रेस की कोई रुचि नही थी।नतीजतन 1997 में सयुंक्त मोर्चा सरकार के समय तबके प्रधानमंत्री श्री एचडी देवगौड़ा ने असम-अरूणाचल को जोड़ने वाले जिस ''बोगीवील पुल'' का भूमिपूजन किया था उसे 2014 तक ठंडे बस्ते में पटककर रखा। 5920 करोड़ की लागत वाले इस पुल को मोदी सरकार ने अपनी प्राथमिकता में लेकर रिकार्ड समय में पूरा कर दिखाया।4.94किलोमीटर का यह पुल भारत के इंजीनियरों की अदम्य और अद्भुत क्षमताओं का उदाहरण भी है।असम के डिब्रूगढ़ से अरुणाचल प्रदेश के धकोजी जिले को जोड़ने वाले इस पुल पर आपातकाल में लड़ाकू विमान तक उतारे जा सकते है।हमारे इंजीनियर्स ने इसे कुछ इस तरह डिजाइन किया है कि भूकंप और बाढ़ जैसी आपदाओं में भी यह अगले 120 बर्षों तक यूं ही खड़ा रहेगा।पूर्व प्रधानमंत्री अटलजी के जन्मदिवस पर तीन साल पहले प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इसे राष्ट्र को समर्पित किया था।इस पुल ने न केवल असम और अरुणाचल को जोड़ दिया बल्कि चीन की सीमा तक रसद और सेना भेजना मिनिटों में संभव कर दिया है।इस डबल डेकर पुल के ऊपरी तल पर तीन लेन सड़क एवं निचले तल पर ट्रेन का ट्रेक बनाया गया है।जिन प्रतिकूल परिस्थितियों में यह पुल बॉर्डर रोड आर्गनाइजेशन के इंजीनियरों ने बनाया है वह भारतीय इंजीनियरिंग कौशल का अचंभित कर देना वाला पक्ष है। सीमा पर घात लगाए बैठे ड्रेगन के लिए तो यह किसी सदमे से कम नही है।

विचार बिन्दु

रेलवे का दावा है कि किसी आतंकवादी ब्लास्ट के हमले में भी इसे नुक़सान नहीं होगा. एक स्पान ध्वस्त हो जाने पर भी ये काम करता रहेगा. इस पर 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ़्तार से ट्रेन चलेगी। 266 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ़्तार से चलने वाली हवा को भी ये बर्दाश्त कर सकता है। इसकी अनुमानित उम्र 120 वर्ष है। 584 किलोमीटर की वेल्डिंग इसमें हुई है।इसका स्टील –10 से 40 डिग्री सेल्सियस तापमान को सहने के योग्य है। पुल के निर्माण में 28,660 मिट्रिक टन स्टील लगी है। चिनाब आर्च में स्टील के बक्से हैं।

डॉ अजय खेमरिया

देश के इंजीनियर्स का यह कमाल यहीं तक सीमित नही है, बल्कि सामरिक महत्व के हर उस हिस्से में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है जो भारत की सम्प्रभुता,एकता और सीमाई अखण्डता के लिए संवेदनशील माने जाते रहे है। 17500 फिट की ऊंचाई पर 80 किलोमीटर की यह सड़क बॉर्डर रोड आर्गनाइजेशन के इंजीनियरों के कौशल का एक बड़ा ही महत्वपूर्ण उदाहरण है।इसके निर्माण ने चीन की सीमा पर हमारी सतत निगरानी को सुनिश्चित तो किया ही है साथ ही कैलाश मानसरोवर की दुर्गम यात्रा को भी सरल बना दिया है।2005 में इस प्रोजेक्ट को स्वीकृति मिली थी लेकिन इसका काम आरंभ हुआ 2018 में जब कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी ने इसे सर्वोच्च प्राथमिकता वाले प्रोजेक्ट में शामिल करते हुए 440 करोड़ रुपए स्वीकृत किये।2022 तक इसे पूरा किया जाना था लेकिन देश के इंजीनियर्स ने इसे समय से पहले ही बना दिया।यह सड़क धारचूला को लिपूलेख(चीन बॉर्डर)से जोड़ती है।इस परियोजना ''हीरक''के चीफ इंजीनियर विमल गोस्वामी के अनुसार सामरिक रूप से महत्वपूर्ण इस मार्ग के बन जाने से तवाघाटी के पास माँगती शिविर से शुरू होकर व्यास घाटी में गूंजी और सीमा पर भारतीय भूभाग में स्थित सुरक्षा चौकियों तक के 80 किलोमीटर से अधिक के दुर्गम हिमालयी क्षेत्र तक पहुँचना आसान हो गया है।इस नए मार्ग से की जाने वाली कैलाश मानसरोवर की यात्रा का लगभग 84 प्रतिशत हिस्सा भारत में है,केवल 16 फीसदी ही चीन में पड़ता है जबकि सिक्किम,काठमांडू मार्ग से जाने पर 80 फीसदी हिस्सा चीन में पड़ता था।खासबात यह भी है कि अब चीन के पांच किलोमीटर क्षेत्र को छोड़कर सम्पूर्ण यात्रा वाहनों से हो रही है।कैलाश का महत्व हिंदुओं के अलावा बौद्ध,जैन तिब्बतियों के लिए भी है।भारतीय इंजीनियरिंग ने इस यात्रा को भी अपने कौशल से सुगम्य बना दिया है। दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल कश्मीर के रियासी में बन कर तैयार हो गया है।ये दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे ब्रिज जो कि एफ़िल टॉवर से भी 35 मीटर ऊंचा है. इसकी नदी तल से ऊंचाई 359 मीटर है।कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत एक है इसे रेलवे लाइन के माध्यम से भी सिद्ध किया जाना एक सपने जैसा था लेकिन हमारे इंजीनियर्स ने इस सपने को भी अब पूरा कर दिखाया है। इस रेल लाईन से सेना को कश्मीर घाटी तक पहुंचने में 4 से 5 घंटे की बचत होगी. इस खबर से चीन काफ़ी परेशान हो रहा है।ये ब्रिज जम्मू कश्मीर के रियासी ज़िले में बना है। भारत का चिनाब ब्रिज एफ़िल टॉवर से भी ऊंचा है। स्ट्रेटजिक महत्व के इस ब्रिज के बन जाने से अब पूरी कश्मीर घाटी देश बाक़ी हिस्सों से जुड़ गई है। ये ब्रिज जम्मू के ऊधमपुर से लेकर कश्मीर के बारामूला तक बन रही रेल लाईन यूएसबीआरएल प्रॉजेक्ट का हिस्सा है। इस रेल लाईन के बन जाने से भारतीय सेना को भारत चीन बॉर्डर तक पहुंचने में न सिर्फ़ सहूलियत होगी बल्कि चार से पांच घंटे की बचत भी होगी। इस ब्रिज को बनाने के लिए भारतीय रेलवे के इतिहास की अब तक की इस सबसे ऊंची क्रेन का इस्तेमाल किया गया है। इससे, आसमान में क्रेन के रोपवे से लटक कर जाते भारी स्टील के ब्रिज सेग्मेंट अपनी निर्धारित सटीक जगह पर रखना हमारे इंजीनियर्स की अद्भुत क्षमताओं और निपुणता का उदाहरण है। अब रेल लाईन का ये डेक आगे बढ़ेगा और चिनाब आर्च के ऊपर बन रहे पुल से जुड़ जाएगा जिसके ऊपर रेल लाईन बिछाई जाएगी. कश्मीर से कन्याकुमारी तक देश रेलवे लाईन से जुड़ जाएगा। 272 किलोमीटर की इस रेल लाईन परियोजना को राष्ट्रीय महत्व का घोषित किया गया है।कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड के सीएमडी संजय गुप्ता के अनुसार ये रेल लाईन हिमालय की शिवालिक पर्वत माला और मध्य हिमालय की पीर पंजाल श्रंखला के सबसे दुर्गम इलाक़े के बीच से पार हो रही है।272 किलोमीटर की इस रेल लाईन परियोजना में 38 सुरंगें और 97 ब्रिज हैं।

कोरोना जितना अभिशाप है उतना भविष्य के फिजूल खर्चों परेशानियों पर भी मुक्त होने का अच्छे संकेत देगी

आज वर्तमान समय में करो ना जैसी महामारी से पूरा विश्व में त्राहि-त्राहि मची हुई है आज पूरा विश्व में लॉंक डाउन से सभी निजी सरकारी ऑफिस वह फैक्ट्री कंपनी शिक्षण संस्थान व शैक्षणिक संस्थान व्यवसायिक प्रतिष्ठान एवं ट्रांसपोर्ट बंद पड़े हुए हैं जिसके कारण पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था डगमगा रही है ना जाने इस करो ना जैसी महामारी के चपेट में कितने लोग बीमार होंगे वे जान का नुकसान होगा और आने वाले भविष्य में ना जाने कितने लोग बेरोजगार होकर गरीबी रेखा में आ जाएंगे जिसके कारण खाद्य सामग्री का भी अभाव रहेगा जिसके कारण आने वाले भविष्य में हो सकता है।

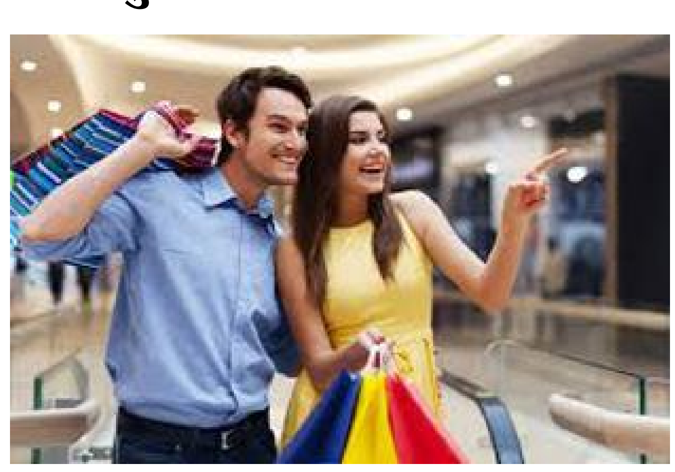

भुखमरी भी फैल सकती है जिसका सबसे बड़ा कारण आर्थिक मंदी होगी दूसरी ओर यह क्रोना जैसी महामारी अच्छे संकेत भी देगी वह संकेत हैं फिजूलखर्ची पर रोक लगेगी आज वर्तमान समय में लोग शादी ब्याह शादियों में बर्थडे पार्टियों में लाखों करोड़ों रुपए अपने पुत्र पुत्री की शादियों में खर्च कर देते हैं उसकी सीमा न्यूनतम हो जाएगी दिखावे के लिए अच्छे-अच्छे होटल पंडाल शादी में बर्थडे पार्टी में एनिवर्सरी पार्टी व अन्य पार्टियों पर भी रोक लगेगी क्योंकि अभी भविष्य में भी हम सब लोगों को भीड़ भाड़ से बचने के लिए सोशियल डिस्टेंस डिस्टेंस का पालना करनी पड़ेगी बल्कि शादी पार्टियों का दिखावा करने की वजह वह रुपया माता पिता अपनी पुत्री की भविष्य की कठिनाइयों के लिए रखेंगे जिससे पुत्री के आने वाले समय में होने वाली कठिनाई में उसकी सहायता कर सकें साथ ही इस करो ना से हमारे भारत में नदियां समुंदर सागर वायुमंडल भी स्वच्छ होंगे जिससे मनुष्य को शुद्ध हवा शुद्ध ऑक्सीजन मिलेगी उसे मनुष्य की निरोगी काया भी रहेगी।

आम लोगों को होटल का खाना ज्यादा पसंद होता था जो कि महीने में कई बार वह छुट्टियों में अधिकांश दिन लोग घरों का खाना ना खा कर होटलों का खाना खाते थे जिससे वह कई रोगों के शिकार भी हो जाते थे लेकिन करो ना जैसी महामारी ने सभी लोगों को घर का खाना अपनी मां पत्नी बहन के हाथों का शुद्ध खाना खाना सिखा दिया जिससे आम मनुष्य रोग मुक्त हो जाएगा यही कारण है जो कोरोना वायरस एक महामारी का भी प्रकोप है दूसरी ओर आम आदमी विकास से परिपूर्ण या उससे एक सामान्य निरोगी व फिजूल खर्चों पर विराम लगा कर खुशहाल जिंदगी जीने की जिंदगी करोना जैसी महामारी ही सिखायेगी।

15 सितम्बर की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1812	नेपोलियन के नेतृत्व में फ्रांसीसी सेना मास्को के क्रैमलिन पहुंची।
1959	भारत की राष्ट्रीय प्रसारण सेवा दूरदर्शन की शुरुआत।
1982	लेबनान के निर्वाचित राष्ट्रपति बशीर गेमायेल की पदासीन होने के पूर्व ही बम बिस्फोट में हत्या।
1894	प्योंगयांग की लड़ाई में जापान ने चीन को करारी मात दी।
1916	प्रथम विश्व युद्ध में पहली बार सोम्मे की लड़ाई में टैंक का इस्तेमाल किया गया।
1948	स्वतंत्र भारत का पहला ध्वजपोत आईएनएस दिल्ली बंबई(अब मुंबई) के बंदरगाह पर पहुंचा।
1959	भारत की राष्ट्रीय प्रसारण सेवा दूरदर्शन की शुरुआत हुई।
1971	हरी-भरी और शांति पूर्ण दुनिया के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध ग्रीन पीस की स्थापना की गई।
2000	सिडनी में 27वें ओलम्पिक खेलों का शुभारम्भ।
2002	न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के अवसर पर भारत, चीन एवं रूस के विदेश मंत्रियों की बैठक आयोजित, थाईलैंड के सट्टाहिम में श्रीलंका सरकार व लिट्टे के बीच सीधी वार्ता शुरू।
2003	सिंगापुर के मुद्दे पर विकासशील देशों के भड़क उठने से डब्ल्यूटीओ वार्ता विफल।
2004	ब्रिटिश नागरिक गुरिंदर चड्ढा को 'वूमैन आफ़ द ईयर' सम्मान।

बच्चों के व्यक्तित्व का संपूर्ण रूप से विकसित होने चाहिए

विचार बिन्दु

विजय गर्ग

जितनी कविताएं हमने उसे याद कराई थी, सब सुनवाने लगते है। लेकिन बच्चा मनोरंजन और प्रदर्शन की वस्तु नहीं है।

आजकल मैंने बच्चों को यह कहते सुना है कि माता-पिता को बच्चों की देखभाल करना और समझना नहीं आता। बच्चों के भीतर कैसी चाह है, यह तो माता-पिता नहीं समझ पाते, लेकिन एक बार सोचते जरूर हैं कि क्या उनके मातापिता को ऐसे 'परेटिंग' आती थी! उनके वक्त में तो जैसे-जैसे माता-पिता कहते थे, वे उनकी बातों का अनुसरण करते जाते थे। फिर चाहे वह शारीरिक श्रम की बात हो, व्यायाम या फिर घर के काम में हाथ बंटाने की बात हो। लेकिन आज बच्चे उन सब बातों को खारिज करते हैं। सही है कि आज के समय का शिक्षण-प्रशिक्षण और उसका तौर-तरीका बिल्कुल बदल चुका है और बच्चों को इस प्रकार के समय-सारणी में बांध दिया गया है कि उनके पास सामाजिकता, व्यावहारिकता या जीवन जीने की कला का विकास ही नहीं हो पाता। व्यावहारिकता की बात क्या करें, उनका तो व्यक्तित्व भी संपूर्ण रूप से विकसित नहीं हो पाता, क्योंकि आज के बच्चे महज किताबी कीड़ा बन कर रह गए हैं और यह कीड़ा उनके दिमाग को इस प्रकार से जटिल कर रहा है उन्हें अपने भले-बुरे की समझ नहीं आ रहीं है, जीवन की व्यापकता को सोचने की क्षमता ही नहीं विकसित रही है। पता नहीं कौन-सी ऐसी उपलब्धि है जो वह प्राप्त करना चाहते हैं! विडंबना यह है कि वे जैसे-जैसे उपलब्धियों और मंजिल की ओर का रास्ता तय करना प्रारंभ करते हैं, उनकी निराशा और अवसाद का चरण भी एक-एक करके आगे बढ़ता जाता है। बहुत कुछ अनकहा, अनगा और मनमाना इनके क्रियाकलाप को प्रभावित करता है। एक बात जो ध्यान देने योग्य है, वह यह कि बचपन में हम प्रयास करते हैं कि हम अपने बच्चों को वह सब सिखा सकें, जो जरूरी है और जिसे हमारे अभिभावकों ने हमें सिखाया था। मसलन, हमको भी दौड़ भाग करनी चाहिए, शारीरिक श्रम करना चाहिए, रस्सी कूदना चाहिए आदि। लेकिन विवशता कहें या व्यस्तता, जना समय हम अवश्य नहीं दे पाए और परिणाम यह निकला कि थोड़ी-सी डांट-फटकार, गुस्सा इन बच्चों के ऊपर भारी पड़ गया। मानसिक पीड़ा का भार शारीरिक पीड़ा से बहुत ज्यादा होता है। कई बच्चे आत्महत्या तक की धमकी दे देते हैं। ऐसे में समाधान बहुत आवश्यक है। प्रश्न यह है कि कौन बताएगा इसका हल? हमें और आपको खुद ही कुछ करना होगा। एक-एक पल का बारीकी से परीक्षण करना होगा कि क्या वास्तव में बच्चे हमेशा गलत होते हैं? क्या वास्तव में अभिभावक हमेशा सही होते हैं? क्या वास्तव में हमारे माता-पिता ने वैसा ही व्यवहार हमारे साथ किया था, जैसा हम अपने बच्चों के साथ कर रहे हैं? क्या वास्तव में हमारे माता-पिता की उम्मीदें वैसी ही थीं, जैसी हम अपने बच्चों से रख रहे हैं?

आज यह एक बहुत बड़ा प्रश्न है कि हर माता-पिता यह चाहते हैं किसका बच्चा कोई न कोई प्रतिमान स्थापित करे और सभी लोग उसकी वाहवाही करें। पिछले कुछ समय से एक बात पर बहुत चर्चा हो रही है कि बच्चों की संख्या दो से ज्यादा कभी नहीं होनी चाहिए, क्योंकि सरकारी नीतियों का लाभ आपको तभी मिलेगा जब आपके पास सीमित संख्या में बच्चे होंगे। हमारी पीढ़ी के माता-पिता के साथ शायद यह बाध्यता नहीं थी और उससे भी पहले की पीढ़ी के पास तो बिल्कुल नहीं थी। लेकिन जिस पीढ़ी के लोगों को हम आज भी याद करते हैं, उस पीढ़ी के कई मशहूर और महान नेताओं और विचारकों के परिवार में दस-बारह या इससे भी ज्यादा संख्या में भाई-बहन होते थे। आज प्रश्न यह भी है कि कहीं से हम यह कल्पना कर सकते हैं कि जो हमारा पहला बच्चा है, वहीं हमारे लिए सब कुछ उपलब्ध करके ले आएगा। उस बच्चे को भी कुछ सीमाएं और क्षमताएं हो सकती है। वह हर क्षेत्र में अच्छा नहीं कर सकता है, वर्चस्व स्थापित नहीं कर सकता है। हमने बच्चों को केवल यह बता दिया कि वह तुम्हारा लक्ष्य है और यह तुम्हें प्राप्त करना है। उस रास्ते पर चलते हुए उसे कब थकान महसूस हुई, कब प्यास लगी, उसकी क्या जरूरत है आदि सवालों पर हमने कभी ध्यान नहीं दिया। फिर एक दिन इन महत्त्वाकांक्षाओं का बोझ ज्वालामुखी बन कर फूट जाता है और इस विस्फोट से महज एक परिवार नहीं, बल्कि पूरा समाज प्रभावित होता है। यह समझना पड़ेगा कि हर बच्चा अलग है, विशेष है। हर बच्चे की क्षमता अलग है और हमारी महत्त्वाकांक्षा सभी बच्चों के लिए एक तरीके से नहीं चल सकती हैं। आज जब बच्चा पैदा होता है, आगे बढ़ता है और जीवन के संघर्ष के लिए तैयार हो रहा होता है, वैसे में जैसे ही हमारे यहां कोई अतिथि आता है तो हम उस बच्चे को प्रदर्शन की वस्तु बना देते हैं।

हैल्थ संवाददाता

स्वास्थ्य ही धन है, ऐसे में आप किस तरह के आहार का सेवन करते हैं, उसपर आपका स्वास्थ्य निर्भर करता है। शाकाहारी भोजन आपको न केवल स्वस्थ रखता है, बल्कि कई गंभीर बीमारियों से बचाता है। शाकाहारी भोजन के सेवन से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों के विभिन्न पहलुओं की पड़ताल करता आलेख। सच में यह कहा जाये, तो बिल्कुल गलत नहीं होगा, कि व्यक्ति का शरीर केवल शाकाहार भोजन खाने के लिए बना है। शाकाहार में शरीर के लिए जरूरी आयरन, प्रोटीन, फैट्स, विटामिन्स आदि होते हैं। लेकिन लोगों को यह लगता है कि नॉनवेज में प्रोटीन ज्यादा होता है, इसलिए नॉनवेज खाना चाहिए, लेकिन यह सही नहीं है। शाकाहार के सेवन से भी प्रोटीन की जरूरत को पूरा किया जा सकता है।

संतृप्त वसा व कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम

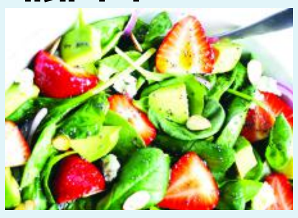

शाकाहारी भोजन में रेशे यानी फाइबर बहुतायत में पाये जाते हैं। इसमें विटामिन व लवणों की मात्र भी अपेक्षाकृत ज्यादा होती है। शाकाहारी भोजन में पानी की मात्र भी ज्यादा होती है, जिससे मोटापा कम होता है। मांसाहार की तुलना में शाकाहारी भोजन में संतृप्त वसा व कोलेस्ट्रॉल की मात्र कम होती है, जिससे यह हृदय रोगों की आशंका को कम करता है। अनाज, फली, फल व सब्जियों में रेशे व एंटीऑक्सीडेंट ज्यादा होते हैं, जो कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी को दूर रखने में सहायक होते हैं।

शाक से मिलता है प्रोटीन

शाकाहारी होना कतई हानिकारक नहीं है। मांसाहारियों को शरीर के लिए जरूरी तत्व जो मांस से मिलते हैं, वही जरूरी तत्व शाकाहारियों को कई प्रकार के शाक से मिलते हैं। प्रोटीन जो मछली, मांस और अंडे से प्राप्त होता है, वह वनस्पति से भी प्राप्त होता है।

बनो शाकाहारी हो जाओ दीर्घायु

मानव शरीर के कार्य करने के लिए ऐसा कोई पौष्टिक व जरूरी तत्व नहीं है, जो वनस्पतियों से प्राप्त नहीं किया जा सकता। फोलेट के अत्यधिक मात्र में होने के कारण और न्यून मात्र में सैचुरेटेड फैट, कोलेस्ट्रॉल व एनिमल प्रोटीन मात्र के कारण शाकाहारी भोजन हमें खतरनाक और सामान्य रोगों से बचाता है।

कौन सा विटामिन पाएं कहां से

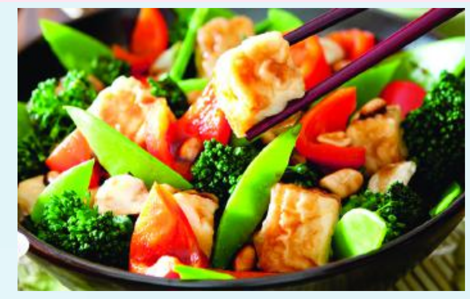

विटामिन 'ए': (1) हरी सब्जियां (2) मक्खन (3) क्रीम (4) गाय का दूध (5) काडलिवर आयल

विटामिन बी 1: (1) गेहूं (2) ताजे मटर (3) अंकुरित बीज (4) सेम (5) खमीर आदि।

विटामिन बी2: (1) अंडा (2) टमाटर (3) दूध (4) खुमानी (5) हरी सब्जियां।

विटामिन बी 6: (1) अनाज के दाने (2) मछली (3) मांस (4) खमीर (5) चावल (6) फलियां

विटामिन बी 12: (1) हरी सब्जियां (2) दालें (4) अनाज (5) खमीर आदि।

विटामिन सी: (1) बंदगोभी (2) शलगम (3) सादे रसदार फल (4) टमाटर (5) नींबू आदि।

विटामिन- डी: (1) दूध (2) काड लिवर आयल (3) पनीर (4) घी (5) मक्खन

विटामिन ई: (1) गेहूं के अंकुर (2) पालक (3) हरी सब्जियां (4) बंदगोभी (5) टमाटर आदि।

किसके लिये कौन सा विटामिन है फायदेमंद

- हमें आंखों के लिये विटामिन 'ए' तथा 'सी' की आवश्यकता है।
- मसूड़ों तथा दांतों की मजबूती के लिये विटामिन सी चाहिए।
- पाचन शक्ति बढ़ाने तथा हृदय को मजबूत करने के लिए विटामिन बी चाहिए।
- फेफड़ों की प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाने के लिये विटामिन 'डी' की आवश्यकता होती है।
- बार-बार खांसी जुकाम हो तो विटामिन 'ए' लीजिए।
- पिण्डलियों का भारीपन तथा पांव का दर्द दूर करने के लिये विटामिन 'बी' चाहिए।
- खून की कमजोरी दूर करने के लिये विटामिन सी की आवश्यकता होती है।
- शरीर की हड्डियां टेढ़ी-मेढ़ी न हों, इसके लिए विटामिन 'डी' का सेवन करें।

शाकाहार

शतम् जीवेत् सुखम् जीवेत्

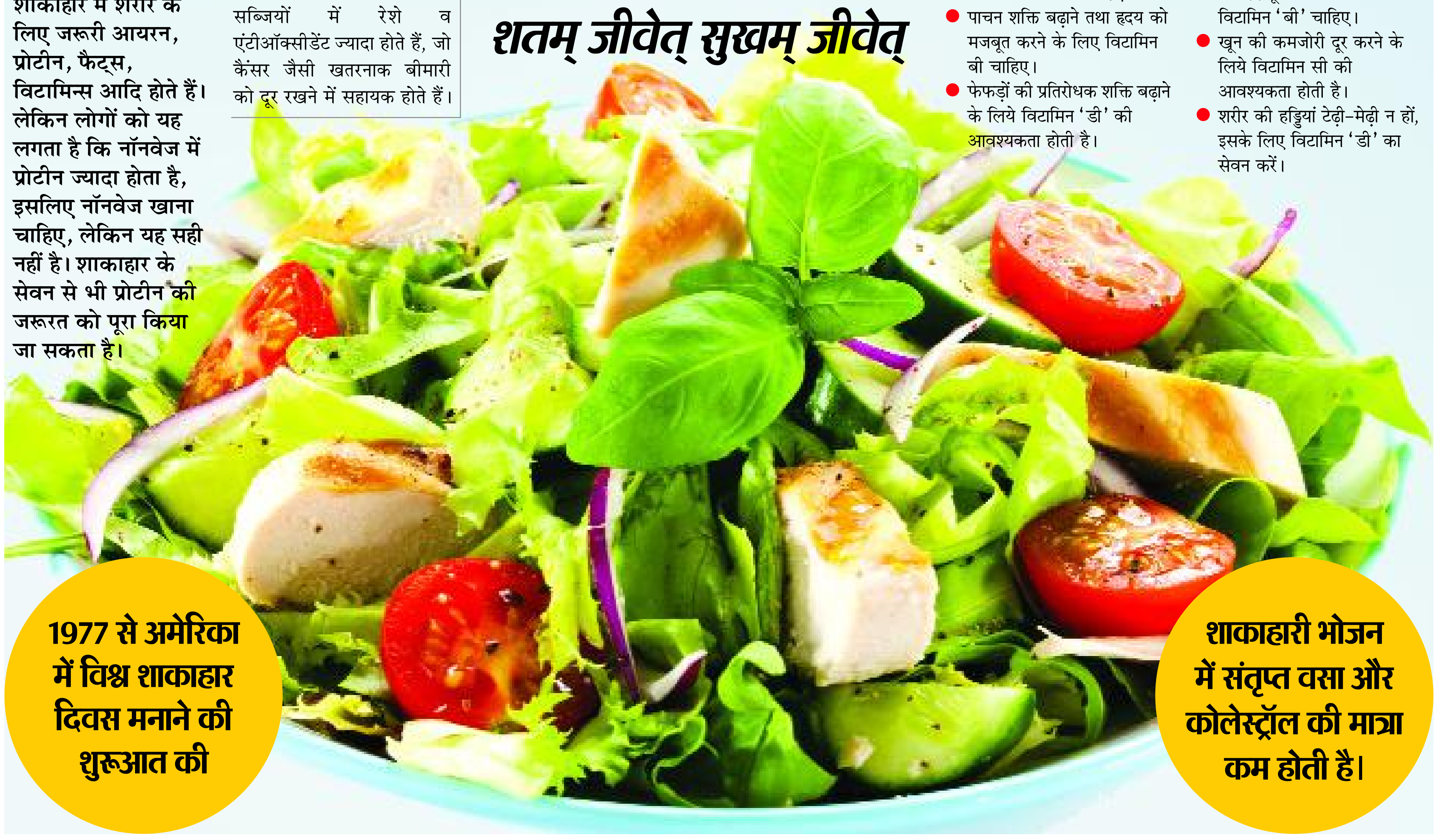

1977 से अमेरिका में विश्व शाकाहार दिवस मनाने की शुरूआत की

शाकाहारी भोजन में संतृप्त वसा और कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम होती है।

शाकाहार से रक्तचाप रहता है सामान्य

इस संस्था के शोधकर्ताओं का मानना है कि शाकाहारियों के रक्त में यूरिक एसिड का मात्रा कम होती है। इससे रक्तचाप सामान्य रहता है, जबकि मांसाहारियों में इसकी अधिकता पायी जाती है। शाकाहार के बारे में कुछ जाने-माने सितारों का भी मत सकारात्मक है।

विश्व प्रसिद्ध शाकाहारी

विश्व के प्रसिध्द महापुरुष शाकाहारी थे, जिनमें सर आईजक न्यूटन, टॉलस्टाय, मिल्टन, अरस्तु, बर्नार्ड शा आदि के नाम प्रमुख हैं। शाकाहार ने ही उनके बंद ज्ञान की पंखुड़ियों को खोलने में मदद की। महान वैज्ञानिक एलबर्ट आइन्सटाईन का कथन आज भी सत्य है। शाकाहार का हमारी प्रकृति पर गहरा प्रभाव पड़ता है। इससे तो इंसान का भाग्य पलट सकता है। कैंसर एंड अदर डिसीज फ्राम मीट कन्जंम्पशन पुस्तक के लेखक लियोनार्डो ब्लानचे ने कैंसर के अनेक मरीजों का इलाज किया है। उन्होंने पाया कि कुल संख्या का एक तिहाई भाग जिस कैंसर से पीड़ित मिला है, वह पेट का कैंसर ही था। उनके अनुसार, पेट में पूरी तरह न पचने राले खाद्य पदार्थों से ऐसा संभव हुआ है। मांस ऐसा भोजन है जो देर से पचता है, जबकि शाकाहार करने वाले ऐसी शिकायतें कम करते हैं।

शाकाहार, मांसाहार की अपेक्षा अधिक सस्ता

आर्थिक दृष्टि से शाकाहार, मांसाहार की अपेक्षा अधिक सस्ता पड़ता है। शाकाहारी भोजन चाहे जितना ही भारी हो, लेकिन मांस से पहले पचता है। यह भूख को पूर्ण रूप से तृप्त करता है। इससे मोटापा आने के आसार बहुत कम होते हैं। शाकाहारी के शरीर में रक्त के संचार की गति तेज होती है। शाकाहार की महत्ता को गास्पल आफ जीसस क्राइस्ट में भी बताया गया है कि यदि तुम शाकाहारी भोजन को नियमित अपनाओगे तो तुम्हें नया जीवन व शक्ति मिलेगी।

मांसाहारी जिन मांस को खाते हैं, वह न जाने कैसे पशुओं का होता हैं। शहर में घूमते इन आवारा पशुओं को अनेक बीमारियां घेरे रहती हैं। जब इन्हें काटा जाता है तो क्या इनके शरीर की जांच की जाती है?

मांसाहार मानव शरीर को करता विकृत

मांसाहार अवश्य ही मानव शरीर को विकृत करता है। शाकाहार वास्तव में मनुष्य के मन और शरीर को सुदृढ़ बनाता है। अत: निष्कर्ष के तौर पर कहा जा सकता है कि हर हाल में शाकाहार मांसाहार की अपेक्षा अत्यन्त लाभदायक होता है, फिर मनुष्य को प्रकृति में रहने की आदत है तो उसी के अनुरूप आचरण भी करना चाहिए।

लहसुन उच्च रक्तचाप में राहत देता है

लहसुन सर्दियों से दुनिया भर में अनेक लोगों के भोजन का अंग रहा है, जो लोग इसे पसंद करते हैं, उनका कहना है कि लहसून से खाने का मजा बढ़ जाता है, लेकिन दुनिया के कई समाज इसे खाना अच्छा नहीं समझते, शायद तीखी गंध के कारण। आयुर्वेद में लहसुन का गुण-गान किया गया है। अब तो आधुनिक चिकित्सा पध्दति के विशेषज्ञ भी कई बीमारियों में इसे कारगर मानने लगे हैं। दमा, बहरेपन, खांसी-जुकाम, पेट में कीड़े आदि में लहसुन लेने की सलाह दी जाती है। छाती के रोगों में और सर्दी लग जाने पर लहसुन की दूध में उबाल कर लेना चाहिए। तपेदिक के मरीजों के लिए भी लहसुन बहुत मुफीद है। लहसुन की कली को पीसकर 250 ग्राम दूध में धीमी आंच पर उबालिये। एक चौथाई दूध रह जाने पर यह दवा बन जाएगी। इसे दिन में तीन बार लेना चाहिए। सुबह-सबेरे खाली पेट लहसुन की एक-दो कलियों को जरा-सा कूट कर पानी में निगल जाइए। उच्च रक्तचाप और पेट की बीमारियों में फायदा होगा। आंतों में जमा विषैला तत्व नष्ट हो जाता है।

लहसुन का सबसे बड़ा अवगुण इसकी बू है। जो लोग लहसुन नहीं ले सकते, वे लहसुन के कैप्सूल ले सकते हैं, जो बाजार में उपलब्ध हैं। लहसुन गुणों का भंडार है, लेकिन कुछ लोगों को नुकसान कर सकता है। इसकी तासीर गर्म होती है। जिनकी पाचन शक्ति कुछ ज्यादा ही गड़बड़ हो, गर्म चीजें खाने से जिनको तकलीफ बढ़ जाती है, उन्हें लहसुन से परहेज करना चाहिए।

शाकाहार पूर्ण पौष्टिक भोजन है

हैल्थ संवाददाता

आज की भौतिक दौड़ में हमने अपने खान-पान को भुला दिया है। आज कई लोग मांसाहारी हो गये हैं। संभवत: यही कारण है कि नयी-नयी बीमारियों का जन्म हो गया है। हमारा शरीर प्राकॉतिक तत्वों से मिलकर बना है। अत: मनुष्य को वही जन करना चाहिए, जिसमें सात्विक गुण हो, क्योंकि शरीर किसी बाह्य तत्व का बोझ सहन नहीं कर सकता। अब हमारा पौष्टिक भोजन क्या हो? विशेषज्ञों के अनुसार शाकाहार ही पौष्टिक भोजन है।

शाकाहारी भोजन में उचित मात्रा में शक्तिवर्ध्दक तत्व होते हैं। शाकाहारी भोजन स्वस्थ, सबल और दीर्घायु बनाता है,जबकि मांसाहारी व्याधियों से घिरसे होते हैं। शाकाहार के संबंध में अनेक शोध भी होचुके हैं। इसका परिणाम स्वास्थ्य के लिए सकारात्मक ही पाया गया है। शाकाहारी मांसाहारियों की अपेक्षा सहनशील, शक्तिशाली और परिश्रमी होते हैं। इसके अलावा शाकाहारी भोजन का रासायनिक विश्लेषण मांसाहारी भोजन से कई मायनों में अधिक होता है। जैसे प्रति सौ ग्राम अंडों का विश्लेषण करने पर 13.3 प्रतिशत प्रोटीन, 0 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट्स, 13.3 फैट, 0 प्रतिशत फाइबर, 1.0 प्रतिशत मिनरल्स व 173 कैलोरी ऊर्जा प्राप्त होती है, जबकि प्रति सौ ग्राम सोयाबीन से 43.3 प्रतिशत प्रोटीन, 20.9 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट्स, 19.5 प्रतिशत फैट, 3.7 प्रतिशत फाइबर, 4.6 प्रतिशत मिनरल्स और 432 कैलोरी ऊर्जा प्राप्त होती है। ऐसे प्रति सौ ग्राम बकरे का मांस 21.4 प्रतिशत प्रोटीन, 0 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट्स, 23.6 प्रतिशत फैट, 0 प्रतिशत फाइबर, 1.1 प्रतिशत मिनरल्स, 118 कैलोरी ऊर्जा रखता है, जबकि प्रति सौ ग्राम मोट से 23.6 प्रतिशत प्रोटीन, 56.5 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट, 1.1 प्रतिशत फैट, 4.5 प्रतिशत फाइबर और 330 कैलोरी ऊर्जा प्राप्त होती है।

मछली में है प्रचूर मात्रा में प्रोटिन

इसी प्रकार मछली की अनेक किस्मों में प्रति सौ भाग रासायनिक पौष्टिकता इस प्रकार है- प्रोटीन 8.9 से 76.1 प्रतिशत, फाइबर 0 प्रतिशत, मिनरल्स 0 से 27.5 प्रतिशत और ऊर्जा 59 से 413 कैलोरीज, जबकि मूंगफली व तरबूज के सौ ग्राम बीजों की पोषकता यूं हैं- 26.2 से 34.1 प्रतिशत प्रोटीन, 26.7 से 45 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट्स, 39.8 से लेकर 52.6 प्रतिशत फैट, 0.8 से लेकर 3.1 प्रतिशत फाइबर, 1.6 से लेकर 25 प्रतिशत मिनरल्स और 470 से लेकर 628 कैलोरी ऊर्जा।

हरी सब्जियां में है विटामिन्स की खान

अब देखें फाइबर मांस में बिल्कुल नहीं है, जबकि रोगों से लड़ने की ताकत यही जुटाता है। इसके विपरीत हर शाकाहारी भोजन में फाइबर की उपस्थिति निश्चित है। इसके अतिरिक्त हरी सब्जियां तो विटामिन्स की खान है अगर कुछ विटामिन्स रह भी जाएं तो इसकी पूर्ति, दूध, दही व मक्खन से की जा सकती है। शाकाहार के संबंध में अमेरिका में हुए एक अध्ययन से पता चला है कि जो अमेरिका महिलाएं शाकाहारी होते हैं उन्हें छाती का कैंसर कभी न होने की संभावना होती है। शाकाहार में अंगूर, पपीते व हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन करने वालों को भोजन नली का कैंसर बहुत कम होने का खतरा रहता है। शाकाहार के संबंध में जर्मनी की इंस्टीट्यूट आफ सोशियल मेडिसन एंड एपिडेमिचोलोजी द्वारा भी सर्वेक्षण किये जा चुके हैं।

कैंसर को दूर रखने के लिए शाकाहार अपनायें

कई अध्ययनों से पता चला है कि शाकाहारी लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता मांस खाने वाले लोगों की तुलना में मजबूत होती है। वहीं शाकाहारी लोगों को दिल से जुड़ी बीमारियां, कैंसर और मोटापा जैसी बीमारियां भी कम होती हैं। मांस, अंडे और डेयरी उत्पाद छोड़ देने से कम वसा, कम कोलेस्ट्राल और बहुत पौष्टिक खाना मिलता है। तो चलिये विस्तार से जानें कि शाकाहार कैसे हमें कैंसर व अन्य घातक बीमारियों से दूर रख सकता है।

पौष्टिकता का खजाना है शाकाहार

शाकाहारी भोजन मनुष्य को फ्लू जैसी रोजमर्रा की बीमारियों के साथ कैंसर जैसी घातक बीमारियों को दूर रखने में मदद करता है। एक सर्वे के दौरान मिले तथ्यों के मुताबिक जानकार बताते है कि शरीर के लिए शाकाहारी खाना सबसे अच्छा है। मांस, अंडे और डेयरी उत्पाद छोड़ देने से कम वसा, कम कोलेस्ट्राल और बहुत पौष्टिक खाना मिलता है। सर्वे के मुताबिक शाकाहारी खाने में कोलेस्ट्राल नहीं होता और वसा भी कम होती है और यह कैंसर के खतरे को 40 फीसद कम करता है। शाकाहारी खाने में सोया दूध, अनाज, फल, सब्जियां, बादाम और जूस हमारी रोजमर्रा की विटामिन, कैल्शियम, फोलिक एसिड, प्रोटीन की जरूरतों को पूरा कर सकते हैं। जानकारों का मानना है कि शाकाहारी लोग फ्लू जैसी रोजमर्रा की बीमारियों से जल्दी प्रभावित नहीं होते हैं। मांसाहारी लोगों को शाकाहारी खाना खाने वालों की तुलना में मोटे होने का खतरा नौ गुना ज्यादा होता है।

भारतीय टीम ने अभ्यास के लिए साढ़े 6 फिट के बराड़ को बुलाया, 19 से पहला टेस्ट

एजेंसी ▸▸| चेन्नई

पिछले कुछ वर्षों में भारतीय टीमें मैच के अभ्यास पर काफी हद तक निर्भर रही हैं और गौतम गंभीर की टीम भी इससे अलग नहीं है जो विशेष कौशल वाले नेट गेंदबाजों का चयन कर रही है ताकि 19 सितंबर से यहां शुरू हो रही बांग्लादेश श्रृंखला के लिए बल्लेबाजों को तैयार होने में मदद मिल सके। यहां चार दिवसीय शिविर के लिए बुलाए गए तेज गेंदबाजों में से एक पंजाब के गुरनूर बराड़ हैं जिन्होंने अब तक पांच प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं और वह पिछले सत्र में इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान पंजाब किंग्स के साथ भी थे।

हालांकि गुरनूर का प्रथम श्रेणी रिकॉर्ड अच्छा नहीं है। लेकिन इस 24 वर्षीय खिलाड़ी के लिए जो चीज कारगर रही है वो उनकी छह फीट 4.5 इंच लंबा कद और तेज गति से गेंद फेंकने की उनकी क्षमता है।

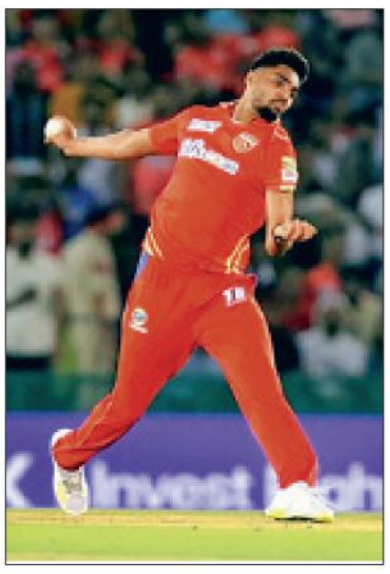

तेज गेंदबाज बरपाएंगे कहर

ऐसा माना जा रहा है कि नई गेंद से गेंदबाजी करने वाले दो शानदार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की मौजूदगी में भारत के 'टर्निंग पिच' पर खेलने की संभावना नहीं है और चेपक की पिच ऐसी हो सकती है जहां तेज गेंदबाजों और स्पिनरों दोनों को बराबर मदद मिलेगी। पर इस पर उछाल और अधिक हो सकता है इसलिए बांग्लादेश के लंबे कद के तेज गेंदबाज राणा को भी मौका मिल सकता है।

उछाल का सामना करने में मिलेगी मदद

ऐसा माना जा रहा है कि गुरनूर को बांग्लादेश के तेज गेंदबाज नाहिद राणा के गेंदबाजी एक्शन के लिए खास तौर पर बुलाया गया है जिन्होंने हाल में रावलपिंडी में पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट मैच में पांच विकेट चटकाए थे। राणा की गेंदबाजी की खासियत यह है कि छह फीट पांच इंच लंबे कद के कारण उन्होंने उछाल हासिल किया और पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट में उन्होंने सीधी लाइन में गेंदबाजी की थी।

कोच ने संभाली कमान

भारत के नए गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल को सलाह देते हुए देखा गया कि स्टार बल्लेबाजों को गेंदबाजी किस तरह की जाए। मुंबई के ऑफ स्पिनर हिमांशु सिंह भी नेट्स का हिस्सा हैं। तमिलनाडु के बाएं हाथ के धीमे गेंदबाज एस अजीत राम ने भी नेट्स पर खूब पसीना बहाया। दूसरे दिन नेट्स पर तेज गेंदबाज आकाश दीप और यश दयाल ने बुमराह और सिराज की प्रमुख तेज गेंदबाज जोड़ी से ज्यादा गेंदबाजी की। एक महीने के ब्रेक के बाद अब सीनियर बल्लेबाज लय में आने की कोशिश कर रहे हैं।

आज पहुंचेगी बांग्लादेशी टीम

बांग्लादेश की टीम रविवार को चेन्नई पहुंचेगी। बांग्लादेश में अशांति और पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को हटाए जाने के ठीक बाद आने वाले मेहमानों के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था होगी। दरअसल बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के नए प्रमुख फारुख अहमद ने पिछले गुरुवार को ढाका में पत्रकारों से कहा कि बीसीसीआई सचिव जय शाह ने उन्हें जरूरी सुरक्षा व्यवस्था का आश्वासन दिया है।

खबर संक्षेप

33 सदस्यीय संभावित कोर टीम की घोषणा

बेंगलुरु। हॉकी इंडिया ने 15 सितंबर से नौ अक्टूबर तक होने वाले राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए शनिवार को 33 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा की। यह शिविर बेंगलुरु में भारतीय खेल प्राधिकरण के परिसर में लगेगा। यह शिविर 11 से 20 नवंबर तक बिहार के नवनिर्मित राजगीर स्टेडियम में खेली जाने वाली महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम की तैयारी की शुरुआत होगी। भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा, 'आगामी राष्ट्रीय महिला कोचिंग शिविर महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए हमारी तैयारियों में एक महत्वपूर्ण कदम है।'

शुभंकर कोर्स रिकॉर्ड के साथ शीर्ष 15 में पहुंचे

रॉयल काउंटी डाउन। शुभंकर शर्मा आयरिश ओपन के दूसरे दौर छह अंडर 65 के कोर्स रिकार्ड के साथ शानदार वापसी करते हुए संयुक्त रूप से 15वें स्थान पर पहुंच गए। शुभंकर ने दूसरे दौर में कमाल के प्रदर्शन के साथ आसानी से कट में जगह बना ली। पार 71 के कोर्स पर दो दौर के बाद उनका कुल स्कोर दो अंडर है। उन्होंने दूसरे दौर के शुरुआती तीन होल में लगातार तीन बर्डी लगाने के बाद पांचवें और आठवें होल में इस कारनामे को दोहराया। उन्होंने 11वें, 12वें, 17 और 18वें होल में भी बर्डी लगाई जबकि चौथे, छठे और 15वें होल में बोगी कर बैठे।

पीएसपीबी, आरएसपीबी ने फाइनल में बनाई जगह

पुणे। पेट्रोलियम खेल संवर्धन बोर्ड और रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड शनिवार को चौथी हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष अंतर-विभागीय राष्ट्रीय चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंच गए। पीएसपीबी ने बड़े स्कोर वाले पहले सेमीफाइनल में सेना खेल नियंत्रण बोर्ड पर 5-3 से जीत हासिल की जबकि आरएसपीबी ने दूसरे सेमीफाइनल के कड़े मुकाबले में भारतीय खाद्य निगमको 2-1 से हराया।

वियतनाम ओपन में भारतीय चुनौती समाप्त

हो ची मिन्ह सिटी। ध्रुव कपिला के बीमार हो जाने के कारण उनकी और तनीषा क्रैस्टो की भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी को शनिवार को यहां अपने सेमीफाइनल मैच से हटना पड़ा जिससे वियतनाम ओपन सुपर 100 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की चुनौती भी समाप्त हो गई। कपिला और क्रैस्टो की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी को सेमीफाइनल में अदनान मौलाना और इंदाह काह्या सारी जमील की इंडोनेशियाई जोड़ी का सामना करना था।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी : पाक के खिलाफ 9 साल से भारत अजेय

भारत की 5वीं जीत, पाकिस्तान को 2–1 से रौंदा, हरमनप्रीत के दो गोल

एजेंसी ▸▸| हुलुनबुइर

कप्तान हरमनप्रीत सिंह के पेनल्टी कॉर्नर पर किए गए दो गोल की बदौलत गत चैंपियन भारत ने अपना अपराजेय अभियान जारी रखते हुए शनिवार को यहां चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 2-1 से हराकर हीरो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। भारत की यह छह टीमों के राउंड रॉबिन टूर्नामेंट में लगातार पांचवीं जीत है। पाकिस्तान ने अहमद नदीम (8वें मिनट) के गोल से बढ़त हासिल की लेकिन हरमनप्रीत सिंह (13वें और 19वें मिनट) ने दो पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत को जीत दिलाई।

भारत और पाकिस्तान दोनों ने इससे पहले अंतिम चार के लिए क्वालीफाई कर लिया था। इस जीत की बदौलत भारत ने 2016 से पाकिस्तान पर अपना दबदबा कायम रखा है। दोनों टीमों के बीच पिछली भिड़ंत हांग्झोउ एशियाई खेलों में हुई थी जिसमें भारत ने पाकिस्तान को 10-2 से हराया था। इससे कुछ महीने पहले भारतीयों ने एसीटी के चेन्नई चरण में पाकिस्तान को 4-0 से हराया था। जकार्ता में एशिया कप में भारत की युवा टीम ने पाकिस्तान को 1-1 से बराबरी पर रोका जबकि ढाका में 2021 एसीटी में भारत ने पाकिस्तान को 4-3 से हराकर कांस्य पदक जीता था।

कल कोरिया से होगा सामना

पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता और प्रबल दावेदार भारत का सामना सेमीफाइनल में कोरिया से होगा जबकि पाकिस्तान की भिड़ंत चीन से होगी। राउंड रॉबिन प्रारूप से शीर्ष चार टीमें 16 सितंबर को होने वाले सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया जबकि फाइनल 17 सितंबर को होगा।

क्वार्टर 1

भारत और पाकिस्तान के बीच किसी भी मैच की तरह पहले क्वार्टर में दोनों टीमों ने जीत हासिल करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। भारतीयों ने शुरुआत में शानदार प्रदर्शन करते हुए दबदबा बनाया, लेकिन जैसे जैसे मैच आगे बढ़ा पाकिस्तान का आत्मविश्वास बढ़ता गया। नदीम ने गेंद भारतीय गोल में पहुंचाकर अपनी टीम को आगे कर दिया। इस गोल से स्तब्ध भारत ने संयम बनाए रखा और हमले जारी रखे। टीम ने 13वें मिनट में अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया और कप्तान हरमनप्रीत ने पाकिस्तानी गोलकीपर मुन्नेब के बाईं ओर एक ताकतवर ड्रैग फ्लिक से गोल किया।

क्वार्टर 2

भारतीयों ने दूसरे क्वार्टर में दबाव बनाना जारी रखा और 19वें मिनट में अपना दूसरा पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। एक बार फिर पाकिस्तानी रक्षण के पास कोई जवाब नहीं था और हरमनप्रीत के सटीक शॉट से भारत 2-1 से आगे हो गया। दूसरे क्वार्टर में भारत गेंद को कब्जे में रखने में सफल रहा। पाकिस्तान ने कई मौकों पर प्रतिद्वंद्वी सर्कल में सेंध लगाने के मौके बनाए। दूसरे हाफ से मात्र 45 सेकंड पहले पाकिस्तान के पास बराबरी का मौका था लेकिन यह विफल रहा।

क्वार्टर 3

भारतीयों ने छोर बदलने के बाद भी दबदबा बनाए रखा और 37वें मिनट में अपना तीसरा पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। लेकिन गोल नहीं कर सके। पाकिस्तान ने इसके बाद लगातार चार पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति को नहीं भेद सके।

क्वार्टर 4

अंतिम क्वार्टर में दोनों टीमों ने लगातार हमले किए। भारत ने तीन और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए लेकिन गोल करने में विफल रहा। मैच में हरमनप्रीत और पाकिस्तान के अशरफ वहीद राणा के बीच तीखी नोकझोंक भी देखने को मिली। ऐसा राणा के भारतीय सर्कल के अंदर जुगराज सिंह को कंधा मारने के बाद हुआ। जुगराज इस धक्के से गिर गए थे और दर्द से कराह रहे थे। मैदानी अंपायर और पाकिस्तान के कप्तान बट और दोनों टीमों के अन्य खिलाड़ी स्थिति को नियंत्रित करने के लिए दौड़े। राणा को पीला कार्ड दिखाया गया।

क्रिकेट

लिविंगस्टोन ने इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया पर दिलाई जीत

एजेंसी ▸▸| कार्डिफ

लियाम लिविंगस्टोन और जैकब बेथेल ने 47 गेंदों पर 90 रन की साझेदारी करके इंग्लैंड को दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में ऑस्ट्रेलिया पर तीन विकेट से जीत दिलाई। इंग्लैंड ने इस तरह से तीन मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर की। तीसरा और निर्णायक मैच रविवार को ओल्ड ट्रैफर्ड में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 193 रन बनाए।

चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करने के लिए उतरे इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसका स्कोर एक समय तीन विकेट पर 79 रन था। लिविंगस्टोन और बेथेल ने यहीं से मोर्चा संभाला। बेथेल के 24 गेंदों में 44 रन बनाकर आउट होने से इंग्लैंड की स्थिति फिर से नाजुक हो गई लेकिन लिविंगस्टोन ने 47 गेंदों में पांच छक्कों और छह चौकों की मदद से 87 रन की शानदार पारी खेलकर उसे जीत की दहलीज पर पहुंचा दिया। जब स्कोर बराबर था तब लिविंगस्टोन आउट हो गए। ऐसे में आदिल रशीद ने विजयी रन बनाकर इंग्लैंड का स्कोर 19 ओवर में सात विकेट पर 194 रन पर पहुंचाया। इंग्लैंड की तरफ से सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट ने भी 39 रन का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से कामचलाउ स्पिनर मैथ्यू शॉर्ट ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 22 रन देकर पांच विकेट लिए।

शतरंज ओलंपियाड

भारत की पुरुष टीम ने हंगरी बी और महिला टीम ने स्विट्जरलैंड को हराया

एजेंसी ▸▸| बुडापेस्ट

भारत की पुरुष टीम ने प्रतियोगिता में पहली बार अंक गंवाया लेकिन इसके बावजूद उसने हंगरी बी को 3.5-0.5 से हराकर यहां चल रहे 45वें शतरंज ओलंपियाड में अपना विजय अभियान जारी रखा।

ओपन वर्ग में भारतीय टीम की जीत के नायक अर्जुन ऐरीगैसी रहे जिन्होंने पीटर प्रोहाजस्का के खिलाफ आक्रामक खेल खेला और शानदार जीत दर्ज की। विदित गुजराती को हालांकि पप्प गैबोर के खिलाफ ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। वर्तमान प्रतियोगिता में यह पहला अवसर है जबकि कोई भारतीय पुरुष खिलाड़ी जीत हासिल करने में असफल रहा। लेकिन डी गुकेश ने एडम कोजाक को और आर प्रज्ञाननंदा ने तमस बानुज को हराकर भारत की बड़ी जीत सुनिश्चित की। महिला वर्ग में शीर्ष बोर्ड पर डी. हरिका की करारी हार के बावजूद आर वैशाली, दिव्या देशमुख और वंतिका अग्रवाल ने शानदार जीत दर्ज की जिससे भारतीय टीम स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराने में सफल रही। भारतीय महिला टीम अभी छह अंकों के साथ संयुक्त बढ़त पर है।

अमेरिकन गैम्बिट्स का गीत अश्विन ने किया जारी

चेन्नई। भारत के स्टार क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने ग्लोबल शतरंज लीग के दूसरे सत्र से पहले शनिवार को यहां अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अमेरिकन गैम्बिट्स फ्रेंचाइजी का गीत जारी किया। 'मेक द वर्ल्ड गो' नामक यह गीत चरण राज ने लिखा है और कार्तिक चेन्नोजीराव ने इसे स्वर दिया है। यह गीत टीम की एकता और रणनीति को रेखांकित करता है। अपनी उंगलियों के जादू से दुनिया भर के बल्लेबाजों को परेशान करने वाले 37 वर्षीय अश्विन इस फ्रेंचाइजी टीम के सह मालिक हैं।

डायमंड लीग फाइनल में नौवें स्थान पर रहे साबले

एजेंसी ▸▸| बुडापेस्ट

ब्रसेल्स। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक 3000 मीटर स्टीपलचेज धावक अविनाश साबले शुक्रवार देर रात को यहां डायमंड लीग फाइनल में निराशाजनक प्रदर्शन के साथ नौवें स्थान पर रहे। अपना 30वां जन्मदिन मना रहे साबले पहली बार डायमंड लीग फाइनल में हिस्सा ले रहे थे। वह 10 खिलाड़ियों की दौड़ में आठ मिनट 17.09 सेकंड के समय के साथ नौवें पायदान पर रहे। कीनिया के अमोस सेरेम आठ मिनट 06.90 सेकंड के समय के साथ डायमंड लीग चैंपियन बने, जबकि मौजूदा ओलंपिक और विश्व चैंपियन मोरक्को के सौफियाने एल बक्काली (आठ मिनट 08.60 सेकंड) ने दूसरा स्थान हासिल किया। ट्यूनीशिया के मोहम्मद अमीन झिनाउई आठ मिनट 09.68 सेकंड के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

स्पेन ने फ्रांस को हराकर अंतिम आठ में किया प्रवेश

अमेरिका, जर्मनी, स्पेन और ऑस्ट्रेलिया की शानदार जीत

एजेंसी ▸▸| शुहाई

अमेरिका ने स्लोवाकिया को 3-0 से हराकर जर्मनी, स्पेन और ऑस्ट्रेलिया के साथ डेविस कप फाइनल्स के अंतिम आठ में जगह बनाई। स्पेन ने फ्रांस को हराकर अंतिम आठ में प्रवेश किया। उसके स्टार खिलाड़ी और चार बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन कार्लोस अल्कराज ने उगो हम्बर्ट को 6-3, 6-3 से हराया। इससे पहले अनुभवी रॉबर्टो बॉतिस्ता अगुट ने आर्थर फिल्स के खिलाफ पहला एकल 2-6, 7-5, 6-3 से जीता।

स्पेन की जीत से ऑस्ट्रेलिया भी ग्रुप बी से आगे बढ़ने में सफल रहा। अमेरिका को स्लोवाकिया को हराने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। मैकेंजी मैकडोनाल्ड ने लुकास क्लेन को 6-4, 6-3 से जबकि डेविस कप में पदार्पण करने वाले ब्रैंडन नकाशिमा ने जोज़ेफ़ कोवालिच को 6-3, 6-3 से पराजित किया। अमेरिका ने युगल में भी जीत हासिल की। पिछले महीने पेरिस ओलंपिक में पुरुष युगल फाइनल में हारने वाले ऑस्टिन क्राजिस्क और राजीव राम ने क्लेन और नॉर्बर्ट गोम्बोस को 6-7 (4), 7-6 (4), 10-1 से हराया। अमेरिका की जीत से जर्मनी भी अंतिम आठ में पहुंच गया। इटली ने बोलोग्ना में बेल्जियम को 2-1 से हराकर अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। अर्जेंटीना ने ब्रिटेन को 2-1 से हराया। ब्रिटेन को अपने दोनों एकल मैच में हार का सामना करना पड़ा और इस तरह से वह क्वालीफाई करने से चूक गया।

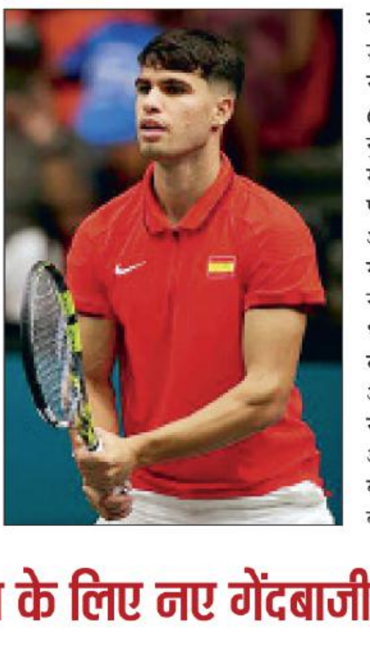

बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला के लिए नए गेंदबाजी कोच ने संभाली

भारतीय व्यवस्था को बेहतर बनाना लक्ष्य : मोर्कल

एजेंसी ▸▸| चेन्नई

भारत के नए गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल का मानना है कि भारतीय क्रिकेट की व्यवस्था अपने आप संचालित होती है और उनका लक्ष्य छोटे-छोटे तरीकों से इसे बेहतर बनाना होगा। मोर्कल काफी समय से भारत में रह रहे हैं। वह भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ लखनऊ सुपर जॉइंट्स के सहयोगी स्टाफ में भी शामिल थे। इसलिए वह भारतीय क्रिकेट की व्यवस्था से अच्छी तरह वाकिफ हैं और जानते हैं कि उन्हें इसमें किस तरह से काम करना है।

मोर्कल ने बीसीसीआई टीवी से कहा, 'यहां एक ऐसी व्यवस्था है जो अपने आप संचालित होती है। इसलिए इसे सुरक्षित रखना और छोटे-छोटे तरीकों से इसे बेहतर बनाना ही लक्ष्य होगा।' दक्षिण अफ्रीका के इस पूर्व तेज गेंदबाज को यह भी लगता है कि रोहित शर्मा, विराट कोहली, रविंद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन और जसप्रीत बुमराह हमेशा अपने-अपने विभाग में मोर्चा संभालेंगे और उनका काम उन्हें सर्वश्रेष्ठ सलाह देना होगा। जल्द ही 40 वर्ष के होने वाले मोर्कल ने कहा, 'हम भाग्यशाली हैं कि हमारे पास उच्च स्तर के खिलाड़ी हैं जो हमेशा अपने क्षेत्र में मोर्चा संभालेंगे। हमारी जिम्मेदारी उनका समर्थन करना और उन्हें सर्वोत्तम सलाह देना है जो हम दे सकते हैं।' अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 544 विकेट लेने वाले मोर्कल भारतीय खिलाड़ियों का पेशेवर रवैया देख कर भी हैरान हैं। उन्होंने कहा, 'यह अच्छा संकेत है और उम्मीद है कि हम इसे आगे बढ़ाने में अपना योगदान देंगे।'

खिलाड़ियों को समझने का कर रहा प्रयास

मोर्कल बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली टेस्ट श्रृंखला से पहले लगाए गए अभ्यास शिविर में टीम से जुड़े और वह खिलाड़ियों के साथ भरोसा बनाने के साथ इस पर भी गौर कर रहे हैं कि वह उनकी कैसे मदद कर सकते हैं। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए खिलाड़ियों के साथ अच्छे रिश्ते बनाना महत्वपूर्ण है। मैं इनमें से कई खिलाड़ियों के साथ खेला हूं और आईपीएल के कारण मेरे उनके साथ अच्छे संबंध हैं। खिलाड़ियों के साथ दोस्ती और अच्छे संबंध बनाना बेहद महत्वपूर्ण होता है। मैं खिलाड़ियों को समझने और उनके मजबूत और कमजोर पक्षों को जानने का प्रयास कर रहा हूं तथा आगामी श्रृंखला में उनके लक्ष्य तय करने में मदद करना चाहता हूं।'

इक्विटी फंड के 14 चैम्पियन! निवेशकों को किया मालामाल

■ 5 साल में इन स्कीम ने अपनी कैटेगरी में दिया ज्यादा रिटर्न ■ ताजा आंकड़े सही स्कीम चुनने में कर सकते हैं आपकी मदद ■ रिस्क लेने की क्षमता है तो आप भी चुन सकते हैं ऐसे फंड ■ 5 साल में सबसे ज्यादा 49.98% औसत सालाना रिटर्न क्वांट स्मॉल कैप फंड के डायरेक्ट प्लान ने दिया ■ क्वांट इंफ्रास्ट्रक्चर फंड दूसरे नंबर पर है, जिसके डायरेक्ट प्लान ने 5 साल का औसत सालाना रिटर्न 40.19% दिया

किस कैटेगरी में कौन चैम्पियन

इक्विटी फंड की अलग-अलग सब-कैटेगरी में पिछले 5 साल के दौरान किस स्कीम ने मैक्सिमम रिटर्न दिया है, ये आंकड़े हम आपको इस रिपोर्ट के जरिये बताएंगे। इन आंकड़ों के जरिये आप इक्विटी फंड्स की अलग-अलग कैटेगरी में मिल रहे बेस्ट रिटर्न की तुलना कर पाएंगे, जिससे आपको अपने निवेश लक्ष्य के हिसाब से सही स्कीम चुनने में मदद मिलेगी।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

अगर आप इक्विटी फंड के चैम्पियन स्कीम्स के बारे में नहीं जानते हैं तो जान लीजिए। इन योजनाओं ने अपनी श्रेणी में सबसे ज्यादा रिटर्न देकर निवेशकों को मालामाल कर दिया है। अगर आप भी निवेश करने जा रहे हैं तो एक बार इनके बारे में अच्छे से जान लें, ये आपकी पूंजी बढ़ाने में काफी मदद कर सकती हैं। दरअसल, इक्विटी म्यूचुअल फंड्स को बहुत सारी अलग-अलग कैटेगरी में बांटा जाता है। इनमें लार्ज कैप, मिड कैप, स्मॉल कैप से लेकर फ्लेक्सी कैप, मल्टी कैप, ईएलएसएस और वैल्यू फंड तक कई कैटेगरी शामिल हैं। किसी भी निवेशक के लिए इतनी फंड कैटेगरी के बीच अपने लिए सही स्कीम का चुनाव करना मुश्किल हो सकता है। इस बारे में सही फैसले तक पहुंचने के लिए तमाम म्यूचुअल फंड स्कीम्स के सालाना रिटर्न के पिछले आंकड़ों की जानकारी काफी काम आ सकती है। इसीलिए हम यहां इक्विटी फंड की हर सब-कैटेगरी में पिछले 5 साल के दौरान सबसे ज्यादा सालाना रिटर्न देने वाली चैम्पियन स्कीम्स की जानकारी देने जा रहे हैं।

1. फंड कैटेगरी : स्मॉल कैप फंड
- 5 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाली स्कीम : क्वांट स्मॉल कैप फंड
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 48.23%
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 49.98%

2. सब-कैटेगरी:सेक्टोरल/थीमैटिक फंड
- 5 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाली स्कीम : क्वांट इंफ्रास्ट्रक्चर फंड
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 38.37%
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 40.19%

3. सब-कैटेगरी : मिड कैप फंड
- 5 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाली स्कीम : क्वांट मिड कैप फंड
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 36.33%
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान): 38.76%

4. फंड-कैटेगरी : ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड
- 5 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाली स्कीम : क्वांट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 35.58
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 37.79

5. फंड-कैटेगरी : फ्लेक्सी कैप फंड
- 5 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाली स्कीम : क्वांट फ्लेक्सी कैप फंड
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 35.93%
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 37.35%

6. फंड-कैटेगरी : मल्टी कैप फंड
- 5 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाली स्कीम : क्वांट एक्टिव फंड
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 32.87%
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 34.55%

7. फंड-कैटेगरी : कॉन्ट्रा फंड
- 5 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाली स्कीम : एसबीआई कॉन्ट्रा फंड
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 31.81
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 32.83

8. फंड-कैटेगरी : एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ)
- 5 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाली स्कीम : सीपीएसई ईटीएफ
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 32.76
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : एनए

9. फंड-कैटेगरी : इंडेक्स फंड
- 5 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाली स्कीम : मोतीलाल ओसवाल निफटी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स फंड
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 30.91%
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 31.81%

10. फंड-कैटेगरी : लार्ज एंड मिड कैप फंड
- 5 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाली स्कीम : क्वांट लार्ज एंड मिड कैप फंड
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 29.11%
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 30.71%

11. फंड-कैटेगरी : वैल्यू फंड
- 5 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाली स्कीम : जेएम वैल्यू फंड
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 29.27%
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 30.25%

12. फंड-कैटेगरी : डिविडेंड यील्ड फंड
- 5 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाली स्कीम : आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल डिविडेंड यील्ड इक्विटी फंड
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 27.33%
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 28.85%

13. फंड-कैटेगरी : फोकस्ड फंड
- 5 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाली स्कीम : क्वांट फोकस्ड फंड
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 25.52%
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 27.76%

14. फंड-कैटेगरी : लार्ज कैप फंड
- 5 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाली स्कीम : निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 22.57%
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 23.61%

किस स्कीम ने दिया सबसे ज्यादा रिटर्न

ऊपर दिए आंकड़ों के मुताबिक इक्विटी फंड की तमाम सब-कैटेगरी में पिछले 5 साल में सबसे ज्यादा 49.98% औसत सालाना रिटर्न क्वांट स्मॉल कैप फंड के डायरेक्ट प्लान ने दिया है। उसके बाद क्वांट इंफ्रास्ट्रक्चर फंड दूसरे नंबर पर है, जिसके डायरेक्ट प्लान का पिछले 5 साल का औसत सालाना रिटर्न 40.19% रहा है। हालांकि स्मॉल कैप और थीमैटिक फंड्स में निवेश को हाई रिस्क वाला माना जाता है, लेकिन जो निवेशक बेहतर रिटर्न के लिए ज्यादा रिस्क लेने की क्षमता रखते हैं, वे इन पर विचार कर सकते हैं। बाकी निवेशकों के लिए फ्लेक्सी कैप, मल्टी कैप, इंडेक्स फंड कैटेगरी की डायवर्सिफाइड स्कीम्स के कम जोखिम वाले ऑप्शन भी मौजूद हैं।

अब सीनियर सिटिजन को आयुष्मान बनाएगी केंद्र की एबीपीएमजेएवाई

■ आयुष्मान भारत योजना की सीनियर सिटिजन स्कीम किसे मिलेगा फायदा
■ सरकार ने 70 साल से ज्यादा उम्र वाले बुजुर्गों को दिया बड़ा तोहफा
■ आयुष्मान भारत योजना के तहत मुफ्त हेल्थ इंश्योरेंस दिया जाएगा
■ 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवर मुहैया करवाया जाएगा

सुविधा
बिजनेस डेस्क

केंद्र सरकार ने 70 साल से अधिक उम्र वाले बुजुर्गों के लिए आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबीपीएमजेएवाई) के तहत 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवर मुहैया कराने का फैसला किया है। इस योजना के तहत 70 साल से ऊपर के सभी बुजुर्गों को हेल्थ इंश्योरेंस कवरेज का लाभ दिया जाएगा, भले ही उनकी आर्थिक स्थिति कुछ भी हो। आयुष्मान भारत योजना की स्कीम में अब तक सिर्फ कमजोर आर्थिक स्थिति वाले नागरिकों को ही मुफ्त हेल्थ इंश्योरेंस की सुविधा मिलती रही है, लेकिन सरकार के नए फैसले के बाद अब सभी बुजुर्ग नागरिकों को यह जरूरी सुविधा मुहैया कराई जाएगी।

कौन हैं एलिजिबल

आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 70 साल से ऊपर के सभी नागरिक, चाहे उनकी आर्थिक स्थिति कोई भी हो, 5 लाख रुपये तक के हेल्थ इंश्योरेंस का लाभ लेने के लिए एलिजिबल यानी योग्य होंगे। इसके तहत उन्हें एक विशेष कार्ड जारी किया जाएगा, जिसकी मदद से वे योजना का लाभ प्राप्त कर पाएंगे। जो बुजुर्ग पहले से ही आयुष्मान भारत के तहत कवर किए गए हैं, उन्हें 5 लाख रुपये तक का अतिरिक्त टॉप-अप कवर मिलेगा, जो परिवार के अन्य सदस्यों के साथ साझा नहीं किया जाएगा। 70 साल से कम उम्र के नागरिकों को पहले की तरह पूरे परिवार के लिए लागू 5 लाख रुपये तक का हेल्थ इंश्योरेंस कवरेज मिलता रहेगा।

योजना के मुख्य लाभ

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबीपीएमजेएवाई) के तहत सीनियर सिटिजन्स को हर साल 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य कवर मिलेगा। योजना के जरिये इन प्रमुख सेवाओं का लाभ उठाया जा सकता है।

- मेडिकल जांच, उपचार व कंसल्टेशन
- अस्पताल में इलाज के दौरान भोजन और ठहरने की सुविधा
- ऑपरेशन, सर्जरी और अन्य मेडिकल प्रक्रियाएं
- दवाइयां और मेडिकल सामान
- आईसीयू व गैर-आईसीयू सेवाएं
- डायग्नोस्टिक और लैब जांच
- मेडिकल इंप्लांट्स
- इलाज के दौरान आने वाली जटिलताओं की देखभाल
- प्री-हॉस्पिटलाइजेशन केयर (भर्ती से 3 दिन पहले तक)
- डिस्चार्ज के बाद पोस्ट-हॉस्पिटलाइजेशन फॉलो-अप केयर (15 दिन तक)

दूसरी योजनाओं में कवरेज पाने वालों को भी लाभ

ऐसे सीनियर सिटिजन्स जो पहले से किसी सरकारी स्वास्थ्य बीमा योजना जैसे सेंट्रल गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम (सीजीएचएस), एक्स-सर्विसमेन कंट्रीब्यूटरी हेल्थ स्कीम (ईसीएचएस), आयुष्मान सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स (सीएपीएफ) का लाभ ले रहे हैं, वे या तो अपनी वर्तमान योजना को जारी रख सकते हैं या आयुष्मान भारत योजना का लाभ उठा सकते हैं। अगर आप किसी प्राइवेट हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी या कर्मचारी राज्य बीमा योजना (ईएसआईसी) के तहत कवर हैं, तब भी आप आयुष्मान भारत योजना का फायदा उठा सकते हैं। इस योजना से 4.5 करोड़ परिवारों के लगभग 6 करोड़ बुजुर्गों को सालाना 5 लाख रुपये का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा कवर मिलने का अनुमान है।

ऐसे करें आवेदन

- आयुष्मान भारत की वेबसाइट (**https://abdm.gov.in/**) पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।
- बुजुर्ग नागरिक अपने नजदीकी पीएमजेएवाई केंद्र पर जाकर भी अपने आधार कार्ड या राशन कार्ड के जरिये वेरिफिकेशन करने के बाद इस सुविधा के लिए अप्लाई कर सकते हैं।
- आवेदन करते समय नागरिकों को अपने आधार कार्ड, राशन कार्ड समेत आवश्यक दस्तावेज जमा करने पड़ सकते हैं।
- आवेदन के प्रॉसेस हो जाने के बाद बुजुर्ग नागरिको को एक विशेष एबीपीएमजेएवाई आईडी के साथ अपना ई-कार्ड मिल जाएगा। इस कार्ड के जरिए वे योजना के तहत सभी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ ले सकते हैं।

टोल-फ्री नंबर पर मिल जाएगी जानकारी

आयुष्मान कार्ड से संबंधित जानकारी प्राप्त करने के लिएटोल-फ्री नंबर 14555 पर कॉल कर सकते हैं। इससे सारी जानकारी मिल जाएगी की कार्ड बनवाने के लिए क्या जरूरी कागज चाहिए और किन अस्पतालों में यह सुविधा मिल जाएगी।

इन राज्यों ने लागू नहीं की आयुष्मान योजना

दिल्ली, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में फिलहाल आयुष्मान योजना नहीं है। इन राज्य सरकारों ने इस योजना को नहीं लागू किया है। केंद्र ने कहा कि अगर किसी परिवार का कोई सदस्य आयुष्मान भारत योजना का लाभ ले रहा है और उस परिवार में कोई बुजुर्ग है तो अब बुजुर्ग का नया कार्ड अलग बनेगा। इसके लिए पंजीकरण भी नए सिरे से कराना होगा। कार्ड बनने के बाद बुजुर्ग किसी भी अस्पताल में 5 लाख तक का इलाज निशुल्क करा सकेंगे। केंद्र सरकार ने यह भी कहा है की 70 साल या इससे ज्यादा उम्र के बुजुर्ग जो केंद्र सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ ले रहे हैं, तो वे भी आयुष्मान भारत योजना के तहत आयुष्मान कार्ड बनवाने का विकल्प चुन सकते हैं। अगर किसी की उम्र 70 साल या इससे अधिक है और उन्होंने प्राइवेट हेल्थ बीमा करा रखा है तो भी इस योजना के तहत पंजीकरण करा सकते हैं।

अब 15X15X15 का मैजिक जल्द बना सकता है करोड़पति

▶▶ 15 साल में 1 करोड़ बनाने का फॉर्मूला सीख गए तो होंगे धनवान
▶▶ अकेले 73 लाख रुपये तो सिर्फ ब्याज से ही कमा सकते हैं आप
▶▶ मतलब 15 हजार, 15 साल के लिए, 15% ब्याज पर निवेश करें

तैयारी
बिजनेस डेस्क

आपने पैसा तो कमा लिया, लेकिन इसे अब बढ़ाए कैसे। ऐसे तमाम सवाल एक निवेशक के मन में घूमते रहते हैं। ऐसे में जरूरी है कहीं भी निवेश करने से पहले बाजार की चाल को समझना और अपने लक्ष्य पर फोकस करना। इसके साथ ही जरूरी है थोड़ा सा रिस्क लेना। इसके बाद ही आप निवेश करेंगे तो कम समय में अच्छा खासा पैसा कमा सकते हैं। मसलन आप करोड़पति भी बन सकते हैं। बस एक बात का ध्यान रखना है। कि लक्ष्या और धैर्य से न भटकें। अपने निवेश को बढ़ाने के लिए 15X15X15 के मैजिक का सहारा ले सकते हैं। यह मैजिक बहुत काम का है। पैसों को बढ़ाने का शानदार तरीका है। ये रूल पैसे को 3 पार्ट में डिवाइड करता है। निवेश, अवधि और ब्याज। मतलब 15 हजार, 15 साल के लिए, 15% ब्याज पर निवेश करें। फिर देखना कंपाउंडिंग का कमाल। इस फॉर्मूले से निवेश की शुरुआत करेंगे तो करोड़पति बन सकते हैं, लेकिन, इसके पीछे भी एक फॉर्मूला काम करता है। वो है कम्पाउंडिंग का फॉर्मूला। पावर ऑफ कम्पाउंडिंग का फॉर्मूला यही सिखाता है कि निवेश हो तो लंबा हो।

क्या है पावर ऑफ कम्पाउंडिंग?

कंपाउंडिंग का सीधा सा अर्थ है चक्रवृद्धि ब्याज द्वारा आपके पैसे में बढ़ोत्तरी। अपनी बचत पर जो ब्याज आप अर्जित करते हैं, वह राशि मूलधन में वापस जोड़ दी जाती है, और फिर ब्याज राशि की गणना नई मूलधन राशि पर की जाती है। अब, मूलधन राशि हर साल बढ़ती रहती है, इसलिए आपके रिटर्न में भी बढ़ोत्तरी होती है।

इसे ऐसे समझें

▶▶ मूल निवेश पर ब्याज
▶▶ दोनों रकम पर फिर से ब्याज का फायदा
▶▶ निवेश+ ब्याज+ ब्याज+ ब्याज= कम्पाउंडिंग

कैसे बनेगा 15x15x15 से पैसा?

▶▶ निवेश - 15,000 रुपये मासिक
▶▶ अवधि - 15 साल
▶▶ ब्याज - 15 फीसदी
▶▶ कॉर्पस - 15 साल के बाद 1 करोड़ रुपये
▶▶ कुल निवेश - 27 लाख रुपये
▶▶ कम्पाउंडिंग - 73 लाख ब्याज से कमाई

15,000 नहीं 10 हजार से 1 करोड़ कब बनेंगे

अगर म्यूचुअल फंड के साथ मंथली एसआईपी करते हैं। इसकी शुरुआत 10 हजार रुपये से करें। आमतौर पर म्यूचुअल फंड में रिटर्न 12 फीसदी तक मिल सकता है। यहां आपको 20 तक के लिए निवेश करना होगा। 20 साल में आपका कुल निवेश 24 लाख रुपये होगा, लेकिन, इस पर जो ब्याज मिलेगा वो 74.93 हजार रुपये होगा। मतलब यहां पावर ऑफ कम्पाउंडिंग ने काम किया। एसआईपी की कुल वैल्यू 98.93 लाख रुपये पहुंच जाएगी। कुल 74.93 लाख रुपये का सिर्फ ब्याज आपने कमाया।

ब्याज पर ब्याज से बढ़ी कमाई

इसे ऐसे समझ सकते हैं कि कहीं निवेश करने पर आपकी जो कमाई होती है, उसे भी फिर से निवेश करना कंपाउंडिंग होता है। इसमें आपको मूलधन के साथ उसके ब्याज पर भी ब्याज मिलता है। कंपाउंडिंग आपके निवेश को बढ़ाने में जहां बड़ा जरिया है।

क्या होता है रिस्क यानी जोखिम?

रिस्क यानी जोखिम की परिभाषा वित्तीय शब्दों में वैसे अवसर के रूप में की जाती है जब परिणाम या निवेश का वास्तविक लाभ अपेक्षित परिणाम या रिटर्न की तुलना में अलग होगा। जोखिम में किसी मूल निवेश का कुछ या सारा कुछ गवां देने की आशंका शामिल है। मात्रात्मक रूप से, जोखिम का आकलन ऐतिहासिक व्यवहारों और परिणामों पर विचार करने के द्वारा किया जाता है। वित में, स्टैंडर्ड डेवियेशन को जोखिम से जुड़ा एक सामान्य मीट्रिक माना जाता है। स्टैंडर्ड डेवियेशन किसी समय सीमा में उनके ऐतिहासिक औसतों की तुलना में एसेट प्राइस की अस्थिरता की माप उपलब्ध कराता है। कुल मिला कर, जोखिम के मूलभूत तत्वों और किस प्रकार इसकी माप की जाती है, को समझने के द्वारा निवेश जोखिमों को प्रबंधित करना संभव और विवेकपूर्ण है। उन जोखिमों के बारे में जानना जो विभिन्न परिदृश्यों में लागू हो सकते हैं और उन्हें समग्र रूप से प्रबंधित करना सभी प्रकार के निवेशकों और बिजनेस मैनेजरों को अनावश्यक और भारी नुकसान से बचने में सहायता करेंगे।

निवेश करने से पहले जान लें कुछ सबक, आपके बेहद काम आएंगे

बेहतर फ्यूचर के लिए एक्सपर्ट निवेश की सलाह देते हैं **काफी लोग निवेश से घबराते हैं, क्योंकि यह जोखिम भरा** ज्यादातर एफडी जैसी फिक्स्ड रिटर्न वाली स्कीम चुनते हैं **एफडी में बिल्कुल भी जोखिम नहीं होता, पर रिटर्न काफी कम**

सुझाव
बिजनेस डेस्क

जिंदगी में किसी भी मोड़ पर पैसों को लेकर कोई दिक्कत न हो, इसलिए हम लोग बचत के साथ-साथ निवेश भी करना चाहते हैं। चूंकि निवेश का पहला कदम जोखिम उठाना होता है इसलिए वे घबराते भी हैं कि कहीं उन्हें रुपये-पैसों का भारी नुकसान न उठाना पड़े। बेहतर फ्यूचर के लिए एक्सपर्ट निवेश की सलाह देते हैं। काफी लोग निवेश करने से घबराते हैं क्योंकि काफी स्कीम में निवेश करना जोखिम भरा होता है। हालांकि कुछ लोग एफडी जैसी फिक्स्ड रिटर्न वाली स्कीम को चुनते हैं। क्योंकि इसमें बिल्कुल भी जोखिम नहीं होता, लेकिन रिटर्न काफी कम होता है। कई एक्सपर्ट ने निवेश से जुड़े अपने अनुभव साझा किए हैं। इनसे निवेशक कुछ सबक ले सकते हैं। जो उनके भविष्य की निवेश यात्रा में बेहद काम आएंगे।

ट्रेडिंग में अनुशासन और अनुभव जरूरी

बाजार के एक जानकार का कहना है कि शेयर बाजार में ट्रेडिंग शुरू करते समय किसी को भी जानकारी नहीं होती। मैने कम पैसे लगाकर ज्यादा रिटर्न पाने के लालच में एफएंडओ को चुना। शुरुआत में सफलता मिली। शायद वह शुरुआती किस्मत थी। लेकिन वह जल्दी ही फीकी पड़ गई। मैं सिर्फ 1 साल के अंदर नुकसान में था। ट्रेडिंग में निवेश से ज्यादा अनुशासन और अनुभव की जरूरत होती है। मेरे नुकसान की भरपाई के लिए मां को गहने तक बेचने पड़े। उन्होंने कहा कि मैं निवेशकों को सलाह देता हूं कि वे फ्यूचर्स और ऑप्शंस की तरफ आकर्षित न हों।

ये सबक सीखे

▶ फ्यूचर्स और ऑप्शंस की तरफ आकर्षित न हों। ▶ क्योंकि यहां सफलता की दर केवल 1% ही है। ▶ ट्रेडिंग के लिए निवेश से ज्यादा अनुशासन और अनुभव की जरूरत। ▶ ट्रेडिंग में हमेशा स्टॉप लॉस रखें।

अलग-अलग जगह निवेश करना जरूरी

एक अन्य जानकार का कहना है कि साल 2001 में मैं जिस बैंक में काम करता था, वह अचानक बंद हो गया। मैं रातों-रात बेरोजगार हो गया और मेरी इनकम बंद हो गई। मैं नए मौकों के लिए इंग्लैंड चला गया। यहां भी कई तरह की चुनौतियां थीं और इसने फाइनेंशियल सिक्योरिटी के प्रति मेरी सोच को बदला। धीरे-धीरे मैंने शेयर, बॉण्ड्स और रियल एस्टेट में निवेश करना शुरू किया। इससे मेरे पोर्टफोलियो में डाईवर्सिफिकेशन आया। साथ ही लाइफ इंश्योरेंस भी लिया। सबसे अहम सबक है फाइनेंशियल प्लानिंग और किसी एक जगह निवेश न करके अलग-अलग जगह निवेश करना है।

ये सबक सीखे

▶ सारा निवेश एक ही जगह न करें। ▶ एक ही इनकम के भरोसे न रहें। ▶ इमरजेंसी फंड जरूर बनाएं।

गिरावट में खरीद हमेशा सही नहीं

शेयर बाजार में सेक्टर साइकल की समझ न होने के चलने खराब शेयरों में पैसा लगाया। मैंने 2006 में उस वक्त टॉप पर रहे चीनी के एक स्टॉक में निवेश किया, यह मानते हुए कि यह ऊपर की ओर बढ़ रहा है। 2005 से इसने जो अच्छे रिटर्न दिए, उससे मैं ओवर कॉन्फिडेंट हो गई। बाद में इसमें गिरावट आई। स्टॉक की कीमत में हर गिरावट के साथ मैंने इसमें और निवेश किया। बाद में स्टॉक की कीमत 70-80% तक गिर गई। 7 साल बाद मुझे इसे इसकी लागत के 5वें हिस्से से भी कम कीमत पर बेचना पड़ा।

ये सबक सीखे

▶ सेक्टर साइकल को समझना बेहद जरूरी है।
▶ पहले का प्रदर्शन भविष्य की गारंटी नहीं है।
▶ किसी शेयर ने पहले अच्छा प्रदर्शन किया है, इसका मतलब यह नहीं है कि वह हमेशा अच्छा प्रदर्शन करेगा।
▶ कभी-कभी नुकसान झेलकर आगे बढ़ना बेहद जरूरी है।

बुरे वक्त के लिए रखें तैयारी

जब आसानी से पैसा मिल रहा हो तो हम अक्सर समझदारी से खर्च नहीं करते। 2008 में मुझे एक झटका लगा। मैंने शेयर में कुछ करोड़ रुपये निवेश किए थे। लेकिन बाजार में गिरावट आई और मुझे सबसे कम कीमत पर इसे बेचना पड़ा, जिससे मेरा नुकसान हुआ। मेरी स्थिति ऐसी थी कि मुझे पैसे की जरूरत थी, पर मेरे पास ज्यादा ऑप्शन नहीं थे। इसने मुझे एक अहम सबक भी सिखाया कि हमेशा अचानक होने वाली चीजों के लिए तैयार रहें।

ये सबक सीखे

▶ फाइनेंशियल प्लानिंग को आसान रखें।
▶ इससे आप बेहतर तरीके से अपनी आर्थिक स्थिति को कंट्रोल कर सकते हैं
▶ बड़े जोखिम से बच सकते हैं।
▶ शेयर मार्केट में निवेश करते वक्त पूरी तरह से समझें कि जिस कंपनी में पैसा लगा रहे हैं, वह कैसे काम करती है और पैसा कैसे कमाती है।
▶ जीवन में अचानक आने वाली परिस्थितियों का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

रहने के लिए खरीदें प्रॉपर्टी

जानकार बताते हैं कि मैं 2013 में अपने करियर के सिर्फ 3 साल बाद रियल एस्टेट की लहर में बह गया। गुरुग्राम में 60 लाख रुपये के लोन पर 1 करोड़ रुपये का घर खरीदा। यह एक गलत निवेश साबित हुआ। 60 हजार रुपये की ईएमआई का भारी बोझ भी था। इसने मेरे करियर की शुरुआत में जोखिम लेने और अलग-अलग विकल्पों को आजमाने की मेरी क्षमता को सीमित कर दिया। मैं खुशकिस्मत था कि मुझे अपने पहले स्टार्टअप से अच्छा मुनाफा मिला, जिसने मुझे अपने दूसरे स्टार्टअप के लिए अच्छी पूंजी दी। इसके बाद 2019 में मैं लोन वापस चुकाने में सक्षम हुआ। लेकिन लोन चुकाने की इस प्रक्रिया में मुझे 6 साल लग गए।

ये सबक सीखे

▶ कर्ज लेकर निवेश करना जोखिम भरा हो सकता है।
▶ लॉन्ग टर्म निवेश जैसे म्यूचुअल फंड, एसआईपी में निवेश करना बेहतर होता है। यह न सिर्फ फाइनेंशियल स्थिरता देता है, बल्कि रिस्क भी कम करता है।
▶ रियल एस्टेट को सिर्फ पर्सनल यूज के लिए ही खरीदना चाहिए न कि निवेश के मकसद से।

उधार के पैसों से कभी न लें शेयर

मेरी सबसे बड़ी गलतियों में से एक मेरे करियर की शुरुआत में हुई जब मैं इंग्लैंड में था। मैंने ग्लोबल फाइनेंशियल क्राइसिस में ग्लोबल शेयरों में निवेश करना शुरू किया था। शुरुआती फायदा देखने के बाद मैंने मार्जिन लागत से ज्यादा रिटर्न की उम्मीद में ब्लू-चिप शेयरों में निवेश करने के लिए मार्जिन मनी का इस्तेमाल किया। लेकिन 2008 के ग्लोबल बैंकिंग क्राइसिस ने बाजार में भारी गिरावट ला दी। जैसे ही शेयरों में गिरावट आई, सबसे खराब वक्त पर मार्जिन कॉल ट्रिगर हो गए, जिससे मुझे काफी नुकसान उठाना पड़ा।

सीएम ममता प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों से मिलने स्वास्थ्य भवन पहुंचीं

मैं आपकी दीदी बनकर आई हूं, सीएम नहीं, मेरी रातों की नींद उड़ी

आपकी मांगों का अध्ययन करूंगी,दोषी को सजा मिलेगी

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में एक प्रशिक्षु महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के मामले में प्रदर्शन कर रहे जूनियर डॉक्टरों और राज्य सरकार के बीच गतिरोध जारी है। इस बीच सीएम ममता बेनर्जी प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों से मिलने स्वास्थ्य भवन पहुंचीं डॉक्टरों ने हमें न्याय चाहिए के नारे लगाए।

ममता ने कहा कि वह यहां दीदी के तौर पर डॉक्टरों से मिलने आई हैं। मैं यहां आपसे मुख्यमंत्री नहीं बल्कि दीदी के तौर पर मिलने आई हूं। मैं खुद छात्र आंदोलन करके आगे आई हूं, मैंने अपने जीवन में भी बहुत संघर्ष किया है, मैं आपके संघर्ष को समझती हूं। मुझे मेरे पद की चिंता नहीं है। बारिश में आप यहां विरोध पर बैठे थे मैं रात भर परेशान रही।

अकेली सरकार नहीं चलाती

डॉक्टर बोले- हम मांगों को लेकर चर्चा को तैयार

ममता बनर्जी के संबोधन के बाद डॉक्टरों ने कहा कि वे अधिकारियों के साथ चर्चा करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, हम अपनी पांच मांगों को लेकर सरकार से किसी भी चर्चा के लिए तैयार हैं। यह कोई अनुचित मांग नहीं है।

ममता ने कहा कि आपकी मांगों को आपसे सुनने के बाद मैं उसका अध्ययन करूंगी। मैं अकेले सरकार नहीं चलाती, मैं आपकी मांगों का वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अध्ययन कर समाधान जरूर निकालूंगी। जो भी दोषी पाया जाएगा उसे सजा जरूर मिलेगी। मैं आपसे थोड़ा समय मांग रही हूं। आपके(विरोध कर रहे डॉक्टरों के) खिलाफ राज्य सरकार कोई एक्शन नहीं लेगी। मैं आपसे अनुरोध करती हूं कि आप काम पर वापस लौटे। अस्पताल के विकास, इंफ्रास्ट्रक्चर, सुरक्षा से जुड़े सभी काम शुरू कर दिए गए हैं और आगे भी किए जाएंगे। यह मेरा आखिरी प्रयास है और मैं आपसे वादा करती हूं कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होगा।

संकट को हल करने का अंतिम प्रयास बताया

साल्टा लेक में स्वास्थ्य भवन के बाहर 'हमें न्याय चाहिए' के नारों के बीच प्रदर्शनकारी डॉक्टरों को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि उनकी रातों की नींद हराम हो गई हैं, क्योंकि डॉक्टर बारिश के बीच सड़क पर प्रदर्शन कर रहे हैं और उन्होंने अपने दौरे को संकट को हल करने का अंतिम प्रयास बताया। राज्य सचिवालय नवान्न में बैठक नहीं हो पाने के बाद बेनर्जी शनिवार दोपहर स्वास्थ्य भवन के पास जूनियर डाक्टरों के धरना मंच पर पहुंचीं और उनसे एक बार फिर हड़ताल खत्म कर काम पर लौटने की अपील की।

सीबीआई का बड़ा खुलासा

घटना की रात संजय को फोन करके बुलाया गया था

आरजी कर अस्पताल में एक महिला ट्रेनी डाक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या मामले में सीबीआई ने बड़ा खुलासा किया है। महिला ट्रेनी डॉक्टर से दरिंदगी की घटना की जांच कर रही सीबीआई ने बड़ा खुलासा किया है। जांच एजेंसी के अनुसार वारदात की रात मुख्य आरोपित कोलकाता पुलिस के सिविक वालंटियर संजय रॉय को किसी ने फोन करके अस्पताल में बुलाया था।

एसएन बेनर्जी रोड पर धमाका

एक शख्स घायल, अलर्ट

कोलकाता के एसएन बनर्जी रोड पर शनिवार दोपहर करीब 01.45 बजे तालतला पुलिस स्टेशन को ब्लोचमैन सेंट और एसएन बनर्जी रोड के पास धमाका हुआ है। विस्फोट में एक शख्स घायल हो गया है जो कि कचान उठाने वाला बापी दास बताया जा रहा है। शख्स के दाहिनी कलाई पर चोट लगी है। पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और घायल को एनआरएस अस्पताल पहुंचाया गया। शुरुआती जांच में पता चला है कि प्लास्टिक की एक बोरी रखी थी जिसमें विस्फोट हुआ है। बीडीडीएस की टीम ने घटनास्थल पर मौजूद बैग और आसपास की चीजों की जांच की। एनआईए जांच की मांग की गई है।

खबर संक्षेप

फैसले को चुनौती नहीं देना चाहती थीं फोगाट

नई दिल्ली। वकील हरीश साल्वे ने खुलासा किया है कि विनेश फोगाट पेरिस ओलंपिक 2024 में

संयुक्त रजत पदक देने की उनकी अपील के खिलाफ कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट (सीएएस) द्वारा दिए गए फैसले को चुनौती नहीं देना चाहती थीं। विनेश को महिला फ्रीस्टाइल 50 किग्रा कुश्ती स्पर्धा के फाइनल से अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

अब दिसंबर तक आधार करा सकेंगे अपडेट

नई दिल्ली। सरकार ने फ्री में आधार अपडेट कराने की सीमा अवधि को 3महीने के लिए बढ़ा

दिया है। इससे पहले भी इसे 3 महीने के लिए बढ़ाया गया था जिसके बाद आधार को अपडेट करने की आखिरी तारीख 14 सितंबर थी, लेकिन सरकार ने फिर से राहत दी है जिसका फायदाकरोड़ों लोगों को होगा। अब यह सुविधा 14 दिसंबर तक बढ़ा दिया है।

मुंबई में अब ईद-ए-मिलाद की छुट्टी 18 को

मुंबई। महाराष्ट्र की सरकार ने मुंबई में ईद-ए-मिलाद की छुट्टी का दिन आगे खिसका दिया है। अब यह

छुट्टी 16 सितंबर के बजाय 18 सितंबर को होगी। सरकार ने यह कदम मुस्लिम समुदाय के स्थानीय नेताओं के आग्रह पर उठाया है। कांग्रेस नेता नसीम खान ने सीएम शिंदे से ईद-ए-मिलाद के लिए छुट्टी 16 सितंबर के बजाए 18 सितंबर को करने की अपील की थी।

ताजमहल का मेन गुंबद भी होने लगा लीक

आगरा। दुनियाभर के लोग ताजमहल देखने आते हैं। यह भारत में पर्यटन और दर्शनीय स्थलों के

मुख्य केंद्रों में से एक है। पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश की वजह से ताजमहल के मुख्य गुंबद में लीकेज होने से यह चर्चा का विषय बन गया है। बारिश के चलते ताजमहल परिसर का एक उद्यान पानी में डूब गया है। कई पर्यटकों ने इसे वायरल कर दिया है।

कोलकाता में एक कप चाय 340 रु.में: चिदंबरम

नई दिल्ली। देश के पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने एयरपोर्ट पर मिलने वाली चाय की कीमतों पर आश्चर्य

जताते हुए एक्स पोस्ट किया है और बताया है कि कैसे तमिलनाडु की तुलना में पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में महंगाई ज्यादा है। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा कि कोलकाता एयरपोर्ट पर गर्म पानी और टी-बैग वालीसिंपल चाय के लिए 340 रुपए लिए गए।

डोडा में प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर किया चौतरफा हमला

कांग्रेस सरकार के गृहमंत्री तक 'लाल चौक' जाने से डरते थे, चुनाव 3 खानदानों-नौजवानों में होगा

एजेंसी ▶▶ डोडा (जम्मू)

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी ने डोडा जिले से रैली की शुरुआत की। जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम ने विपक्षी पार्टियां पर जमकर निशाना साधा। साथ ही कहा कि आतंकवाद अब अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है। खूबसूरत जम्मू-कश्मीर को परिवारवाद ने खोखला कर दिया, राजनीतिक दलों को सिर्फ बच्चों की चिंता रही है। इस बार का चुनाव तीन खानदानों और जम्मू कश्मीर के नौजवानों के बीच है।

जम्मू-कश्मीर में जो बदलाव आ रहा है यह हमारी सरकार के बीते 10 सालों की कोशिशों का परिणाम है। यहां यह भी बताना जरूरी है कि 42 साल में पहली किसी प्रधानमंत्री ने डोडा में जनसभा की है। आप याद करिए वो वक्त जब दिन ढलते ही यहां अघोषित कर्फ्यू लग जाता था। हालत ये थी कि तब कांग्रेस की केंद्र सरकार के गृहमंत्री तक लाल चौक जाने से डरते थे। जो पत्थर पहले पुलिस और फौज के लिए उठते थे, उन पत्थरों से नया जम्मू कश्मीर बन रहा है।

यहां आतंकवाद अब अपनी अंतिम सांसें गिन रहा जम्मू-कश्मीर को परिवारवाद ने खोखला किया

परिवारवादी लोगों को गुमराह करके मौज काटते रहे

विपक्षी दलों को निशाने पर लेते हुए पीएम मोदी ने कहा कि यहां जिन राजनीतिक दलों पर आपने भरोसा किया, उन्होंने आपके बच्चों की चिंता नहीं की। उन्होंने सिर्फ और सिर्फ अपने बच्चों को आगे बढ़ाया। जम्मू-कश्मीर के मेरे नौजवान आतंकवाद में पिसते रहे और परिवारवाद को आगे बढ़ाने वाली पार्टियां आपको गुमराह करके मौज काटती रही। इन लोगों ने जम्मू-कश्मीर में नए नेतृत्व को कहीं भी, कभी भी उभरने ही नहीं दिया। इस बार जम्मू-कश्मीर का चुनाव, जम्मू-कश्मीर का भाग्य तय करने वाला है। आजादी के बाद से ही हमारा प्यारा जम्मू-कश्मीर विदेशी ताकतों के निशाने पर आ गया। इसके बाद इस खूबसूरत राज्य को परिवारवाद ने खोखला करना शुरू कर दिया।

कांग्रेस, पीडीपी और नेकां 2000 के बाद पंचायत चुनाव तक नहीं करा सकीं

पीएम मोदी ने कांग्रेस, पीडीपी और नेशनल कॉन्फ्रेंस पर हमलावर होते हुए कहा कि यहां पंचायत के चुनाव 2000 के बाद नहीं हुए थे, यहां बीडीसी के चुनाव कभी भी नहीं हुए थे। दशकों तक परिवारवाद ने यहां के बच्चों और होनहार नौजवानों को आगे नहीं आने दिया। 2014 में सरकार में आने के बाद मैंने जम्मू-कश्मीर में नौजवानों की नए नेतृत्व को आगे लाने का प्रयास किया है। फिर 2018 में यहां पंचायत के चुनाव कराए गए, 2019 में बीडीसी के चुनाव हुए और 2020 में पहली बार डीडीसी के चुनाव कराए गए। ये चुनाव इसलिए कराए गए ताकि जम्मू-कश्मीर में डेमोक्रेसी ग्रासरूट तक पहुंचे।

जमशेदपुर में बिष्टुपुर मेन रोड से गोपाल मैदान तक आज रोड शो करेंगे

पीएम मोदी रविवार को जमशेदपुर में करोड़ों की सौगातें देंगे। झारखंड के लिए 3 वंदे भारत एक्सप्रेस को टाटानगर स्टेशन से हरी झंडी दिखाएंगे। सुबह 10 बजे सोनारी हवाई अड्डे पर उतरेंगे। गोपाल मैदान पहुंचने के पहले बिष्टुपुर वोल्टास गोलचक्कर से एक किलोमीटर का लंबा रोड शो करेंगे। पीएम का कारकेट राम मंदिर के सामने वाली सड़क से होता हुआ बिष्टुपुर थाना तक जाएगा। सवा 11 बजे वे गोपाल मैदान में प्रवेश करेंगे।

भाजपा देगी पूर्ण राज्य का दर्जा

संविधान को जेब में लेकर घूमने वालों ने 75 सालों तक आप में से कुछ लोगों से वोट देने का अधिकार छीन लिया था। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने का काम भी भाजपा सरकार ही करेगी, लेकिन आपको ऐसे लोगों से सावधान रहना है, जो अपने स्वार्थ के लिए आपका अधिकार छीनते रहे हैं।

वे काले कारनामों को छिपाने संविधान जेब में लेकर घूम रहे

प्रधानमंत्री ने कहा कि आजकल ये लोग संविधान को अपनी जेब में रखते हैं। ये दिखावा ये अपने काले कारनामों को छिपाने के लिए कर रहे हैं। इन लोगों ने बाबा साहेब के बनाए संविधान की आत्मा को नोच दिया था। वरना क्या कारण था कि हमारे जम्मू-कश्मीर में दो संविधान चलते थे। क्यों यहां के लोगों को वह हक नहीं मिलता था, जो बाकी देश में मिलता था। क्या कारण है कि यहां हमारे पहाड़ी भाई-बहनों को इतने वर्षों आरक्षण नहीं मिला। ये एससी-एसटी और ओबीसी का नाम तक नहीं लेते थे।

कनॉट प्लेस मंदिर पहुंचे

केजरीवाल ने हनुमान जी का किया पूजन और फिर आशीर्वाद लिया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय से कथित आबकारी नीति घोटाले के संबंध में सीबीआई द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार के मामले में शुक्रवार को जमानत मिलने के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को भगवान हनुमान का आशीर्वाद लिया।

वह कनॉट प्लेस स्थित हनुमान मंदिर पहुंचे और पूजा-अर्चना की। इस मौके पर उनके साथ उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के नेता मनीष सिसोदिया, संजय सिंह तथा सौरभ भारद्वाज मौजूद रहे।केजरीवाल ने तिहाड़ जेल से बाहर आने के बाद कहा था कि भगवान हर मुश्किल में उनके साथ खड़े रहे हैं क्योंकि उन्होंने हमेशा सच्चाई का साथ दिया है। पार्टी के नेताओं ने कहा था कि वह जेल से बाहर आने के बाद हरियाणा में पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में चुनाव प्रचार करेंगे। अब हरियाणा के मतदाता भाजपा को उसके पाप की सजा विधानसभा चुनाव देंगे।

पटाखे फोड़ने वालों पर केस

दिल्ली में पटाखों पर प्रतिबंध के बीच मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के मुखिया अरविंद केजरीवाल के स्वागत में पटाखे जलाने को लेकर 'आप' कार्यकर्ताओं की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दिल्ली पुलिस ने इस संबंध में सिविल लाइंस थाने में एक एफआईआर दर्ज की है। शुक्रवार को केजरीवाल के जमानत पर छूटकर आने के दौरान उनके समर्थकों और कार्यकर्ताओं ने तिहाड़ जेल से लेकर मुख्यमंत्री आवास के रास्ते तक जमकर आतिशबाजी कर जश्न मनाया था।

अब कांग्रेस का नया आरोप

सेबी प्रमुख माधवी ने लिस्टेड कंपनियों में की ट्रेडिंग, निर्देशों की अवहेलना की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सेबी की अध्यक्ष माधबी बुच पर हमला बोलते हुए कांग्रेस ने शनिवार को नए आरोप लगाए हैं। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने दावा किया कि बुच ने पद पर रहते हुए लिस्टेड कंपनियों में ट्रेडिंग की जो कि गलत है। उन्होंने चाइनीज फंड्स में भी निवेश किया है।

खासकर उस वक्त जब भारत चीन के साथ भू-राजनीतिक तनाव का सामना कर रहा है। रमेश ने नए आरोपों की ओर इशारा करते हुए दावा किया कि उन्होंने पूर्णकालिक सदस्य के रूप में और बाद में 36.9

करोड़ की लिस्टेड कंपनियों में ट्रेडिंग की है। कांग्रेस का ये हमला बुच के उस बयान के एक दिन बाद आया है जिसमें बुच ने कहा था कि उन्होंने सभी जरूरी खुलासे कर दिए हैं और महिंद्रा समूह जैसी कंपनियों के साथ काम करने में दिशा-निर्देशों का पालन किया है।

वाहनों को भी रोक दिया

कामरुप जा रहे कांग्रेस नेताओं को स्थानीय लोगों ने बैरंग लौटा दिया

एजेंसी ▶▶ कामरुप

असम में कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल को स्थानीय लोगों ने कथित तौर पर सोनापुर में अतिक्रमण वाली जगह पर जाने से रोक दिया, जहां दो दिन पहले पुलिस की गोलीबारी में दो लोग मारे गए थे।

बताया जा रहा है कि विपक्षी पार्टी के कई विधायक और नेता स्थानीय लोगों से मिलने कोचुटोली गांव गए थे, लेकिन लोगों के एक समूह ने वहां पहुंचने से पहले ही उनके वाहनों को रोक दिया। मामले में कांग्रेस के एक नेता ने बताया कि हम लोग अपनी कारों से उतरकर

पैदल ही स्थल पर जाने की कोशिश की, लेकिन स्थानीय लोगों ने उन्हें वहां जाने की भी अनुमति नहीं दी। कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष और विधायक जाकिर हुसैन सिकदर ने लोगों से बात करने की कोशिश की और कहा प्रतिनिधिमंडल सभी पक्षों की बात सुनने आया है।

शिमला, मंडी, किन्नौर व लाहौल-स्पीति में ज्यादा असर

हिमाचल में जमकर बरसे बदरा

राज्य में भूस्खलन से 41 सड़कें बंद, बर्फबारी से आवागमन ठप

एजेंसी ▶▶ शिमला

हिमाचल प्रदेश में बीते 24 घंटों के दौरान बादल जमकर बरसे हैं। वहीं लाहौल-स्पीति, किन्नौर की ऊंची चोटियां बर्फ से सफेद हो गई हैं। शुक्रवार रात को हुई ताजा बर्फबारी के बाद लाहौल की चोटियां चांदी की तरह चमकीं। कुल्लू, शिमला सहित अन्य जिलों में रातभर बारिश का दौर जारी रहा।

बर्फबारी से सुबह-शाम ठंडक बढ़ गई है। लाहौल घाटी में भी ठंड लगातार बढ़ रही है। इसका असर मनाली-लेह मार्ग की आवाजाही भी पड़ रहा है। रोहतांग दर्रा के साथ शिंकुला, हनुमान टिब्बा, लदाखी पीक, शिंकुला के साथ बारालाचा दर्रा में भी बर्फ गिरी है।

53 बिजली ट्रांसफार्मर भी प्रभावित

जगह-जगह भूस्खलन से एक पुल भी क्षतिग्रस्त है। इसके अतिरिक्त 53 बिजली ट्रांसफार्मर भी प्रभावित हैं। सबसे ज्यादा सड़कें, बिजली आपूर्ति शिमला, मंडी, किन्नौर व लाहौल-स्पीति जिले में प्रभावित हैं। राजधानी शिमला में हल्की धूप खिलने के साथ बादल छाए रहे।

हाईवे बंद, रातभर मलबे में फंसी रही थार

भारी बारिश के चलते आए मलबे से चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाईवे 9 मील के पास करीब नौ घंटे बंद रहा। मलबे की चपेट में एक थार गाड़ी भी आ गई। रात करीब 2:00 बजे गाड़ी मलबे की चपेट में आई। गाड़ी में दो लोग सवार थे। इसके बाद बाप और बेटे ने भाग कर अपनी जान बचाई। वाहनों की लंबी लाइनें लग गई थीं।

वक्फ संशोधन विधेयक पर इस्लामिक उपदेशक ने भड़काया

भारत विरोधी 'जहर' बंद करो, लोगों को बरगलाओ मत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को केंद्र के वक्फ संशोधन विधेयक के बारे में गलत प्रचार करने के लिए भगोड़े इस्लामिक उपदेशक जाकिर नाइक की आलोचना की।

कथित मनी लॉन्ड्रिंग और नफरत फैलाने वाले भाषण के लिए भारत में वांछित जाकिर नाइक ने एक वीडियो संदेश में दावा किया कि अगर संसद की तरफ से वक्फ संशोधन विधेयक पारित किया गया, तो मुसलमानों से हजारों मस्जिदें, मदरसे, कब्रिस्तान और लाखों एकड़ जमीन छीन ली जाएंगी।

मंत्री रिजिजू ने नाइक को 'लताड़ा'

एनडीए सरकार को बताया था मुस्लिम विरोधी

नाइक ने मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए गठबंधन सरकार को 'इस्लाम विरोधी' और 'मुस्लिम विरोधी' करार दिया। साथ ही उसने दावा किया कि यह मुसलमानों की जमीन हड़पने की कोशिश कर रही है। इसके जवाब में किरेन रिजिजू ने जाकिर नाइक को 'भारत विरोधी चरित्र' करार दिया। साथ ही झूठे और फर्जी प्रचार करके जहर उगलने के लिए उसकी आलोचना की। किरेन रिजिजू ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि यह भारत विरोधी कैरेक्टर झूठे और फर्जी प्रचार करके जहर उगल रहा है और भारत में सांप्रदायिक अशांति पैदा इसके पहले नाइक ने दी थी धमकी इस सप्ताह की शुरुआत में एक अलग पोस्ट में नाइक ने वक्फ बिल के 'बुरे नतीजों' के बारे में चेतावनी दी थी। उसने अपने अनुयायियों से संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के समक्ष आपत्तियां प्रस्तुत करने का आग्रह किया था। इस पर रिजिजून ने पहले जवाब दिया था कि कृपया हमारे देश के बाहर के निर्दोष मुसलमानों को गुमराह न करें। भारत एक लोकतांत्रिक देश है और लोगों को अपनी राय रखने का अधिकार है। झूठे प्रचार से गलत बयानबाजी होगी।

केंद्रीय मंत्री गोपी का सवाल

केरल के कितने सांसदों ने गांवों को गोद लिया, विकास सुनिश्चित किया

एजेंसी ▶▶ वेल्लायनी

केंद्रीय पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस और पर्यटन राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने शनिवार को सवाल किया कि केरल में कितने सांसदों ने गांवों को गोद लिया और उनका विकास सुनिश्चित किया, जैसा कि केंद्र ने यहां वेल्लायनी में किया है।

उन्होंने कहा कि चुनाव में जीत का मतलब लोगों की मदद करना होना चाहिए। गोपी ने दावा किया कि तिरुवनंतपुरम से चुनाव जीतने वाले किसी भी सांसद ने वर्षों से वेल्लायनी के विकास के लिए कुछ नहीं किया। गांव में एक समारोह में बोलते हुए गोपी ने कहा कि जब वह

राज्यसभा सांसद थे, तो उन्होंने गांव में बुनियादी सुविधाओं और इन्फ्रास्ट्रक्चर को सुनिश्चित करने की पहल की थी। चुनाव जीतने का मकसद लोगों की भलाई के लिए काम करना होना चाहिए। फिर भी विपक्ष के किसी सांसद ने यहां पर कोई काम नहीं करवाया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरा, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevnitoday@gmail.com मो: 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)